हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • गुरुवार • 16.04.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 259 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये
RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

आंध्र प्रदेश : गैस सिलेंडर फटने में तीन मजदूरों की मौत

हैदराबाद : आंध्र प्रदेश के श्री सत्यसाई जिले (पुट्टापर्थी) के कम्मरावरिपल्ली गांव में एक रिहायशी मकान में खाना बनाते समय गैस सिलेंडर फटने से तीन लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में दो मकान ढह गए और कई अन्य मकानों को नुकसान भी हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जिले के कदीरी मंडल के गांव कम्मरावरिपल्ली गांव में एक मकान में तेलंगाना के मजदूर खाना बना रहे थे। तभी 12:30 बजे के करीब अचानक गैस के सिलेंडर में विस्फोट हो गया। विस्फोट इनता जबरदस्त था कि दो मकान ढह गए और आसपास के कई मकानों में दरारें आ गई है। इस हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक एस. सतीश ने बताया कि इस हादसे में मारे गए लोगों की पहचान की जा रही है। ।

सांसद राघव चड्ढा को केंद्र से मिली जेड श्रेणी की सुरक्षा

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने आम आदमी पार्टी (आआपा) के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा को जेड श्रेणी की सुरक्षा देने का फैसला किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार खुफिया विभाग की जानकारी और उन्हें खतरे के आकलन के बाद यह फैसला लिया गया है। सूत्रों ने बताया कि राघव को दिल्ली और पंजाब में अर्धसैनिक बलों द्वारा सुरक्षा प्रदान की जाएगी। फिलहाल दिल्ली पुलिस को उनकी सुरक्षा का जिम्मा सौंपा गया है और बाद में केंद्रीय व्यवस्था उनकी सुरक्षा देखेगी। इससे पहले पंजाब की आआपा सरकार ने राघव चड्ढा को दी गई जेड प्लस सुरक्षा वापिस ले ली। वे पंजाब से ही राज्यसभा के सदस्य हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में आआपा ने राघव चड्ढा को राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद से हटाकर उनके स्थान पर अशोक मित्तल को जिम्मेदारी दी। आआपा ने राज्यसभा सचिवालय को भी सूचित कर दिया था कि चड्ढा को अब पार्टी कोटे से बोलने का समय न दिया जाए।

सांसद अशोक मित्तल के ठिकानों पर ईडी का छापा

नई दिल्ली/जालंधर : प्रवर्तन निदेशालय ने आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और एलपीयू के संस्थापक अशोक मित्तल के विभिन्न ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत की जा रही है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसे आगामी विधानसभा चुनावों से प्रेरित बताया। पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इसे सरकार की चुनावी रणनीति का हिस्सा बताया।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की उपस्थिति में 'झारखंड सरकार और इंडियन बैंक' के बीच हुआ एमओयू

स्वास्थ्य कर्मियों को मिलेगा विशेष सैलरी अकाउंट पैकेज, बीमा सुरक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन की उपस्थिति में बुधवार को झारखंड सरकार और इंडियन बैंक के बीच एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत राज्य के स्वास्थ्य विभाग और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के हजारों कर्मियों को विशेष 'सैलरी अकाउंट पैकेज' और 'एचआरआईएस पैकेज' का लाभ मिलेगा।

जोखिम के बीच कार्य करने वाले कर्मियों को मिलेगी वित्तीय सुरक्षा

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य कर्मी अक्सर संक्रमण और जोखिम भरे क्षेत्रों में अपनी जान की परवाह किए बिना काम करते हैं। कोरोना महामारी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी आपदाओं के समय स्वास्थ्य कर्मी ही ढाल बनकर खड़े रहते हैं। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा, स्वास्थ्य कर्मियों का बीमा और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित होना आवश्यक है ताकि वे निर्भीक होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें। यह एमओयू उनके मनोबल को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा।

विकास में बैंकों की भूमिका अहम

मुख्यमंत्री ने इंडियन बैंक के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास में बैंकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने भविष्य की ओर इशारा करते हुए कहा कि आने वाले समय में न केवल सरकारी कर्मचारी, बल्कि श्रमिक वर्ग भी बड़े पैमाने पर डिजिटल बैंकिंग से जुड़ेगा, जिससे बैंकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाएगी। झारखंड मंत्रालय में आयोजित इस समारोह में वित्त मंत्री श्री राधाकृष्ण किशोर, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अजय कुमार सिंह, वित्त सचिव श्री प्रशांत कुमार और इंडियन बैंक के एमडी-सीईओ श्री बिनोद कुमार सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

राज्य सरकार और इंडियन बैंक के बीच आज से एक नई कड़ी जुड़ रही है। यह पैकेज स्वास्थ्य कर्मियों को खुशी और मजबूती के साथ योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा।
— हेमन्त सोरेन, मुख्यमंत्री, झारखंड

सैलरी पैकेज की मुख्य विशेषताएं

- **विशेष सैलरी खाता:** एनएचएम और स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों के लिए कस्टमाइज्ड वेतन खाता।
- **बीमा सुरक्षा:** ड्यूटी के दौरान किसी अनहोनी की स्थिति में कर्मियों और उनके परिवारों को वित्तीय कवच प्रदान किया जाएगा।
- **डिजिटल बैंकिंग:** एचआरआईएस पैकेज के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं को और अधिक सुलभ और पारदर्शी बनाया गया है।

बिहार में 'सम्राट' युग की शुरूआत

- मुख्यमंत्री ने अपने पास रखे 29 विभाग
- विजय और बिजेंद्र बने डिप्टी सीएम

एजेंसी

पटना : बिहार की राजनीति में बुधवार को एक नया अध्याय जुड़ गया। एनडीए की नई सरकार के गठन के साथ ही मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विभागों का बंटवारा कर दिया है। शासन पर अपनी मजबूत पकड़ का संकेत देते हुए मुख्यमंत्री ने गृह विभाग समेत कुल 29 महत्वपूर्ण विभाग अपने पास रखे हैं। वहीं, कैबिनेट के अन्य दो वरिष्ठ सदस्यों–विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव को उपमुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी के साथ महत्वपूर्ण मंत्रालयों का कार्यभार सौंपा गया है।

नई व्यवस्था के तहत मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रशासन और सुरक्षा से जुड़े सभी प्रमुख विभाग अपने नियंत्रण में रखे हैं। उनके पास सामान्य प्रशासन, गृह, सचिवालय, स्वास्थ्य, उद्योग, और नगर विकास जैसे भारी-भरकम विभाग रहेंगे। इसके अलावा, भाजपा और अन्य सहयोगी दलों (लोजपा-आर, हम, रालोमो) के कोटे वाले विभाग भी फिलहाल मुख्यमंत्री ही संभालेंगे।

जदयू कोटे से बने दोनों उपमुख्यमंत्रियों के बीच 18 विभागों का बंटवारा किया गया है: विजय कुमार चौधरी (10 विभाग): इन्हें शिक्षा, जल संसाधन, संसदीय कार्य, ग्रामीण विकास और परिवहन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी गई है।

बिजेंद्र प्रसाद यादव (8 विभाग): इनके पास ऊर्जा, वित्त, मद्य निषेध, वाणिज्य-कर और ग्रामीण कार्य जैसे अहम विभाग रहेंगे।

अस्थायी व्यवस्था जल्द होगा विस्तार

सूत्रों के अनुसार, विभागों का यह बंटवारा फिलहाल अस्थायी है। मंत्रिमंडल के आगामी विस्तार के बाद नए मंत्रियों को शामिल किया जाएगा, जिसके बाद विभागों का नए सिरे से आवंटन होगा। तब तक शासन की पूरी कमान इन्हीं तीन शीर्ष नेताओं के हाथों में रहेगी।

पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में सड़क हादसा, सात की मौत, 21 घायल

एजेंसी

चंडीगढ़ : बैसाखी का जश्न मनाकर लौट रहे श्रद्धालुओं के लिए बीती रात काल बनकर आई। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में एक बस अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकराने के बाद पलट गई। इस दर्दनाक हादसे में सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 21 लोग घायल हैं। मृतकों में दो सगे भाई शामिल हैं और पांच मृतक एक ही गांव के निवासी थे।

मंजिल से महज 2 किलोमीटर पहले हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार, श्रद्धालु आनंदपुर साहिब में बैसाखी कार्यक्रम में भाग लेकर बस से वापस लौट रहे थे। बस में करीब 40 लोग सवार थे और उनमें से अधिकांश को गांव मैणमाजरा में उतरना था। गांव हिम्मतपुरा के पास बस में अचानक तकनीकी खराबी आई और वह खंभे से जा टकराई। कुछ चश्मदीदों का दावा है कि टक्कर के बाद बस में करंट भी फैल गया था।

हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंची। 12 घायलों को मोरिंडा और 9 को फतेहगढ़ साहिब के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से घायलों को चंडीगढ़ ढत्रक्क रेफर किया गया है।

कैबिनेट के फैसले: खुलेंगे 4 नए मेडिकल कॉलेज

विद्यार्थियों के लिए रोबोटिक्स और क्विज योजना को मंजूरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य के विकास और जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कैबिनेट ने शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और कर्मचारियों के हित में कुल 52 प्रस्तावों पर अपनी मुहर लगाई।

राज्य के युवाओं को तकनीक से जोड़ने के लिए सरकार ने कई योजनाओं को स्वीकृति दी है। उच्च एवं तकनीकी संस्थानों के छात्रों के लिए राज्य स्तरीय रोबोटिक्स फेस्टिवल का आयोजन होगा। पॉलिटेक्निक और स्कूलों के छात्रों के लिए 'इमर्जिंग टेक्नोलॉजी' पर आधारित क्विज प्रतियोगिता शुरू होगी। शिक्षण संस्थानों में (विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित) से संबंधित महत्वपूर्ण दिवस मनाए जाएंगे।

कैबिनेट ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए धनबाद, खूंटी, गिरिडीह और जामताड़ा के जिला अस्पतालों को मेडिकल कॉलेज के रूप में अपग्रेड करने की मंजूरी दी है। यह कार्य मोड के तहत किया जाएगा। इसके अलावा, विदेश से मेडिकल की पढ़ाई कर लौटे छात्रों को अब राज्य के मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप और स्टाइपेंड की सुविधा मिलेगी।

नामकुम-डोरंडा मार्ग 6.70 किमी लंबी इस सड़क को फोर-लेन करने के लिए 162.82 करोड़ रुपये मंजूर किए गए।

जमशेदपुर इंटरस्टेट बस टर्मिनल जो जल संसाधन विभाग की भूमि पर 153.37 करोड़ की लागत से बस पड़ाव और कमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनेगा।

रांची के कतारी बगान (नामकुम) और जामताड़ा के करमाटांड़ में रेलवे ओवरब्रिज निर्माण को प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

रांची में नई सड़क, आशीर्वाद बैंक्वेट (करमटोली) से फायरिंग रेंज (बरियातू) तक 4 किमी लंबी सड़क निर्माण के लिए 141.24 करोड़ रुपये आवंटित किए गए।

सरकार ने पांचवें और छठे वेतनमान का लाभ ले रहे कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते और महंगाई राहत में वृद्धि को मंजूरी दी है। यह बढ़ोतरी 1 जुलाई 2025 के प्रभाव से लागू होगी।

ट्रंप ने खोला होर्मुज का रास्ता

एजेंसी

वॉशिंगटन : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर बड़ा दावा किया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कहा कि उन्होंने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को स्थायी रूप से खोल दिया है। उन्होंने लिखा 'चीन बहुत खुश है कि मैं होर्मुज स्ट्रेट को स्थायी रूप से खोल रहा हूं। मैं यह उनके लिए भी कर रहा हूं और दुनिया के लिए भी। ऐसी स्थिति फिर कभी नहीं होगी। वे ईरान को हथियार न भेजने पर सहमत हो गए हैं। जब मैं कुछ हफ्तों में राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने वहां जाऊंगा तो मुझे जोरदार गले लगाएंगे।

भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक परंपराएं हमारी ताकत: मोदी

एजेंसी

मांड्या (कर्नाटक) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत हजारों वर्षों से चलती आ रही एक जीवंत सभ्यता है, जहां परंपराओं की निरंतरता दुनिया में अद्वितीय है। बहुत कम देशों में इतनी लंबी अवधि तक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराएं निरंतर बनी रहती हैं।

प्रधानमंत्री कर्नाटक के मांड्या जिले में स्थित आदिचुंचनगिरि महासंस्थान मठ में श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा भी मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने मिलकर सौंदर्य लहरी और शिव महिम्न स्तोत्रम नामक पुस्तक का विमोचन भी किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय समाज में समय-समय पर ऐसे महान संत और व्यक्तित्व जन्म लेते रहे हैं, जिन्होंने केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शन ही नहीं दिया, बल्कि समाज के बीच रहकर लोगों के दुख-दर्द को समझा और उन्हें कठिनाइयों से बाहर निकलने का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि यही भारत की परंपरा और ताकत है।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर देशवासियों के सामने नौ प्रमुख आग्रह भी रखे। उन्होंने लोगों से जल संरक्षण को अपनाने और पानी के बेहतर प्रबंधन का संकल्प लेने का आह्वान किया। इसके साथ ही एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण करने की अपील की।

सीबीएसई कक्षा 10 के नतीजे घोषित

एजेंसी

- 93.70 फीसदी उत्तीर्ण, क्षेत्रवार प्रदर्शन में त्रिवेंद्रम और विजयवाड़ा अव्वल

नई दिल्ली : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को कक्षा 10 की परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। इस वर्ष कुल 93.70 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जो पिछले वर्ष के 93.66 प्रतिशत की तुलना में 0.04 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दशार्ता है।

बोर्ड के अनुसार, इस वर्ष 24,83,479 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 24,71,777 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए और 23,16,008 छात्र-छात्राएं सफल घोषित किए गए। परीक्षा का आयोजन 17 फरवरी से 11 मार्च 2026 तक किया गया था।

क्षेत्रवार प्रदर्शन में त्रिवेंद्रम और विजयवाड़ा क्षेत्र 99.79 प्रतिशत के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहे, जबकि चेन्नई (99.58 प्रतिशत) और बेंगलुरु (98.91 प्रतिशत) ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। दिल्ली पश्चिम और दिल्ली पूर्व क्षेत्र का पास प्रतिशत क्रमशः 97.45 और 97.33 रहा।

परिणाम में छात्राओं का प्रदर्शन छात्रों के मुकाबले बेहतर रहा। परिणामों के मुताबिक 94.99 प्रतिशत छात्राएं पास हुईं, जबकि 92.69 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए। ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों का पास प्रतिशत 87.50 रहा।

संस्थागत प्रदर्शन की बात करें तो केन्द्रीय विद्यालय (केवी) ने 99.57 प्रतिशत के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया, इसके बाद जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) 99.42 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहे। सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों का पास प्रतिशत क्रमशः 91.43 और 91.01 रहा।

विदेशी स्कूलों का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा, जहां पास प्रतिशत 99.10 दर्ज किया गया।

इस वर्ष परीक्षा में कुल 2,21,574 छात्रों ने 90 प्रतिशत या उससे ज्यादा अंक हासिल किए। इनमें से 55,368 छात्रों ने 95 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त किए। इस वर्ष बड़ी संख्या में छात्रों ने 90 प्रतिशत और उससे अधिक अंक हासिल किए, जो छात्रों के बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन को दशार्ता है।

महिला आरक्षण बिल पर तकरार: इंडिया गठबंधन संसद में करेगा विरोध

एजेंसी

नयी दिल्ली : संसद में महिला आरक्षण को लेकर आने वाले नए संशोधन विधेयक पर विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। बुधवार को नयी दिल्ली में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में गठबंधन ने फैसला किया है कि वे इस विधेयक का संसद में पुरजोर विरोध करेंगे। हालांकि, विपक्ष ने यह भी साफ किया है कि उनकी लड़ाई महिला आरक्षण के विचार से नहीं, बल्कि सरकार की 'टाइमिंग' और बिल लाने के 'तरीके' से है।

खरगे के आवास पर जुटी विपक्षी ताकत

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के 10 राजाजी मार्ग स्थित आवास पर करीब तीन बजे शुरू हुई इस बैठक में विपक्ष के तमाम दिग्गज नेता शामिल हुए। बैठक में राहुल गांधी, सुप्रिया सुले, तेजस्वी यादव, संजय राउत और संजय सिंह मौजूद रहे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी डिजिटल माध्यम से अपनी राय साझा की।

बिल में क्या है खास?

- **सीटों की संख्या:** लोकसभा में सदस्यों की मौजूदा संख्या 543 से बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव है।
- **आरक्षण प्रतिशत:** महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करना।
- **परिसीमन आयोग:** सरकार परिसीमन आयोग के गठन के लिए नया कानून लाने की तैयारी में है।

विरोध की मुख्य वजह: परिसीमन का पेंच

गठबंधन के नेताओं का मानना है कि सरकार इस बिल की आड़ में परिसीमन के जरिए राजनीति साधने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा हम महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन सरकार इसे जिस तरह से पेश कर रही है, वह पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है। हम परिसीमन संबंधी प्रावधानों का एकजुट होकर विरोध करेंगे।

विपक्ष की मांग

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने स्पष्ट किया कि विपक्ष चाहता है कि महिला आरक्षण साल 2029 से ही लागू हो, लेकिन इसके लिए परिसीमन की शर्त जोड़ना गलत है। विपक्षी दलों को आशंका है कि परिसीमन के बहाने जनगणना को टालने और उत्तर-दक्षिण राज्यों के बीच राजनीतिक संतुलन बिगाड़ने की साजिश हो सकती है। अब सबकी नजरें कल संसद में होने वाली बहस पर टिकी हैं, जहाँ महिला आरक्षण के नाम पर पक्ष-विपक्ष के बीच तीखी झड़प होने के आसार हैं।

सांसद व विधायक ने किया बाबा साहेब की आदमकद प्रतिमा का अनावरण

शिक्षा ही अज्ञानता के अंधकार को मिटाएगीः मनीष जायसवाल

बाबा साहेब का दिखाया मार्ग ही प्रगति का रास्ताः मनोज यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : डपोक पंचायत स्थित गरजामु गांव में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर उनकी आदमकद प्रतिमा का भव्य अनावरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल और विशिष्ट अतिथि के रूप में बरही विधायक मनोज कुमार यादव उपस्थित हुए। दोनों अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और प्रतिमा का अनावरण कर बाबा साहेब को नमन किया। समारोह को संबोधित करते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने कहा, आज हमारा राष्ट्र बाबा साहेब द्वारा निर्मित संविधान की शक्ति से ही प्रगति के पथ पर अग्रसर है। हमें

सनातनी एकता को मजबूत रखना चाहिए और जातियों में बंटने के बजाय एकजुट होकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को शिक्षित बनाने की अपील की।

वहीं विधायक मनोज कुमार यादव ने संविधान की महत्ता बताते हुए कहा कि बाबा साहेब का संविधान समाज में समानता लाने वाला एक सुरक्षा कवच है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो हमें अज्ञानता के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जा सकती है। समारोह के दौरान राज आर्यन डांस ग्रुप द्वारा बाबा साहेब के जीवन पर आधारित लघु नाटिका और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का मंच संचालन शिक्षक बमबम कुमार ने किया। आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय अंबेडकर क्लब के संरक्षक अर्जुन रविदास, अध्यक्ष अनिल रविदास, सचिव रूपलाल दास सहित पूरी टीम का सराहनीय योगदान रहा।

इस अवसर पर हजारीबाग जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष महेंद्र राम बिहारी, सांसद प्रतिनिधि अजय कुमार साहू, मोतीलाल चौधरी, गुरुदेव गुप्ता, रंजन चौधरी, मुखिया संघ अध्यक्ष विजय यादव, नागेश्वर रजक, समाजसेवी बासुदेव पासवान, क्यूम अंसारी, सूरज दास, डिलो पासवान, मुखिया मंगलदेव यादव, रवि यादव, मुन्ना यादव, गुलाब रविदास, कार्तिक पासवान सहित अन्य।

एक नजर

आर एंड आर कॉलोनी में होगा डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण आज, तैयारी पूरी

बड़कागांव : आज बड़कागांव आर एंड आर कॉलोनी में होगा डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम अंबेडकर युवा समिति की ओर से किया जाएगा। जिसकी तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला रविदास महासभा के अध्यक्ष विनोद कुमार एवं विशिष्ट अतिथि बड़कागांव प्रमुख फुलवा देवी, पश्चिम जिप सदस्य यासमीन निशा, मध्य जिप सदस्य सुनीता देवी एवं रविदास महासभा बड़कागांव प्रखंड अध्यक्ष अशेश्वर राम, पंसस सिदवारी निर्मल राम, मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार विशेष रूप से आमंत्रित हैं। वही कार्यक्रम की अध्यक्षता अंबेडकर युवा मंच की ओर से की जाएगी।

अध्यक्ष गोविंद राम ,सचिव दिनेश कुमार रवि उर्फ गुड्डू राम, कोषाध्यक्ष आलोक कुमार, सदस्य में भीखन राम, नेमधारी राम, संजय कुमार दास, परमेश्वर दास, खिरोधर राम, अनूप कुमार, प्रवीण कुमार, उपेंद्र कुमार के अलावा अंबेडकर युवा समिति के तमाम सदस्य गण तैयारी में जुटे हैं।

विभावि में दो विभागाध्यक्ष अभिषद सदस्य के रूप में हुए मनोनीत

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के अभिषद में दो नए सदस्यों का मनोनयन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा के द्वारा किया गया है। यह मनोनयन चक्रानुक्रम पद्धति के आधार पर पूर्व के सदस्यों के कार्यकाल पूर्ण होने के पश्चात स्थान रिक्त हो जाने के कारण किया गया है। इस संबंध में विश्वविद्यालय ने अधिसूचना जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि कुलपति ने विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग के अध्यक्ष के स्थान पर वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष डॉ मोख्तार आलम तथा मानवविज्ञान विभाग के अध्यक्ष के स्थान पर मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ अविनाश कुमार को नियुक्ति की तिथि से एक वर्ष के लिए अभिषद सदस्य के रूप में मनोनीत किया है। यह मनोनयन पदनाम से किया गया है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने दोनों नए सदस्यों को बधाइयां दी है। साथ ही पूर्व के सदस्य डॉ आशीष कुमार शाहा तथा डॉ विनोद रंजन को अपने कार्यकाल को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के लिए बधाइयां दी है।

डॉ अंबेदकर के जीवन दर्शन पर विभागीय संगोष्ठी का आयोजन

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय शिक्षाशास्त्र विभाग में डॉ.भीमराव अंबेदकर और जीवन दर्शन का एक विभागीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो तनवीर युनूस द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो निशा सिन्हा ने किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रो तनवीर युनूस ने कहा कि बाबासाहेब एक महान विभूति ही नहीं बल्कि एक विचारधारा है। उन्होंने समाज में स्वतंत्रता, समानता, भाईचारा, विज्ञानवाद आदि विषयों को आम जनों तक प्रचारित किया। इस अवसर पर बीए/बीएससी बीएड के सत्र 2025-2029 एवं 2024-2028 के प्रशिक्षुओं ने बढ़कर अपनी सहभागिता निभाई। इसमें सृष्टि, प्रेमलता,अंकित उरांव,अदिति पांडे, आरती विश्वकर्मा आदि लोगों ने अपने-अपने विचार रखें। धन्यवाद ज्ञापन डॉ चौधरी प्रेम प्रकाश ने किया।

चौपारण में गूंजे शिशित बनो, संगठित रहो के स्वर, अंबेडकर जयंती पर निकली रैली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती बुधवार को प्रखंड क्षेत्र में पूरे उत्साह, श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाई गई। अंबेडकर विचारधारा मंच के तत्वावधान में आयोजित इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें जनसैलाब उमड़ पड़ा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा बाबा साहेब की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल, विधायक मनोज कुमार यादव, कांके विधायक सुरेश बैठा, आयकर आयुक्त निशा उरांव, पूर्व एमएलसी प्रवीण सिंह, भाजपा नेत्री गीता हाजरा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मंच के अध्यक्ष रामस्वरूप पासवान, सचिव प्रो. बिराज रविदास एवं मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेंद्र रजक ने अतिथियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि बाबा साहेब ने शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो का मूल मंत्र दिया, जिसे अपनाकर ही समाज को सशक्त बनाया जा सकता है।विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलकर ही उनके सपनों का भारत साकार होगा। आयकर आयुक्त निशा उरांव ने उनके द्वारा प्रदत्त समावेशी संविधान की सराहना करते हुए महिलाओं को मिले समान अधिकारों पर प्रकाश डाला।

विभावि के वनस्पति विज्ञान विभाग में स्वागत समारोह का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा समसत्र प्रथम के विद्यार्थियों के स्वागत में भव्य कार्यक्रम का आयोजन समसत्र चतुर्थ के विद्यार्थियों के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि इसमें विभाग के कई पूर्व विभागाध्यक्ष की गरिमामयी रही, जिससे पूरे आयोजन की सार्थकता और भी बढ़ गई। इस आयोजन में मुख्य रूप से प्रो एस बी चौधरी, प्रो चंद्रेश्वर प्रसाद, प्रो ईएन सिद्दीकी, डॉ प्रशांत कुमार मिश्रा, डॉ सुरेश चंद जैन के साथ शिक्षा शास्त्र विभाग की डॉ अमिता कुमारी उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय संबोधन में विभाग के अध्यक्ष अविनाश कुमार ने नए छात्रों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। उन्हें विभाग की समृद्ध परंपराओं, उल्लेखनीय उपलब्धियों एवं विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक भ्रमण के दौरान एकत्रित किए गए पादपों के संग्रह को भी पूर्व विभागाध्यक्षों के समक्ष प्रदर्शित किया गया। इसे सभी अतिथियों ने सराहा। अपने संबोधन में पूर्व अध्यक्षों ने छात्रों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों के समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि इससे उन्हें सीखने के साथ-साथ अपने कौशल को प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है।

बरही में विशेष आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन, सैकड़ों मरीजों की हुई जांच

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : 100 दिवसीय टीबी मुक्त अभियान 2026 के तहत बरही प्रखंड अंतर्गत करसो पंचायत सचिवालय में विशेष आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन उपाधीक्षक डॉ प्रकाश ज्ञानी ने नेतृत्व में किया गया। जिसमें पंचायत के सैकड़ों मरीज शामिल हुए, शिविर में कई मरीजों को टीबी स्क्रीनिंग कर मौके पर ही पोर्टेबल एक्स - रे मशीन से जांच की गईं। वहीं शिविर में कुल 72 मरीजों का एक्स - रे परीक्षण किया गया, ताकि संभावित टीबी मरीजों की समय पर पहचान कर उन्हें शीघ्र उपलब्ध कराया जा सकें। साथ ही 18 मरीजों का बलगम जांच के लिए लिया गया। जबकि ओपीडी में 76 मरीजों। का जांच किया गया और दर्जनों मरीजों का बीपी, शुगर, हीमोग्लोबिन और बलगम आदि का निःशुल्क जांच किया गया।

इस दौरान बरही अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ प्रकाश ज्ञानी ने मौके पर मौजूद लोगों को यक्ष्मा के लक्षण, संक्रमण के कारण, जांच की प्रक्रिया, उपचार एवं दवा सेवन के संबंध में जानकारी प्रदान की। और उन्होंने बताया कि टीबी एक उपचार योग्य रोग है। इसकी समय पर पहचान व नियमित दवा सेवन से ही इससे निपटा जा सकता है। वहीं करसो पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मुकेश राम ने सभी अधिकारियों व स्वास्थ्य कर्मियों का स्वागत करते हुए इस पहल को सराहनीय बताया, उन्होंने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविरों से स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ती है, जिससे वे स्वस्थ रह कर समाज के सकारात्मक निर्माण में योगदान दे सकते है। इस शिविर में डॉ अंकुर विहान, बिजेंद्र कुमार, सुलेखा कुमारी, सोनी कुमारी, संतोष कुमार, राहुल कुमार, रीमा पांडेय, शैलेन्द्र कुमार, सूरज कुमार, मो शमशाद समेत दर्जनों सहिया साथी मौजूद थे।

स्ट्रेमैक्स स्टेट स्कॉलरशिप परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन फॉर्म का हुआ वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : स्ट्रेमैक्स फाउंडेशन के तत्वावधान में इस वर्ष राज्य स्तरीय छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है।इसे लेकर फाउंडेशन के फाउंडर एवं डायरेक्ट बिपिन कुमार के नेतृत्व में बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र के आर्यभट्ट साइंस कॉलेज, इंटर आर्ट्स कॉलेज, विद्यापीठ बोर्ड हैकर, एपेक्स एकेडमी, आर के एकेडमी, ज्ञानोदय विकास स्कूल, पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय शिवाडीह, उत्क्रमित उच्च विद्यालय कांडतरी को एफीलिएशन देकर फॉर्म का वितरण किया गया। बिपिन कुमार ने बताया कि इस परीक्षा में कक्षा 3 से 12 तक के छात्र-छात्राएं भाग ले सकते हैं। बड़कागांव प्रखण्ड के सभी शैक्षणिक संस्थानों के लिए रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल निर्धारित की गई है मात्र 200 शुल्क है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए वेबसाइट

www.stremaxfoundation.org पर विजिट करें। एवं ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन और विस्तृत जानकारी के लिए मो. 9525918072 पर सम्पर्क किया जा सकता है। अव्वल 867 प्रतिभागियों को दो हजार से लेकर एक लाख की छात्रवृत्ति, 7500 प्रतिभागियों को स्कूल बैग, तीस हजार प्रतिभागी को मेडल और प्रशस्ती पत्र से पुरस्कृत किया जाएगा। वही 75 टॉपर संस्थानों को कंप्यूटर देकर पुरस्कृत किया जाएगा। परीक्षा झारखंड के सभी प्रखंडों के परीक्षा केन्द्रों में ऑफलाइन आयोजित होगी।

सिस्टम की सुस्ती ने छीना बच्चों का हक : विद्यालय के छात्र ड्रेस को तरसे, स्कूल की बदहाली की खुली पोल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग विशेष रिपोर्ट सरकारी दावों और धरातल की हकीकत के बीच की खाई कितनी गहरी हो सकती है, इसका जीता-जागता उदाहरण हजारीबाग प्रखंड के कुटीपीसी पंचायत स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय में देखने को मिल रहा है। यहाँ शिक्षा विभाग की तकनीकी खामियों और प्रशासनिक लापरवाही के कारण कक्षा 1 और 2 के बच्चों को मिलने वाली ड्रेस की राशि बिना खर्च हुए ही वापस लैप्स हो गई और साथ ही गंदगियों के बीच बच्चे पढ़ने को है मजबूर।

क्या है पूरा मामला?

जानकारी के अनुसार, मार्च 2026 में बच्चों के ड्रेस वितरण के लिए 16,200 रुपये की राशि ब्लॉक

रिसोर्स सेंटर में आवंटित की गई थी। नियमतः इस राशि से बच्चों को सरकारी पोशाक मिलनी थी, लेकिन वित्तीय वर्ष समाप्त होने तक एक धेला भी खर्च नहीं किया जा सका। परिणाम यह हुआ कि यह बजट लैप्स होकर सरकारी खजाने में वापस लौट गया और बच्चे पुरानी या फटी-पुरानी पोशाकों में स्कूल आने को मजबूर हैं। विद्यालय के वर्तमान प्रधानाध्यापक (पंकज कुमार)ने इस विफलता के पीछे 'PFMS पोर्टल' की तकनीकी खामी का हवाला दिया है। उनके अनुसार पोर्टल पर अभी भी पूर्व प्रधानाध्यापक रेखा कुमारी का नाम दर्ज है। वर्तमान प्रधानाध्यापक का पंजीकरण न होने के कारण डिजिटल सिग्नेचर और फंड निकासी संभव नहीं हो सकी। प्रधानाध्यापक पंकज कुमार ने पदभार ग्रहण किए मात्र चार महीने होने और सूचना के अभाव की बात कहकर अपनी जिम्मेदारी कम करने की कोशिश की है। सवाल यह उठता है कि क्या चार महीने का समय पोर्टल पर नाम अपडेट कराने के लिए पर्याप्त नहीं था? क्या बच्चों का भविष्य इन तकनीकी फाइलों में दबकर रह जाएगा?

ग्राउंड रिपोर्ट : पढ़ाई कम, गंदगी ज्यादा

विद्यालय की स्थिति केवल फंड लैप्स होने तक सीमित नहीं है। तस्वीरों और स्थानीय लोगों के फीडबैक से स्कूल की बदहाली की एक और तस्वीर सामने आई हैः स्वच्छता का अभावः विद्यालय परिसर में कचरे के अंबार लगे हैं। जहाँ दीवार पर 'जल ही जीवन है' और 'साबुन से हाथ धोएं' जैसे नारे लिखे हैं, वहीं वॉश बेसिन और नल सूखे व टूटे पड़े हैं। शौचालय की स्थिति ऐसी है ना साफ सफाई, इतनी बदबूदार कि आप जाने के लिए मास्क पहनकर के भी आप प्रवेश नहीं कर सकते हैं। बुनियादी शिक्षा पर संकटः पंचायत परिषद सदस्य ननकू मेहता ने निरीक्षण के दौरान पाया कि बच्चे बुनियादी शिक्षा में भी पिछड़े हुए हैं। कभी सैकड़ो की संख्या वाले इस स्कूल में अब छात्रों की संख्या लगातार घट रही है। 1 और 2 क्लास के बच्चे जर्जर मकान में पढ़ने को है मजबूर। ग्रामीणों और अभिभावकों का आरोप है कि शिक्षक केवल उपस्थिति दर्ज कराने के लिए आते हैं, शिक्षा की गुणवत्ता की ओर उनका कोई ध्यान नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड कॉलेज में 11वीं का शत प्रतिशत रिजल्ट रहा

बड़कागांव : झारखंड कॉलेज के 11वीं की परीक्षा फल घोषित हुआ जिसमें छात्र-छात्राओं का शत प्रतिशत रिजल्ट रहा। जिसमे कला मे 220, साइंस में 25 एवं कॉमर्स मे 12 परीक्षार्थी शामिल हुवें थे। जिसमे साइंस में विक्की कुमार 216 अंक प्राप्त कर कॉलेज टॉपर रहा। वही कला मे मो फरहान रजा 2023अंक प्राप्त कर कॉलेज टॉपर रहा वही कॉमर्स में सुधा परवीन 189 अंक लाकर टॉपर बनी। सभी छात्र बेहतर प्रदर्शन करके 12वीं में प्रवेश किया। इस सफलता पर कॉलेज के प्रिंसिपल विनोद यादव ने सभी सफल प्रार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए आगामी के परीक्षा में और बेहतर करने का मार्गदर्शन दिए। इस मौके पर शमशेर अंसारी, मोहम्मद इब्राहिम, कुलदीप कुमार, सूरज कुमार, रंजीत विश्वकर्मा, रंजीत साहू, मोहम्मद मुदस्सर, सतनारायण व अन्य शिक्षकों ने सफल विद्यार्थियों की उज्जवल भविष्य की कामना किया।

प्रखंड मुख्यालय में मनाई गई डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड सह अंचल कार्यालय में बड़कागांव प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल की अध्यक्षता में संविधान निमार्ता भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जन्मदिन मनाई गई। इस दौरान अंबेडकर की तस्वीर पर बारी-बारी से लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल ने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर ने पूरे विश्व में भारत देश का मान सम्मान बढ़ाया है। मौके पर आशीष कुमार पासवान प्रखंड समन्वयक पंचायती राज, दीपक कुमार रवि सहायक पंचायत सचिव, धीरज कुमार सिंह, अरविंद दांगी, अलका कुमारी, संगम कुमारी, अनूप कुमार अंचलकर्मी, बरजन डोम अनुसेवक आदि उपस्थित थे।

बड़कागांव में जाम की स्थिति को देखते हुए कंपनियों की बसों के परिचालन को बंद करने हेतु डीसी को आवेदन

NAGRIK ADHIKAR MANCH
नागरिक अधिकार मंच

बड़कागांव : नागरिक अधिकार मंच बड़कागांव के द्वारा हजारीबाग उपायुक्त को बड़कागांव मुख्य चौक में लग रहे जाम की स्थिति को लेकर एक आवेदन दिया गया। जिसमें कोल माइनिंग कंपनियों के बसों के परिचालन पर रोक लगाने की मांग की गई। ज्ञात हो कि 18 जून 2025 को बड़कागांव मुख्य चौक में इंग्लिश सोनी को त्रिवेणी सैनिक बस के द्वारा ठोकर मार दी गई थी जो बाल बाल बच गए थे। इस घटना के बाद कंपनी के अधिकारियों, प्रशासन और बड़कागांव के ग्रामीणों के बीच एक बैठक हुई थी जिसमें यह निर्णय हुआ था कि अक्टूबर के बाद कंपनी अपने बसों का परिचालक बड़कागांव मुख्य चौक से नहीं करेगी परंतु कंपनी अपने दिए आश्वासन से मुकर गई और कंपनी की बसें लगातार बड़कागांव मुख्य चौक से आवागमन कर रही है जिसकी वजह से जाम अधिक लग रहा। इसको लेकर नागरिक अधिकार मंच के द्वारा डीसी को आवेदन दिया गया है। आवेदन देने वालों में नागरिक अधिकार मंच के संस्थापक लखींद्र ठाकुर, लखन कुमार गुप्ता, रमेश कुमार मेहता, पंचायत न्यूज से अमित कुमार साहू समेत दर्जनों लोग गए थे।

के. बी. महिला कॉलेज में गूँजा 'नारी शक्ति वंदन' का स्वर, चलाया हस्ताक्षर अभियान

हजारीबाग : भारतीय जनता युवा मोर्चा, हजारीबाग के तत्वावधान में बुधवार को के.बी. महिला कॉलेज के परिसर में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में एक भव्य हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया। भाजयुमो जिला अध्यक्ष राजकरण पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य ध्येय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में किए जा रहे अभूतपूर्व प्रयासों के प्रति जनसमर्थन जुटाना और आभार प्रकट करना था। इस अवसर पर कॉलेज की छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्हें नारी शक्ति वंदन अधिनियम की बारीकियों और इसके दूरगामी सकारात्मक प्रभावों के बारे में विस्तार से जागरूक किया गया।इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह और के.बी. महिला कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मुकुल कुमार उपस्थित रहे जिन्होंने छात्राओं का मार्गदर्शन किया। उनके साथ ही भाजपा नेता इंद्र नारायण कुशवाहा, अजय कुमार साहू, महेंद्र राम बिहारी, रेणुका साहू, मनोरमा राणा, कुलदीप कृष्णा, रिंकू वर्मा, दीपक मेहता, शशांक शेखर, अपराजिता तिवारी, अनिल गुप्ता और बालकिशन कुमार सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बड़ी संख्या में उपस्थित छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हस्ताक्षर अभियान में हिस्सा लिया और केंद्र सरकार की इस पहल के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

326 यूनिट रक्त संग्रह कर रचा इतिहास, हजारीबाग यूथ विंग को सिविल सर्जन ने किया सम्मानित

हजारीबाग : मानवता की सेवा में किए गए समर्पित प्रयास जब नई मिसाल कायम करते हैं, तो समाज भी उन्हें सम्मान की ऊंचाइयों तक पहुंचाता है। ऐसा ही गौरवपूर्ण क्षण हजारीबाग में उस समय देखने को मिला, जब हजारीबाग जिले की सामाजिक संस्था हजारीबाग यूथ विंग को सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान 13 अप्रैल को आयोजित भव्य रक्तदान शिविर में 326 यूनिट रक्त संग्रह की ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए प्रदान किया गया, जो जिले का अब तक का सबसे बड़ा रक्तदान शिविर साबित हुआ। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि रक्तदान महादान है, जो जीवन बचाने का सबसे बड़ा माध्यम है। हजारीबाग यूथ विंग का यह कार्य न केवल सराहनीय है, बल्कि समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायक भी है। उन्होंने कहा कि रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंदों को नई जिंदगी मिलती है और इससे समाज में संवेदनशीलता और सेवा भावना को मजबूती मिलती है। साथ ही उन्होंने संस्था की संगठन क्षमता, समर्पण और सेवा भाव की प्रशंसा करते हुए इसे अन्य सामाजिक संगठनों के लिए प्रेरणास्रोत बताया तथा पूरी टीम और सभी रक्तदाताओं को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार समाज सेवा के कार्य करते रहने की शुभकामनाएं दीं।

एक नजर

पोइला बैशाख का त्योहार धूमधाम से मनाया गया

सिल्ली : सिल्ली ,मूरी और आसपास के क्षेत्र में पोइला बैशाख का त्योहार पूरे उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। बंगाली नववर्ष के इस पहले दिन को लेकर बंगाली समुदाय में खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही लोग नए-नए वस्त्र पहनकर मंदिरों में पूजा-अर्चना के लिए पहुंचने लगे। घरों से लेकर दुकानों तक हर जगह उल्लास का माहौल रहा। सिल्ली और मूरी क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की। महिलाओं और बच्चों ने पारंपरिक बंगाली परिधान पहने।बच्चों में भी त्योहार को लेकर खास उत्साह था।व्यापारी वर्ग के लिए पोइला बैशाख का दिन विशेष महत्व रखता है। इसे शुभ लाभ की शुरूआत माना जाता है। इस कारण दुकानदारों ने अपने-अपने प्रतिष्ठानों में पुरोहित को बुलाकर विधि-विधान से लक्ष्मी-गणेश का पूजन कराया। नए खाता-बही की पूजा की गई जिसे 'हलखाता' कहा जाता है। ग्राहकों को मिठाई बांटी गई और पूरे साल के लिए शुभकामनाएं दी गईं। घरों में भी त्योहार की तैयारी पहले से ही शुरू हो गई थी। इस दिन हर घर में विशेष पकवान बनाए गए। पुआ, मालपुआ, रसगुल्ला, संदेश और कई तरह की पारंपरिक मिठाइयां तैयार की गईं। लोग एक-दूसरे के घर जाकर मिठाई बांटते और शुभो पोइला बैशाख की बधाई देते नजर आए। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं भेजीं।

बिजली विभाग के खिलाफ भाजपा का जोरदार धरना प्रदर्शन 17 को

अनगड़ा : भारतीय जनता पार्टी,रांची महानगर ,पूर्वी एवं पश्चिमी जिला द्वारा संयुक्त रुप से लगातार बढ़ते बिजली बिल,अनियंत्रित एवं मनमानी दरों में वृद्धि तथा अनियमित/अघोषित बिजली कटौती के विरोध में आम जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए 17 अप्रैल, शुक्रवार को बिजली विभाग कार्यालय के समक्ष कुसई,डोरंडा में एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया जायेगा।उक्त धरना प्रदर्शन में रांची महानगर अध्यक्ष वरूण साहू,पूर्वी जिलाध्यक्ष विनय महतो एवं पश्चिमी जिलाध्यक्ष नरेंद्र सिंह भी मौजूद रहेंगे।भाजपा रांची जिला पूर्वी जिलाध्यक्ष ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिलों में अनियमितताएं बढ़ ग?ई हैं और उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है जिससे आमजन परेशान हैं इसी असंतोष के कारण भाजपा ने प्रदर्शन का रास्ता अपनाया।उक्त जानकारी जिला महामंत्री मनोज चौधरी ने दी।

कुरमी/कुड़मी (महतो) समन्वय समिति झारखंड की बैठक संपन्न

सिल्ली : सिल्ली कुरमी/कुड़मी (महतो) समन्वय समिति झारखंड बंगाल एवं उड़िसा के उच्च कमिटी का बैठक बिमल महतो होटल सिल्लीडीह में झारखंड प्रभारी निताई चन्द्र महतो टाटीसिलवे कि अध्यक्षता एवं बंगाल प्रभारी सुभेन्दु माहातो पुरुलिया के संचालन में हुई। बैठक में मुख्यरुप से समिति के संयोजक लालचन महतो पुर्वांचल आदीवासी कुड़मी समाज के मुलखुटी सुनिल कुमार माहातो कोषाध्यक्ष मधुसूदन महतो सिल्ली हिरा लाल शांखवार धनबाद , गिरीजानंन्द माहातो झालदा नरेंद्र माहातो कोठशिला बंशीधर महतो सिल्ली बिष्णु महतो बारेडीह उपस्थित थे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि न वोट भाजपा क्यों कि समाज को अनुसुचित जनजाति के सुची में शामिल करने का कही भी जिक्र नहीं है तथा झारखंड विधानसभा चुनाव के समय भि यह घोषणा किया गया था लेकिन अभी तक नहीं किया साथ ही यूसीसी का बातें कर रहा, हर तरह, से समाज को तोड़ने/ बिभाजित एवं दिगभ्रमित का प्रयास किया जाता है सारे बातें समझ कर जंगल महल में निवासरत समाज के लोग अपने बुध्दिमता एवं विवेक से मतदान करें।

राज्यपाल से मिले 'पेंचक सिलाट मार्शल आर्ट' के खिलाड़ी

राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने वाली बेटियां हुई सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के पेंचक सिलाट मार्शल आर्ट के खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धियों से एक बार फिर राज्य का नाम रोशन किया है। झारखंड पेंचके सिलाट संघ के तत्वावधान में प्रदेश के प्रतिभावान खिलाड़ियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात की।

इस अवसर पर गुजरात के आणंद में आयोजित खेलो इंडिया अस्मिता पेंचक सिलाट लीग की सब जूनियर एवं जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिला खिलाड़ियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। यह प्रतिनिधिमंडल संघ की प्रदेश महासचिव और संस्थापक डॉली कुमारी सिंह के नेतृत्व में राजभवन पहुंचा। मुलाकात के दौरान खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धियों और अनुभवों को साझा किया, जिसे राज्यपाल ने ध्यानपूर्वक सुना और उनकी मेहनत की सराहना की।

राज्यपाल ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि इन बेटियों ने अनुशासन, समर्पण और कठिन परिश्रम के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर झारखंड को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की उपलब्धियां न सिर्फ खिलाड़ियों के लिए, बल्कि पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष किशोर मंत्री, चीफ टेक्निकल डायरेक्टर विजय कुमार लिम्बु, अंजन राणा, कोच सूरज चिक बड़ाइक और अमृत मुंडा समेत अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। सभी ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस संबंध में जानकारी संघ की प्रवक्ता शबनम मिंज ने दी।

पेंचक सिलाट खेल को सरकारी मान्यता दिलाने की मांग

इस दौरान खिलाड़ियों और संघ के पदाधिकारियों ने पेंचक सिलाट खेल को झारखंड में सरकारी मान्यता दिलाने की मांग भी रखी। इस पर राज्यपाल ने सकारात्मक रुख दिखाते हुए आश्वासन दिया कि इस दिशा में जल्द आवश्यक पहल की जाएगी, ताकि इस खेल को भी अन्य खेलों की तरह प्रोत्साहन और सुविधाएं मिल सके।

राज्यपाल से मिलने के बाद खिलाड़ियों का बढ़ा मनोबल

संघ की प्रदेश सचिव डॉली कुमारी सिंह ने राज्यपाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राजभवन में मिला सम्मान और प्रोत्साहन खिलाड़ियों के मनोबल को नई ऊर्जा देगा। उन्होंने कहा कि झारखंड के खिलाड़ी सीमित संसाधनों के बावजूद लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं और यदि उन्हें उचित मंच व सुविधाएं मिले तो वे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकते हैं।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखंड के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

सम्मानित होने वाली खिलाड़ियों में पलक साहू (स्वर्ण पदक), जानवी आलिया महतो (रजत पदक), तेजस्विनी खाती, आस्था, विशाखा थापा, कृपा राणा और स्वेता कुमारी (सभी कांस्य पदक) शामिल रही। इन खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर झारखंड को गौरव दिलाया।

महिलाओं ने निकाली स्कूटी रैली

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए पीएम मोदी का जताया आभार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर महिलाओं में उत्साह चरम पर है। कल यानी 16 अप्रैल से इस अधिनियम को लेकर संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया है। इससे पहले इस अधिनियम को लेकर राज्य भर की महिलाओं द्वारा समर्थन और स्वागत किया जा रहा है। आज बुधवार को रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की पहल पर रांची में इसके समर्थन में जेल मोड़ से अलबर्ट एक्का चौक तक स्कूटी रैली निकाली गई।

इस दौरान महिलाओं के सम्मान, अधिकार और भागीदारी पर जोर दिया गया। इस मौके पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि संसद में कल से 3 दिनों तक नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा होगी। इसके बाद वर्ष 2029 में होने वाले लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में महिलाओं को 33% आरक्षण मिलने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की जनता से जो वादा करते हैं उसे पूरा करते हैं। 33% आरक्षण मिलने से महिलाओं की भागीदारी पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक देखने को मिलेगी। राजधानी की सड़क पर स्कूटी चलाकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम का स्वागत करने उतरी महिलाओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। स्कूटी रैली में शामिल महिलाएं इस दौरान पीएम मोदी जिंदाबाद के नारे लगा रही थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जता रही इन महिलाओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से मिलने वाले 33% आरक्षण का स्वागत करते हुए कहा कि यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में सबसे बड़ा कदम है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से झारखंड मंत्रालय में नवनियुक्त कुलपति, रांची विश्वविद्यालय, रांची, प्रो० सरोज शर्मा ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी।

मुख्यमंत्री से मिला सेंट्रल सिख नौजवान सभा का प्रतिनिधिमंडल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से बुधवार को झारखंड मंत्रालय में सेंट्रल सिख नौजवान सभा के एक प्रतिनिधिमंडल ने औपचारिक मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बैसाखी के पावन पर्व के अवसर पर पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए समस्त सिख समुदाय और प्रदेशवासियों को बैसाखी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने राज्य की प्रगति में सिख समुदाय के योगदान की सराहना की।

इस अवसर पर सेंट्रल सिख नौजवान सभा के प्रमुख सदस्य उपस्थित थे, जिनमें मुख्य रूप से अमरीक सिंह (प्रधान), रणजीत सिंह (महासचिव), सदस्यः इंद्रजीत सिंह, अमनजोत सिंह, हर्षदीप सिंह, सुरेंद्र सिंह एवं अनुराग सिंह उपस्थित रहे।

मुलाकात के दौरान सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व की खुशियां साझा की गईं।

एडवांस ब्यूटीशियन एवं ग्रूमिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : महिला सशक्तिकरण के लिए कार्यकुशलता जरूरी है। कार्य कुशलता के साथ अगर समर्पण और आत्मविश्वास हो, तो जीवन में सफलता जरूरी मिलती है। उक्त बातें राय यूनिवर्सिटी के कुलपति पीयूष रंजन ने कहीं। वह आज ऊषा मार्टिन फाउंडेशन के तत्वावधान मेंएडवांस ब्यूटीशियन एवं ग्रूमिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम मिनी टूल रूम में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित प्रमाण-पत्र वितरण समारोह में कुल 20 प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

इस अवसर पर डॉ पियूष रंजन ने कहा कि आज के शिक्षा तंत्र में स्नातक के बाद भी कौशल की कमी महसूस की जाती है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि स्कूली शिक्षा में स्किल डेवलपमेंट को जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। प्रमाण-पत्र केवल एक कागज नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। एक महिला सशक्त होगी तो परिवार सशक्त होगा, परिवार से समाज और समाज से राष्ट्र मजबूत होता है। विशिष्ट अतिथि डॉ. मयंक मुरारी ने अपने संबोधन में कहा कि समाज में आजीविका के अवसरों को बढ़ाना समय की आवश्यकता है। किसी भी हुनर को दबाना नहीं चाहिए, बल्कि उसे आगे बढ़ाना चाहिए। यह प्रशिक्षण अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरूआत है। हुनर कभी व्यर्थ नहीं जाता, जीवन के किसी भी पड़ाव पर उसका लाभ अवश्य मिलता है।

कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई तथा उन्हें स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता टूल रूम के प्राचार्य एम.के. गुप्ता ने की, जबकि मंच संचालन पंकज प्रणेंदु द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन टूल रूम के प्रशासनिक अधिकारी आशुतोष मिश्रा ने किया।

रांची विश्वविद्यालयः प्रशासनिक चौखट छोड़ छात्रों के बीच जमीन पर बैठीं कुलपति, सुनीं समस्याएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची विश्वविद्यालय के इतिहास में बुधवार को एक अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिला। अमूमन बंद कमरों में बैठकों और ज्ञापनों तक सीमित रहने वाली विश्वविद्यालय की संवाद प्रक्रिया इस बार सीधे जमीन पर उतरी। विश्वविद्यालय की नवनियुक्त कुलपति प्रो। सरोज कुमार शर्मा ने परंपराओं को तोड़ते हुए प्रशासनिक भवन से बाहर निकलकर आंदोलनरत छात्रों के बीच पहुंचकर सभी को चौंका दिया।

गरमाया था माहौल, पहल से शांत हुए छात्र

विश्वविद्यालय में सत्र (सेशन) की लेटलतीफी, परीक्षा परिणामों में देरी, नामांकन की जटिलताओं और बुनियादी सुविधाओं के अभाव को लेकर छात्र लंबे समय से आक्रोशित हैं। बुधवार को भी विभिन्न छात्र संगठनों के नेतृत्व में भारी संख्या में विद्यार्थी प्रदर्शन के लिए प्रशासनिक भवन के बाहर जुटने लगे थे। माहौल तनावपूर्ण होने की आशंका थी, लेकिन स्थिति बिगड़ने से पहले ही कुलपति प्रो। सरोज कुमार शर्मा खुद नीचे पहुंच गईं।

धूप में बैठकर नोट कीं शिकायतें

कुलपति ने न केवल छात्रों से मुलाकात की, बल्कि उनके साथ जमीन पर बैठकर काफी देर तक उनकी बातें सुनीं। उन्होंने अपने साथ एक नोटपैड रखा था, जिसमें वे छात्रों द्वारा उठाए गए बिंदुओं–जैसे परीक्षा कैलेंडर की अनिश्चितता, कॉलेजों में कुव्यवस्था और प्रशासनिक लापरवाही–को खुद दर्ज कर रही थीं। छात्रों ने भावुक होते हुए बताया कि कैसे सत्र पिछड़ने के कारण उनका करियर और प्रतियोगी परीक्षाओं के अवसर हाथ से निकल रहे हैं।

विश्वविद्यालय की वर्तमान स्थिति रातों-रात पैदा नहीं हुई है, बल्कि यह पुरानी व्यवस्थागत खामियों का नतीजा है। मैंने अभी पदभार संभाला है, व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए थोड़ा समय और छात्रों का सहयोग अनिवार्य है। – प्रो। सरोज कुमार शर्मा, कुलपति, रांची विश्वविद्यालय

प्राथमिकता के आधार पर होगा समाधान

कुलपति ने छात्रों को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाएगा। उन्होंने धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि प्रशासन जल्द ही एक ठोस कार्ययोजना के साथ सुधार की दिशा में कदम उठाएगा।

नई शुरूआत की उम्मीद

विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यशैली में आए इस मानवीय बदलाव और सीधे संवाद की पहल को छात्र संगठनों ने सकारात्मक बताया है। हालांकि, छात्रों का कहना है कि अब उनकी नजर इस बात पर है कि कुलपति के इन आश्वासनों का जमीनी असर कितनी जल्दी दिखता है। फिलहाल, इस कदम ने विश्वविद्यालय और विद्यार्थियों के बीच की दूरी को कम करने का काम किया है।

संक्षिप्त खबरें

रांची में अन्नपूर्णा सेवा का आयोजन, 46 निराश्रितों ने ग्रहण किया भोजन-प्रसाद

रांची : परमहंस संत शिरोमणि स्वामी सदानंद जी महाराज के सानिध्य में श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट, रांची द्वारा पुंदाग स्थित मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम परिसर में बुधवार को अन्नपूर्णा सेवा का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्यक्रम का उद्देश्य निराश्रित, दिव्यांग एवं मंदबुद्धि लोगों को भोजन उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम के तहत सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में रह रहे 46 निराश्रितों एवं उनकी देखभाल में लगे सेवादारों को विभिन्न व्यंजनों सहित भोजन प्रसाद ग्रहण कराया गया। यह आयोजन समाजसेवी कविता गाड़ोदिया और उनके परिवार के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने जानकारी दी कि अब तक कुल 3230 निराश्रितों और सेवादारों के बीच भोजन प्रसाद वितरित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को ऐसे पुण्य कार्यों में भागीदारी निभानी चाहिए। इस अवसर पर कई समाजसेवियों ने खाद्य सामग्री एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं का भी वितरण किया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, मनोज चौधरी, सज्जन पाड़िया, शिव भगवान अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

टेस्ट ऑफ ट्रेडिशन फूड फेस्टिवल का आयोजन बंगाली-ओड़िया व्यंजनों का मिलेगा स्वाद

रांची : राजधानी रांची में मेकॉन के इस्पात क्लब की ओर से टेस्ट ऑफ ट्रेडिशन नामक विशेष फूड फेस्टिवल का आयोजन 14 से 17 अप्रैल 2026 तक किया जा रहा है। यह फेस्टिवल प्रतिदिन शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक इस्पात क्लब परिसर में आयोजित हो रहा है। मेकॉन की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में सीमांतिनी साहू ने बताया कि इस फेस्टिवल में बंगाली और ओड़िया व्यंजनों की समृद्ध परंपरा और विविधता को प्रस्तुत किया जा रहा है। इसमें पारंपरिक स्वाद और क्षेत्रीय व्यंजनों का विशेष आकर्षण देखने को मिल रहा है। बंगाली व्यंजनों में बसंती पुलाव, लुची, शुक्तो, सरसों माछ और चिंगड़ी मलाईकरी जैसे लोकप्रिय पकवान शामिल हैं। वहीं ओड़िया व्यंजनों में दालमा, बेसरा के साथ-साथ चिकन कासा और मिष्ठी दही जैसे स्वादिष्ट व्यंजन परोसे जा रहे हैं। आयोजकों के अनुसार, यह फूड फेस्टिवल सिर्फ खानपान तक सीमित नहीं है, बल्कि पूर्वी भारत की सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक पाक-कला को बढ़ावा देने का एक प्रयास भी है। इस आयोजन के माध्यम से रांची के लोगों को विभिन्न राज्यों के पारंपरिक स्वाद और संस्कृति से रूबरू होने का अवसर मिल रहा है। आयोजकों ने शहरवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस फूड फेस्टिवल का आनंद लें।

झारखंड के 7 जिलों में 16-17 अप्रैल को गरज के साथ हल्की बारिश की संभावना

रांची : झारखंड में भीषण गर्मी के बीच मौसम विभाग ने राहत भरी खबर दी है। विभाग के अनुसार, 16 और 17 अप्रैल को राज्य के सात जिलों में गरज के साथ हल्की बारिश होने की संभावना जताई गई है। जिन जिलों में बारिश के आसार हैं, उनमें देवघर, गिरीडीह, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज शामिल हैं। हालांकि, राज्य के अन्य हिस्सों में मौसम साफ और शुष्क बना रहेगा। मौसम विभाग ने यह भी बताया है कि आने वाले पांच दिनों में अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो सकती है। विशेष रूप से 17 से 19 अप्रैल के दौरान तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। इस समय राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में प्रचंड गर्मी का असर देखा जा रहा है। कई जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है, जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान सरायकेला में 40 ।6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि गुमला में सबसे कम तापमान 15 ।4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बुधवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से ही मौसम साफ रहा, जिससे लोगों को तेज गर्मी का एहसास हुआ। रांची में अधिकतम तापमान 35 ।9 डिग्री और न्यूनतम 19 ।9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं अन्य प्रमुख शहरों में भी तापमान ऊंचा रहा। जमशेदपुर में अधिकतम 39 डिग्री और न्यूनतम 24 ।4 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 39 ।8 और न्यूनतम 19 ।1 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 39 ।1 और न्यूनतम 19 ।1 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 39 ।4 और न्यूनतम 24 ।8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने लोगों को गर्मी से बचाव के लिए सावधानी बरतने और आवश्यकतानुसार ही घर से बाहर निकलने की सलाह दी है।

निःशुल्क एक्युप्रेशर चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

रांची : स्वर्गीय डॉ. लालचंद बगड़िया के 22वें निर्वाण दिवस के अवसर पर बुधवार को डॉ. लालचंद बगड़िया एक्युप्रेशर संस्थान की ओर से कचहरी रोड स्थित जयपाल सिंह स्टेडियम में एक दिवसीय नि:शुल्क एक्युप्रेशर चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। संस्थान के थेरेपिस्ट एवं शिविर के संयोजक प्रदीप कुमार चौधरी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि सुबह 6 बजे से शाम तक चले इस शिविर में कुल 60 मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में आए मरीजों ने मुख्य रूप से जोड़ों के दर्द, माइग्रेन, यूरिक एसिड, कमर और घुटने के दर्द, सायटिका, महिलाओं से संबंधित रोगों तथा फ्रोजन शोल्डर जैसी समस्याओं का उपचार कराया। इस आयोजन को सफल बनाने में संस्थान के 27 प्रशिक्षित थैरेपिस्टों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

झारखंड टेंडर घोटालाः आरोपी अभियंता संतोष कुमार ने अदालत में किया आत्मसमर्पण

रांची : झारखंड के ग्रामीण विकास विभाग में हुए टेंडर घोटाला मामले के आरोपित अधिशाषी अभियंता (एक्जीक्यूटिव इंजीनियर) संतोष कुमार ने बुधवार को रांची स्थित पीएमएलए की विशेष अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण के तुरंत बाद अदालत ने उन्हें जमानत दे दी। अदालत ने संतोष कुमार को एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर जमानत देते हुए पासपोर्ट जमा करने और बिना अनुमति देश नहीं छोड़ने की शर्तें लगाई हैं। दरअसल, इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हाल ही में प्रमोद कुमार सहित 14 अन्य आरोपितों के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया है।

शपथ पत्र

I. मेरा नाम शिवेश सिंह है, पिता का नाम शेखर सिंह है।
II. मैं भारतीय नागरिक हूँ तथा मेरा आधार नं. 559829408808 एवं पैन कार्ड नं. TYZPS6560M है।
III. मैं कोकर चौक, आदर्शनगर गली, पटेल कॉलोनी, रांची झारखंड का निवासी हूँ।
IV. इस शपथपत्र के माध्यम से मैं सूचित करना चाहता हूँ कि मेरा पैन कार्ड में पिता का नाम शेखर सिंह के बजाय सागर सिंह हो गया है। जो कि गलत है।
V. मैं इस शपथपत्र के माध्यम से प्रार्थना करता हूँ कि उक्त गलती को सुधार किया जाय।

डोमचांच में मासूम की हत्या से सनसनी कुएं में मिला शव, पुलिस छावनी में तब्दील

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत घरवरियाबार मे एक 8 वर्षीय बच्चा का शव बरामद हुआ है. मृतक की पहचान आर्यन कुमार पिता पवन यादव के रुप मे हुई है। मृतक बच्चे के मामा ने बताया की बीती रात 10 बजे उनकी बहन का कॉल आया की दो नकाबपोश घर मे घुसे और बच्चे को जबरन ले भागे। जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस की दिया गया जहाँ पुलिस लगातार खोज बीन करते हुए मृतक के फूफा को हिरासत मे लेकर पूछ ताछ जारी है। इधर सुबह ग्रामीण देखा की बच्चा का शव कुआं मे तैर रहा है शव को निकालने के बाद अपहरण बच्चा के रुप मे पहचान हुई। घटना की सूचना मिलते हीं स्थानीय पुलिस पहुंची और मृतक के मां को हिरासत मे लेकर थाना ले गया और शव को अपने कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए जा ही रहे थे की सैकड़ो की संख्या मे ग्रामीण पहुंच कर शव ले जाने से रोक दिया और जमकर हंगामा करने लगे। ग्रामीणों का कहना था की जो हत्यारा है उसे ले जाने के बजाय पुलिस बच्चे की मां को क्यों ले गया। ग्रामीणों का कहना था की बच्चा की दादा - दादी से अक्सर लड़ाई होता था यही लोग हत्या कर कुआँ मे फेंक दिया है। उसे गिरफ्तार करो। आपको बता दें की घटना स्थल पर तनाव का महौल है। पुलिस छावनी मे तब्दील है। सूत्रों के अनुसार पूरा मामला प्रेम प्रसंग का है मां ने अपने पुत्र को ननदोई से हत्या कर कुआं मे फेंकवा दिया है। इधर घटना को लेकर कोडरमा एसडीपीओ ने बताया की मामला अपहरण का है अनुसंधान जारी है। पूरा मामला बाद में बताया जाएगा।

एक नजर

दहेज हत्या में पति दोषी करार, कोर्ट ने सुनाई 14 साल की सजा

कोडरमा : एसटी-201/2021, दहेज के लिए पत्नी की हत्या किए जाने के एक मामले की सुनवाई करते हुए, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय राकेश चंद्रा की अदालत ने आरोपी पति- मनजीत साव, 25 वर्ष, पिता- जयदेव साव, रुपनडीह, डोमचांच, जिला- कोडरमा निवासी को 304 बी आईपीसी के तहत दोषी पाते हुए 14 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 2 5,000 जुर्माना लगाया। जुर्माना की राशि नहीं देने पर 3 माह अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। मामला वर्ष 15 अक्टूबर 2021 का है। इसे लेकर मृतका के पिता महेंद्र साव ने डोमचांच थाना में डोमचांच थाना कांड संख्या 132/ 2021 दर्ज कराया था। अभियोजन का संचालक लोक अभियोजक प्रवीण कुमार सिंह ने किया। इस दौरान सभी 13 गवाहों का परीक्षण कराया गया। कार्रवाई के दौरान अपराध की गंभीरता को देखते हुए लोक अभियोजक ने न्यायालय से अभियुक्त को अधिक से अधिक सजा देने का आग्रह किया। वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता उदय कुमार सिंहा ने दलीलें पेश करते हुए बचाव किया। अदालत ने सभी गवाहों और साक्षयो का अवलोकन करने के उपरांत अभियुक्त को 304 बी आईपीसी के तहत दोषी पाते हुए, 14 साल सश्रम कारावास की सजा मुकर्रर की और जुर्माना लगाया।

संदिग्ध हालात में विवाहिता की मौत पुलिस जांच में जुटी

कोडरमा : जयनगर थाना क्षेत्र के पिपचो में एक विवाहिता महिला का संदेहास्पत स्थिति में मौत का मामला प्रकाश में आया है। मृतिका की पहचान 30 वर्षीय शबनम खातून पति गुलाम मुस्तफा के रूप में हुई। जानकारी के मुताबिक मृतिका के पति गुलाम मुस्तफा ने बताया कि मेरी पत्नी शबनम खातून अपने घर में थी और मैं बरकट्ठा से लौट रहा था इसी दौरान मेरे घर से फोन आया कि तेरी पत्नी का तबियत बिगड़ गया है जिसके बाद मेरे भाई मां एवं दो अन्य व्यक्ति ने मेरी पत्नी को सदर अस्पताल कोडरमा ले कर चले गई स्थिति नाजुक देखते हुए डॉक्टर ने हजारीबाग रेफर कर दिया और मैं सदर अस्पताल के लिए निकल गया इसी दौरान मेरी मुलाकात पत्नी से हुई और मैं उसे निजी अस्पताल तिलैया में डॉक्टर को दिखाया इस दौरान उसकी मौत हो गई। परिजन शव को अपने घर ले आए और घटना की सूचना जैसे ही जयनगर पुलिस को मिली तो थाना प्रभारी विकास कुमार, एसआई प्रतित टोपनो, एसआई समसूदीन खान, एसआई केडी प्रसाद सहित अन्य पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया।

कोडरमा साइकलिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष बने नीतीश कुमार निशांत

कोडरमा : झारखंड साइकलिंग एसोसिएशन के तत्वाधान में कोडरमा साइकलिंग एसोसिएशन की बैठक दूधी माटी कोडरमा स्थित युवराज होटल में आयोजित की गई। बैठक में सर्व सर्वसम्मति से अध्यक्ष नीतीश कुमार निशांत(सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोडरमा) चुने गये। वहीं उपाध्यक्ष- अरुण कुमार ओझा, सचिव प्रदीप कुमार रजक व कोषाध्यक्ष प्रकाश कुमार को चुना गया। नव निर्वाचित पदाधिकारियों को झारखंड साइकलिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष मधुकांत पाठक, सचिव- शैलेंद्र कुमार पाठक व कोषाध्यक्ष रणवीर सिंह ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। साथ ही अधिकारियों ने कहा कि उनके नेतृत्व में कोडरमा साइकलिंग एसोसिएशन काफी ऊंचाइयां छूएगा। नव निर्वाचित अध्यक्ष नीतीश कुमार निशांत ने कहा कि जल्द ही पूरी टीम के साथ बैठक कर खेलो इंडिया अस्मिता साइकिल लीग कोडरमा जिला में कराया जाएगा।

रामगढ़ में पुलिस का बड़ा एक्शन, पांडेय गिरोह के दो गुर्गे हथियार संग गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ पुलिस ने जिले में अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पांडेय गिरोह से जुड़े दो आरोपियों को हथियार, जिंदा कारतूस, मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी कथित रूप से लेवी वसूली और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की नीयत से इलाके में घूम रहे थे। समय रहते पुलिस की सतर्क कार्रवाई से संभावित अपराध टल गया।पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने प्रेस वार्ता में कहा कि जिले में अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। अपराध और रंगदारी फैलाने वालों के खिलाफ लगातार सख्त अभियान जारी रहेगा। एसपी को 14 अप्रैल की रात करीब 11:25 बजे गुप्त सूचना मिली कि दो संदिग्ध युवक हथियार के साथ मोटरसाइकिल पर रामगढ़ थाना क्षेत्र में घूम रहे हैं। सूचना मिलते ही मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंदन कुमार वत्स के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया।इसके साथ ही जिले के सभी थाना और ओपी प्रभारियों को तत्काल एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। 15 अप्रैल की रात करीब 2:30 बजे रामगढ़-अरगड्डा रोड स्थित बड़का चुम्बा जाने वाली सड़क के चौराहे पर काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल पर दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन दोनों भागने लगे। पहले से मुस्तैद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बादल कुमार, पिता गुड्डू राम, निवासी कैंटोमेंट स्टाफ क्वार्टर, रामगढ़ तथा सोनू नंदी, पिता स्व. मनोरंजन नंदी, निवासी पीटीपीएस हेसला, थाना पतरातू, जिला रामगढ़ के रूप में हुई। पुलिस तलाशी के दौरान बादल कुमार के कमर से बिना मैगजीन का एक देशी पिस्टल तथा जेब से 9 एमएम के दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। सोनू नंदी के पास से एक देशी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस मिला। इसके अलावा दोनों के पास से दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन और काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल (नंबर JH-01AM-4316) जब्त की गई।

डिजिटल स्वास्थ्य में रामगढ़ अव्वल, राज्य स्तर पर मिला सम्मान

रामगढ़ : जिले के लिए गर्व और सम्मान का क्षण तब आया, जब आयुष्मान भारत डिजिटल अभियान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन के लिए रामगढ़ को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया। डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और बेहतर परिणाम देने के कारण रामगढ़ ने पूरे राज्य में अपनी अलग पहचान बनाई है। यह उपलब्धि न केवल स्वास्थ्य विभाग के लिए, बल्कि पूरे जिले के लिए प्रेरणादायक मानी जा रही है। आयुष्मान भारत डिजिटल अभियान के तहत रामगढ़ को पहले ही पूरे राज्य में आदर्श जिला के रूप में चयनित किया गया था। इसका अर्थ है कि जिले में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं, मरीजों की सुविधा, तकनीकी समन्वय और योजनाओं के क्रियान्वयन का स्तर बेहतर पाया गया।

मीरा देवी फिर से बनी आंगनबाड़ी यूनियन की प्रदेश अध्यक्ष, सीटू नेताओं दी बधाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखंड राज्य आंगनबाड़ी सेविका सहायिका यूनियन (सीटू) का रांची में संपन्न चतुर्थ राज्य सम्मेलन में कोडरमा जिला की आंगनबाड़ी नेत्री मीरा देवी फिर से प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित हुई और गोड्डा की मीनू मूर्मू महासचिव चुनी गई। इसके अलावा कोडरमा जिला से राज्य कमिटी में वर्षा रानी उपाध्यक्ष, बेबी कुमारी और संतोषी देवी सचिव के अलावा शोभा प्रसाद, उर्मिला देवी, संध्या वर्णवाल, मंजू मेहता, कुमारी अनामिका, कुमारी सरिता, अर्चना देवी, विमला देवी एवं मुन्नी यादव राज्य कार्यकारिणी के सदस्य चुने गए। आंगनबाड़ी यूनियन प्रदेश कमिटी में चुने गए कोडरमा जिला के नेताओं को सीटू के जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश, जिला सचिव रमेश प्रजापति, माइका वर्कर्स यूनियन के महेन्द्र तुरी, बीएसएसआर यूनियन के दिलीप कुमार सिन्हा, सुनील कुमार गुप्ता, झारखंड राज्य निर्माण कामगार यूनियन के जिला सचिव नागेश्वर दास, शम्भु पासवान, विद्यालय रसोईया यूनियन के जिला संयोजक संध्या पांडेय और झारखंड राज्य किसान सभा के राज्य अध्यक्ष असीम सरकार ने बधाई दी है। प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने पर मीरा देवी ने कहा कि केन्द्र सरकार ने 2018 के बाद मानदेय में कोई बढ़ोतरी नहीं किया है। जबकि महंगाई की कई गुणा बढ़ गया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद झारखंड सहित कई राज्यों में आंगनबाड़ी कर्मियों को ग्रेच्युटी का लाभ नहीं दिया जा रहा है। एफआरएस के नाम एक तरफ सेविका सहायिकाओं का मानदेय में कटौती किया जा रहा है।

झुमरी तिलैया में मारवाड़ी युवा मंच का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : मारवाड़ी युवा मंच का शपथ ग्रहण समारोह बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति ने आयोजन को और भी विशेष बना दिया। समारोह में मोहित संघई ने अध्यक्ष पद की शपथ ली, जबकि अतुल खेतान ने सचिव एवं महावीर खेतान ने कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली। वहीं उपाध्यक्ष पद पर प्रतीक संघई, सिद्धार्थ झांझरी, और शिवेश पच्चीसिया और सह सचिव के पद पर विकास जैन और रौनक कासलीवाल ने शपथ ली। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच के प्रांतीय अध्यक्ष विशाल पड़िया ने की। इस अवसर पर आशीष अग्रवाल (मंडलिया उपाध्यक्ष), दीपक गोयंका (महामंत्री), विकास झाझरिया (कोषाध्यक्ष) अमित शर्मा (जन सम्पर्क संयोजन) राज पचिसिया (संयोजक, युवा भवन) सारिका लड्ढा एवं श्रेया केडिया की सक्रिय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान 2025-26 के अध्यक्ष ने अपने संबोधन में मंच की पूर्व उपलब्धियों को विस्तार से साझा किया और संगठन के निरंतर सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला। वहीं नव-निर्वाचित अध्यक्ष मोहित संघई ने भी अपने पिछले 14 दिनों के कार्यों की विस्तृत चर्चा करते हुए भविष्य की योजनाओं का खाका प्रस्तुत किया। जिसमें उन्होंने बताया युवाओं को जोश में रखने के लिए वह मारवाड़ी क्रिकेट लीग गौ सेवा, डी- क्लब , अमृत धारा का आयोजन आने वाले समय में करेंगे और सचिव अतुल खेतान ने बताया पर्यावरण संरक्षण, रक्त दान, मुक्तिधाम निर्माण कार्य को प्राथमिकता दी जाएगी। समारोह का संचालन रौनक कासलीवाल एवं आशीष शर्मा ने कुशलतापूर्वक किया, जिससे कार्यक्रम सुचारू रूप से सम्पन्न हुआ।

बीएफसीएल में सुरक्षा का संकल्प, राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह 2026 की शुरूआत के साथ जागरूकता अभियान तेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड (बीएफसीएल) में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह 2026 का शुभारंभ जागरूकता और सुरक्षा संकल्प के साथ किया गया। इस अवसर पर 14 अप्रैल को एचएएसपी मुख्य द्वार परिसर और सेंट्रल ट्रेनिंग हॉल में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें अग्नि सुरक्षा, दुर्घटना रोकथाम और आपदा प्रबंधन को लेकर कर्मचारियों व अधिकारियों को जागरूक किया गया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल और समाज में अग्नि सुरक्षा के प्रति सजगता बढ़ाना तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने की तैयारी को मजबूत करना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी और अन्य लोग शामिल हुए। आयोजित जागरूकता सत्र में उपस्थित लोगों को आग लगने के कारण, उससे बचाव के उपाय, प्राथमिक सुरक्षा कदम और आपात स्थिति में सही निर्णय लेने की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि थोड़ी सी सावधानी बड़े हादसों को रोक सकती है।सुरक्षा उपकरणों के सही उपयोग, फायर अलार्म सिस्टम, अग्निशामक यंत्रों की जांच और सुरक्षित निकासी प्रक्रिया पर भी विस्तार से जानकारी साझा की गई। शाम को जीएफए परिसर में एक अलग कार्यक्रम आयोजित किया गया। वर्ष 1944 में अग्निकांड के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर अग्निशमन कर्मियों की स्मृति में एक मिनट का मौन रखा गया। उपस्थित लोगों ने वीर जवानों के बलिदान को नमन किया।यह श्रद्धांजलि कार्यक्रम सभी के लिए प्रेरणा का क्षण बना, जहां सेवा, साहस और कर्तव्यनिष्ठा को याद किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए शपथ दिलाई गई। सभी ने अपने कार्यस्थल और घरों में सुरक्षा नियमों का पालन करने तथा दूसरों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह 2026 की थीम रखी गई है- सुरक्षित स्कूल, सुरक्षित अस्पताल एवं अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज - साथ मिलकर अग्नि रोकथाम। यह थीम समाज के हर वर्ग को आग से बचाव के प्रति जिम्मेदार और सतर्क रहने का संदेश देती है। बीएफसीएल प्रबंधन ने सभी कर्मचारियों और नागरिकों से अपील की कि वे अपने घरों और कार्यस्थलों पर अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन करें। सुरक्षा उपकरणों की नियमित जांच करें और किसी भी आपात स्थिति में घबराने के बजाय समझदारी और सतर्कता से काम लें। बीएफसीएल में आयोजित यह कार्यक्रम केवल औपचारिक आयोजन नहीं रहा, बल्कि सुरक्षा संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में प्रभावी पहल साबित हुआ। जागरूकता, अनुशासन और सामूहिक जिम्मेदारी के संदेश के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

संक्षिप्त खबरें

कोडरमा में महिलाओं का हुनर चमका, दुल्हन और सिलाई प्रतियोगिता में दिखी प्रतिभा

कोडरमा : कोडरमा स्थित रोटरी सभागार में रोटरी क्लब कोडरमा सहेली सेंटर के तत्वावधान में सौंदर्य दुल्हन प्रतियोगिता एवं सिलाई प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान के साथ हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहेली केंद्र की अध्यक्ष माला दारूका ने की, जबकि मुख्य अतिथि आई हॉस्पिटल की डॉ. संगीता प्रसाद रहीं। उन्होंने शालिनी सेठ (ऐश्वर्या ब्यूटी पार्लर) के साथ मिलकर विजेताओं का चयन किया। स्वागत भाषण में माला दारूका ने बताया कि सहेली सेंटर महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत है, जहां बालिकाओं को ब्यूटीशियन, सिलाई, कुकिंग, कंप्यूटर व मेहंदी की ट्रेनिंग देकर आत्मनिर्भर बनाया जाता है। मुख्य अतिथि डॉ. संगीता प्रसाद ने कहा कि रोटरी क्लब कोडरमा मानवता की सेवा में हमेशा अग्रणी रहता है। वहीं सहेली सेंटर के डायरेक्टर कमल जैन सेठी ने कहा कि महिला शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है। क्लब अध्यक्ष संतोष सिन्हा ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यह सभी के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। बाल विद्यालय के डायरेक्टर महेश दारूका ने प्रतियोगिता को स्वरोजगार के लिए उपयोगी बताया। दुल्हन प्रतियोगिता में 15 एवं सिलाई प्रतियोगिता में 10 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विजेताओं को मंच पर आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। दुल्हन प्रतियोगिता विजेता: प्रथम: पूनम प्रसाद द्वितीय: अनिशा कुमारी तृतीय: अर्चना कुमारी सांत्वना: खुशी कुमारी। सिलाई प्रतियोगिता विजेता: प्रथम: हुजैफा अली द्वितीय: ट्विंकल प्रकाश तृतीय: मधु कुमारी। सिलाई प्रतियोगिता के निर्णायक इनर व्हील की अध्यक्ष ज्योति झा रहीं, जबकि प्रशिक्षण पिंकी कुमारी ने दिया। पूर्व अध्यक्ष अमित कुमार ने इस अवसर पर माला दारूका को पीएचएफ पिन भेंट किया। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन कोषाध्यक्ष ज्योति पुजारा ने किया। पब्लिक रिलेशन डायरेक्टर नवीन जैन ने कहा कि महिलाओं के सशक्त होने से ही देश मजबूत बनेगा।

इनरव्हील क्लब द्वारा दो यात्री शेड का उद्घाटन गर्मी-बरसात में राहगीरों को मिलेगी राहत

झुमरीतिलैया : शहर में सामाजिक सरोकार की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए इनरव्हील क्लब ऑफ कोडरमा के तत्वावधान में दो यात्री शेड का शुभारंभ किया गया। एक शेड महाराणा प्रताप चौक दुर्गा मंडप के समीप तथा दूसरा सुभाष चौक के पास बनाया गया है, जिससे गर्मी और बरसात के दौरान राहगीरों को ठहरने की सुविधा मिल सकेगी। कार्यक्रम का उद्घाटन नगर परिषद के अध्यक्ष रमेश हर्षधर, इनरव्हील क्लब झारखंड-बिहार 325 की मंडला अध्यक्ष रश्मि गुप्ता (गिरिडीह), स्थानीय अध्यक्ष ज्योति झा, सिटी मैनेजर लेमांशु कुमार, रणधीर कुमार, समाजसेवी अरविंद कुमार चौधरी सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए नप अध्यक्ष रमेश हर्षधर ने कहा कि मानवता की सेवा ही इनरव्हील क्लब का मूल उद्देश्य है। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में क्लब द्वारा किए जा रहे कार्य अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायक हैं। उन्होंने कहा कि इनरव्हील समय-समय पर समाजहित में ऐसे आयोजन कर अपनी उपयोगिता सिद्ध करता रहा है। मंडला अध्यक्ष रश्मि गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी कार्य का निर्माण जितना महत्वपूर्ण होता है, उससे अधिक जरूरी उसका रखरखाव होता है। वहीं स्थानीय अध्यक्ष ज्योति झा ने कहा कि सेवा ही इनरव्हील का मूल मंत्र है और इसी भावना से क्लब लगातार कार्य कर रहा है।कार्यक्रम के दौरान सचिव आरती आर्या ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला। मौके पर दुर्गा पूजा कमेटी महाराणा प्रताप चौक के अध्यक्ष राजकपूर सिंह, सचिव पंकज सिंह, कोषाध्यक्ष सुधीर पांडे सहित क्लब की उपाध्यक्ष कंचन भदानी, पूर्व अध्यक्ष सरिता विजय, ज्योति पुजारा, ऋतु सेठ, रंजीता सेठ, नेहा कुटरियार समेत कई सदस्य उपस्थित रहे।

चार मजदूरों की मौत पर भड़का आक्रोश भाकपा माले ने दी चेतावनी

रामगढ़ : झारखंड इस्पात प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री में हुए दर्दनाक हादसे में चार मजदूरों की मौत के बाद बुधवार को फैक्ट्री गेट के समक्ष भाकपा माले रामगढ़ जिला कमेटी के नेतृत्व में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। सभा में मृतक मजदूरों अशोक बेदिया, बृजलाल बेदिया, अखिलेश राय और राजू झा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई तथा पीड़ित परिवारों के लिए न्याय और मुआवजे की मांग उठाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत मृतक मजदूरों के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि से हुई। पूर्व विधायक विनोद सिंह ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद उपस्थित सैकड़ों लोगों ने एक मिनट का मौन रखकर दिवंगत मजदूरों को श्रद्धांजलि दी। सभा में हीरा गोप, देवकीनंदन बेदिया, भुनेश्वर बेदिया, अमल कुमार, नीता बेदिया, कांति देवी, नरेश बड़ाईक, छोटन मुंडा, जयनंदन गोप, जयवीर हंसदा, लाली बेदिया, देवानंद गोप, पवन गोप सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और मजदूर मौजूद रहे। सभा को संबोधित करते हुए विनोद सिंह ने कहा कि मजदूरों की मौत साधारण दुर्घटना नहीं, बल्कि लापरवाही का परिणाम है। उन्होंने आरोप लगाया कि फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है और मजदूरों को बुनियादी सुविधाएं तक नहीं मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि मजदूरों को पीएफ, मेडिकल, बच्चों की शिक्षा, हाउस रेंट, न्यूनतम मजदूरी और सुरक्षा जैसे अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है। देवकीनंदन बेदिया ने कहा कि फैक्ट्री निर्माण काल से ही झूठे वादों और बिचौलियों के सहारे चल रही है। यदि प्रदूषण पर रोक नहीं लगी तो आंदोलन और तेज होगा। भुनेश्वर बेदिया ने कहा कि चार मजदूरों की मौत सीधे प्रबंधन की लापरवाही से हुई है, इसलिए जिम्मेदारों पर हत्या का मामला दर्ज होना चाहिए। छोटन मुंडा और अमल कुमार ने मजदूरों के अधिकार बहाल करने की मांग की। सभा की अध्यक्षता सरयू बेदिया ने की और मांगपत्र का वाचन किया।

सांसद मनीष जायसवाल का आत्मीय अंदाज रामगढ़ में बच्ची को दिया आशीर्वाद

रामगढ़ : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने मंगलवार देर शाम रामगढ़ प्रवास के दौरान आत्मीयता और पारिवारिक जुड़ाव का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया। सांसद रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के मीडिया प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस के आवास पहुंचे, जहां उन्होंने परिवार से मुलाकात की और उनकी नन्हीं पुत्री को आशीर्वाद दिया। यह मुलाकात पूरी तरह सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई, जहां राजनीतिक औपचारिकताओं से अलग आत्मीय संबंधों की झलक देखने को मिली। सांसद के इस सहज व्यवहार की स्थानीय लोगों और कार्यकर्ताओं ने सराहना की। आवास पहुंचने पर सांसद मनीष जायसवाल ने धनंजय कुमार पुटूस की पुत्री से स्नेहपूर्वक मुलाकात की। उन्होंने बच्ची को दुलारते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य, अच्छे स्वास्थ्य और सुखद जीवन की कामना की। सांसद के स्नेहपूर्ण व्यवहार से परिवार के सदस्यों में खुशी का माहौल देखा गया।

शिलान्यास के चार महीने बाद भी जर्जर है चांडिल-कांड्रा रोड, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : सरायकेला खरसावां जिला के मुख्य राज्य मार्ग चांडिल-कांड्रा रोड की खस्ताहाल स्थिति को लेकर बुधवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीण आंदोलनकारी एकता मंच के बैनर तले सैकड़ों महिला-पुरुषों ने खुदीराम बोस चौक, चैनपुर से प्रखंड कार्यालय तक पदयात्रा कर विरोध जताया। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले दो-तीन वर्षों से सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं और उड़ती धूल से प्रदूषण की समस्या बढ़ गई है। इससे राहगीरों, स्कूली बच्चों, मरीजों और आम लोगों को रोज आवाजाही में भारी दिक्कत हो रही है। आक्रोशित ग्रामीणों ने कहा कि झारखंड सरकार के पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल

सरायकेला-खरसावां के तहत चांडिल कंदरा पथ के कि.मी. 6.00 से कि.मी. 12.33 तक कुल 4.33 कि.मी. में राइडिंग क्वालिटी सुधार कार्य का शिलान्यास 2 दिसंबर 2025 को मुख्यमंत्री, झारखंड सरकार द्वारा किया गया था। शिलान्यास कार्यक्रम में माननीय रक्षा राज्य मंत्री भारत सरकार-सह-सांसद और विधायक, ईचागढ़ भी मौजूद थे। शिलान्यास के चार महीने बीत जाने के बाद भी सड़क पर काम शुरू नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। सुबह 11 बजे शुरू हुई पदयात्रा दोपहर 2:30 बजे प्रखंड कार्यालय पहुंची। प्रखंड विकास पदाधिकारी की अनुपस्थिति में ग्रामीणों ने अंचल अधिकारी चांडिल को ज्ञापन सौंपा और सड़क निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द काम शुरू नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।इस दौरान ग्रामीण आंदोलनकारी एकता मंच के सदस्य आशुदेब महतो, राकेश रंजन महतो, कृष्णा चंद्र महतो, नित्यानंद लायक, मनोरंजन कुम्भकार, जयदेव कुम्भकार, ज्योतिलाल महाली, सुबोधनी माहली (मुखिया रूदिया), धीरन गौड़, भुजंग माछुआ, कृष्णा कालिंदी, मंजू गोराई, बेबी दुबे,राजेश दुबे सहित अन्य सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

एक नजर

संगठित अपराध और नशे के खिलाफ सख्ती डीआईजी ने दिए निर्देश

चतरा : चतरा जिले में बढ़ते संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी पर नकेल कसने के लिए पुलिस प्रशासन अब पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। बुधवार को पुलिस केंद्र चतरा के सभागार में आयोजित अहम बैठक में पुलिस उप-महानिरीक्षक (उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र, हजारीबाग) अंजनी कुमार झा ने जिले के सभी थाना प्रभारियों, पुलिस निरीक्षकों, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों और डीएसपी के साथ विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान डीआईजी ने जिले में सक्रिय अपराधी गिरोहों, उनके सदस्यों और हाल के दिनों में हुई घटनाओं की बारीकी से जानकारी ली। उन्होंने साफ शब्दों में निर्देश दिया कि संगठित अपराध में शामिल अपराधियों की पहचान कर उनके खिलाफ त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अपराध नियंत्रण में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नशे के कारोबार पर विशेष फोकस रखते हुए डीआईजी ने अफीम और अन्य मादक पदार्थों की तस्करी पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में सक्रिय तस्करों और नेटवर्क को चिन्हित कर उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए, साथ ही इनके आर्थिक स्रोतों को भी ध्वस्त किया जाए।

नकली डॉक्टर के ठिकाने से भारी मात्रा में नशीली दवाएं बरामद, गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम : जुगसलाई थाना क्षेत्र स्थित गौरी शंकर रोड पर पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक झोलाछाप डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पटनिया मुहल्ला के एक किराए के मकान से युवाओं को अवैध रूप से नशीली दवाएं बेची जा रही हैं। सूचना मिलते ही वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सिटी एसपी ने जुगसलाई थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्ध मकान पर छापेमारी की, जहां से मो मुमताज अहमद (55) को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपित के पास से बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित दवाएं बरामद कीं। इनमें 74 बोतल ट्रीम ब्रॉनकॉफ-सी कफ सिरप और 770 टैबलेट निटकोर-10 शामिल हैं। जांच में पाया गया कि सिरप में कोडीन फॉस्फेट और गोलियों में नाइट्राजेपाम मौजूद है, जिनका दुरुपयोग नशे के रूप में किया जाता है। आरोपित इन दवाओं को चोरी-छिपे स्थानीय युवकों को ऊंची कीमत पर बेचता था। इस मामले में जुगसलाई थाना में आरोपित के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। छापेमारी दल में डीएसपी मनोज कुमार ठाकुर, थाना प्रभारी गुलाम रब्बानी खां, अजय यादव, कृष्ण कुमार यादव सहित अन्य पुलिसकर्मी और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

डीएवी सरिया का 10वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा घोषित कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा के परिणाम में डीएवी पब्लिक स्कूल सरिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 100% पास प्रतिशत हासिल किया है। इस वर्ष विद्यालय से कुल 206 छात्र बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिसमें सभी छात्र उत्तीर्ण हुए। परीक्षा परिणाम में 14 छात्रों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।टॉपर्स की सूचीः प्रथम स्थानः सुमित कुमार - 97.2% दूसरा स्थानः अनिकेत आनंद - 96.2% तीसरा स्थानः मानसी कुमारी - 96% अन्य मेधावी छात्रों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कियाःस्वस्ति कुमारी - 95% शिवम गुप्ता - 95% प्रिया सामंतो - 94.02% आयुष राज - 94% शांभवी कुमारी - 93.2% अभिराज कुमार - 93.02% रिचा कुमारी - 93% सिद्धि कुमारी - 92% पलक कुमारी - 91.2% आयुष भारद्वाज - 91.2% अमन मोदी - 91.2%। इसके अलावा, 80% से 90% के बीच 49 छात्रों तथा 70% से 80% के बीच 54 छात्रों ने अच्छे अंक प्राप्त किए। विद्यालय के प्राचार्य मनीष कुमार सिन्हा ने परीक्षा परिणाम पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता सभी छात्रों की कड़ी मेहनत, अभिभावकों के निरंतर सहयोग और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।डीएवी सरिया के इस शानदार परिणाम ने पूरे क्षेत्र में विद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता को एक बार फिर साबित कर दिया है।

17वीं लान बाल एशिया चैम्पियनशिप 2026 में स्वर्ण पदक विजेता सौरव का हुआ सम्मान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : पिछले दिनों आयोजित 17वीं लान बाल एशिया चैम्पियनशिप 2026 में स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम रोशन करने वाले सौरव कुमार को बुधवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर माननीय विधायक बोकारो श्वेता सिंह एवं उपायुक्त अजय नाथ झा ने सौरव कुमार को शॉल, पुरस्कार, पौधा एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही, जिले में खेलों के विकास में अहम योगदान के लिए जिला खेल पदाधिकारी (डीएसओ) हेमलता बून को भी सम्मानित किया गया। मौके पर विधायक बोकारो ने कहा कि यह बोकारो के लिए अत्यंत गर्व और खुशी का क्षण है, जब यहां के

प्रतिभाशाली युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। उन्होंने सौरव कुमार को हृदय से बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं तथा आश्वासन दिया कि सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। वहीं, उपायुक्त ने कहा कि सौरव की यह उपलब्धि न केवल जिले बल्कि पूरे राज्य के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेलों के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और प्रशासन खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। उन्होंने बताया कि खेल को बढ़ावा देने के लिए बोकारो में प्रति वर्ष तीन राष्ट्रीय एवं तीन से अधिक राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए विभिन्न खेल संघों को स्पोर्ट्स कैलेंडर तैयार करने को कहा है, जिला स्थापना माह के दौरान आयोजित कार्यक्रम में स्पोर्ट्स कैलेंडर जारी किया जाएगा। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, खेल संघ के अध्यक्ष विपीन कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

मालगाड़ी के चार वैगन पटरी से उतरे, बड़ा हादसा टला रेल प्रशासन में मचा हड़कंप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : धनबाद रेल मंडल पूर्व मध्य रेलवे के डुमरी बिहार रेलवे स्टेशन के समीप बुधवार सुबह एक मालगाड़ी एमटीपीएस के चार वैगन पटरी से उतर गए। इस घटना के बाद रेल प्रशासन में हड़कंप मच गया, हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और एक बड़ा रेल हादसा टल गया है। यह हादसा डुमरी बिहार स्टेशन के पास बने यार्ड लाइन नंबर 7 में उस समय हुआ जब मालगाड़ी अपनी गति में थी। बताया जाता है कि कोयला लोड मालगाड़ी लोडिंग पॉइंट से कोयला लेकर मेजिया थर्मल पॉवर स्टेशन, पश्चिम बंगाल जा रही थी, डुमरी बिहार रेलवे स्टेशन से 7:26 मिनट में खुली ही थी की 7 बजकर 29 मिनट में अचानक मालगाड़ी के चार वैगन बेपटरी हो गए। जिससे बोगी नंबर 7 और 8 पोल संख्या डीएमबीआर/1117 व लाइन नंबर 7 बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ है घटना के वक्त पोल डीएमबीआर/1117 भी अपने स्थान से उखड़कर वैगन के ऊपर चला गया। मौके पर पहुंचे डुमरी बिहार रेलवे स्टेशन प्रबंधक पीपी टोप्पो व ट्रफिक इंस्पेक्टर अवधेश कुमार राम क्षति का आकलन और रेलवे लाइन को दुरुस्त करने में जुटे हैं। बताया गया कि धनबाद रेल मंडल के वरीय अधिकारियों को घटना से सूचित किया गया है। घटना के बाद इस रूट पर रेल परिचालन आंशिक रूप से प्रभावित हुआ है। कई ट्रेनों को बीच में ही रोकना पड़ा या उनके मार्ग में परिवर्तन की संभावना जताई जा रही है। हलांकि सूचना मिलते ही धनबाद रेल मंडल के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी टीमें घटना स्थल पहुंचकर कार्रवाई में जुटी है। रेल सेवा को जल्द से जल्द बहाल करने के लिए अधिकारी युद्ध स्तर पर ट्रैक को खाली कराने और वैगनों को वापस पटरी पर लाने के काम में जुटे हैं।

मोदी-ममता भाई-बहन जैसे, कांग्रेस को हराने में लगे : राजेश ठाकुर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : राजेश ठाकुर ने कहा बंगाल चुनाव को लेकर आदरणीय राहुल गांधी जिस तरह से अपनी सभा किया था उस सभा मे वह के लोग खुश है उसे प्रतीक होता है। वहा की जनता भव्य मुक्त, भस्टाचार मुक्त और नफरत मुक्त बंगाल लोग चाहते है इसलिए कांग्रेस पार्टी के प्रति लोगो मे रुझान बढ़ा हुआ है और लोग कांग्रेस को वोट दें जहा बात बीजेपी और टी एम सी का चरित्र है वह लोगो के सामने आ चूका है। लोग वहा जानते है की मोदी और ममता भाई बहन है ये दोनों पार्टी मिलकर कांग्रेस पर जोड़ लगा दिए हमने कांग्रेस 294 सीट पर लड़ रहे है और कांग्रेस की जीत भी होंगी। वही कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने कहा की बिहार की जनता ठगा गई है क्युकी बिहार की जनता नितीश कुमार को वोट दी थी जो सम्राट चौधरी पगड़ी बांध कर घूमते थे की नितीश कुमार को हटा कर दम

लेगे वही सम्राट चौधरी पगड़ी हटा कर के नीतीश कुमार से आशीर्वाद लेते नजर आये है तो किस तरह से भाजपा पिट मे छुरा घोपने का काम करती है वो जनता देख रही है बोकारो मे पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा की विशेष शत्र बुलाकर के महिला आरक्षण और दिल्लीमीटर की बात कही जा रही है कंही न कंही चुनाव मे लाभ लेने को किया जा रहा है न तो इतना सत्र चला लेकिन प्रधानमंत्री चुप ही रहे किसी बात पर भी कुछ बोले नहीं आज जिस तरह से प्रधानमंत्री की चुपी रही और अमेरिका के सामने जिस तरह से सरेंदर किये।

संक्षिप्त खबरें

पटमदा प्रखंड कार्यालय का भाजपा नेताओं ने किया निरीक्षण, व्यवस्था सुधारने की दी हिदायत

पटमदा : पटमदा प्रखंड कार्यालय में बुधवार को जिला उपाध्यक्ष प्रदीप महतो के नेतृत्व में भाजपाइयों ने प्रखंड कार्यालय पहुंचकर प्रशासनिक तंत्र का जायजा लिया। वही जिला मंत्री मुचीराम बाउरी ने विगत रात सड़क हादसे में मृत युवकों का किसी भी प्रकार से सूद ना लेने का आरोप प्रखंड प्रशासन पर लगाया।उन्होंने कहा कि आंबेडकर जयंती के छुट्टी के अगले दिन समय से अधिकांश कर्मचारी समय से कार्यालय नहीं पहुंचे मिले।साथ ही सरकार की संचालित योजनाओं में भष्टाचार लिप्त होने का आरोप भी लगाया। वही अवैध पत्थर खनन,अनफिट टैक्टर और ईट गाड़ी के तेज गति पर संचालन पर अंकुश लगाने की मांग भी की।वही कई जन मुद्दों पर चर्चा की।इस दौरान प्रखंड के प्रधान लिपिक ठाकुरा हांसदा की बीडीओ की अनुपस्थिति में सिस्टम सुधारने की मांग की।इस दौरान जिला उपाध्यक्ष प्रदीप महतो,वरिष्ठ भाजपा नेता संदीप मिश्रा ,जिलामंत्री मुचीराम बाउरी, सांसद प्रतिनिधि महावीर महतो,मंडल अध्यक्ष मधुसूदन महतो सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चाईबासा में सम्मानित हुए चुआड़ सेना के सदस्य

पटमदा : चाईबासा में डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर आयोजित एक समारोह में चुआड़ विद्रोह में महानायक रघुनाथ सिंह सेना के सदस्यों को मंच में विशेष आमंत्रण देकर आयोजक कमिटी द्वारा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।इस दौरान बाराग गोमके जयपाल सिंह मुंडा पदवी से सम्मानित होने वाले में सेना अध्यक्ष माणिक सरदार,महासचिव सागर सरदार,उपाध्यक्ष निर्मल सिंह,कार्यकारिणी अध्यक्ष दिलीप सिंह सरदार,हरा सरदार,रामू सरदार, विभूति सिंह सरदार आदि उपस्थित थे।

पोईला बैशाख पर बोड़ाम में चना गुड का किया गया वितरण

पटमदा : बंगला पंजिका के अनुसार साल का पहला दिन पोईला बैशाख के साथ शुरू होता हैं। साल के पहले दिन को उल्लास के साथ मनाते हुए। बोड़ाम हाटतोला में बंगला नव वर्ष के अवसर पर बोड़ाम वासियों के द्वारा ग्रामीणों और राहगीरों के बीच चना गुड का वितरण किया गया। इस दौरान बनमाली बनर्जी, आदित्य महतो, परमेश्वर महतो, माणिक महतो, आदित्य महतो, सुकुमार प्रामाणिक, बबलू स्वर्णकार सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

साउथ पॉइंट स्कूल का सीबीएसई दशवी परीक्षा में बेहतर परिणाम

पटमदा : साउथ पॉइंट स्कूल गोबरघूसी पटमदा का कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों ने अपेक्षा से बेहतर परिणाम दिया। शिक्षकों का बच्चों पर किया मेहनत भी रंग लाया। विद्यालय का परिणाम कुल मिलाकर 98 .7 प्रतिशत रहा। 10वीं के बच्चों ने श्रेष्ठतम अंक हासिल किए, जिसमें श्रेया चंद -95 .4 प्रतिशत, विवेक मंडल-94प्रतिश, प्रत्यूष कुमार दास -93 प्रतिशत, संजीत कुमार वर्मा-92 प्रतिशत, पार्थ कुमार-90 प्रतिशत, अदिति रावत-90 प्रतिशत, अंकित कुमार सिंह-89 प्रतिशत, प्रियांशु कुंभकार-87प्रतिशत, आयशा परवीन-87 प्रतिशत, अविनाश मार्डी-86 प्रतिशत, आफरीन अनवर-86 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय के साथ अभिभावकों का नाम रोशन किया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष शिव प्रकाश शर्मा ने बच्चों और शिक्षकों को उनकी सफलता के लिए हार्दिक बधाई दी।

JHARKHAND BIJLI VITRAN NIGAM LIMITED
(CIN :U40108JH2013SGC001702)
JHARKHAND BIJLI VITRAN NIGAM LIMITED
ELECTRIC SUPPLY CIRCLE, RAMGARH
RAMGARH, PIN – 829122

Cancellation of e-Tender Notice

The following works are hereby cancelled due to some unavoidable circumstances.

Sl No.	e- NIT
01	395/PR/JBVNL/2025-26

Earnest money of unsuccessful bidders may be released.
PR No. 373712

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतोंको टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
E.S.E,
Electric Supply Circle, Ramgarh

PR 377578 Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd(26-27).D

बोकारो में जदयू ने मनाई बाबा साहेब की 135वीं जयंती समानता और संविधान के संदेश के साथ दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिला जनता दल यूनाइटेड की ओर से बाबा साहेब डॉ भीमराव रामजी अंबेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य पर झारखंड प्रदेश जेडीयू के प्रदेश सचिव मनोज कुमार सिंह और बोकारो जिला अध्यक्ष प्रदीप महतो के नेतृत्व में भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की आदम प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया गया जिसमे जिला उपाध्यक्ष राजा पांडेय जिला महासचिव विनय सिंह अधिवक्ता वकील महतो जिला कार्यकरणी सदस्य चण्डी कुमार प्रजापति ,कृष्णा सिंह ,नारायण चौधरी ,राम कुमार कपरदार ,प्रमोद कुमार आदि

उपस्थित थे जिसमे प्रदेश सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि आज क्या हम उनके सपनों का भारत बना पाए हैं? जिन्होंने भारत को एक नई दिशा दी - भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर। 14 अप्रैल 1891 को महू में जन्मे बाबासाहेब का जीवन संघर्ष की मिसाल है। बचपन में उन्हें स्कूल में पानी तक पीने नहीं दिया जाता था, क्लास के बाहर बैठाया जाता था।

लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उसी अपमान को अपनी ताकत बनाया।साथ ही जिला अध्यक्ष प्रदीप महतो ने कहा कि सोचिए, जिस बच्चे को छुआछूत के कारण जमीन पर बैठना पड़ा, वही बच्चा आगे चलकर कोलंबिया यूनिवर्सिटी और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पढ़ा। उन्होंने हमें आत्मसम्मान से जीना सिखाया। उन्होंने दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान बनाया। जिसने हर भारतीय को बराबर का दर्जा दिया - चाहे वो अमीर हो या गरीब, किसी भी जाति या धर्म का हो।जब पूरा समाज तैयार नहीं था, तब बाबासाहेब हिंदू कोड बिल लाए ताकि हमारी माताओं-बहनों को संपत्ति में हक मिले, पढ़ाई का अधिकार मिले। उनका नारा शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो मैं उस धर्म को मानता हूं जो स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा सिखाता है। इसलिए उन्होंने 14 अक्टूबर 1956 को बौद्ध धर्म अपनाया और कहा - मैं हिंदू पैदा हुआ, पर हिंदू मरूंगा नहीं। बाबासाहेब का सपना सिर्फ राजनीतिक लोकतंत्र का नहीं था। वो सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र चाहते थे। जहां किसी को जाति के नाम पर न रोका जाए, किसी लड़की को पढ़ने से न रोका जाए, किसी मजदूर का हक न मारा जाए।आज हम सब यह संकल्प लें कि हम पढ़ेंगे, आगे बढ़ेंगे, और अपने आसपास भेदभाव को खत्म करेंगे। यही बाबासाहेब को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। क्योंकि जैसा बाबासाहेब ने कहा था - जीवन लंबा होने के बजाय महान होना चाहिए।

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, रामगढ़।
(महिला,बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग)
(सामाजिक सुरक्षा कोषांग)
(जिला बाल संरक्षण इकाई)
Email Id –dcpsramgarh@gmail.com, विज्ञापन सं0 – 01/2026

लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (POCSO), 2012 एव पोक्सो नियम 2020 के अंतर्गत सहायक व्यक्ति (Support Person) की सेवा लेने हेतू पैनल निर्माण के लिए जिला स्तर पर प्रति केस शुल्क आधारित चयन :–

सरकार के सचिव, महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, राँची, झारखण्ड के अधिसूचना संख्या – 526/SP-POCSO/JSCPS/2023-24-2685/दिनांक 24.10.2024, 526/SP-POCSO/JSCPS/2023-24-525/ दिनांक 09.05.2025 एवं 526/SP-POCSO/JSCPS/2023-24-124/दिनांक 15.01.2026 तथा निदेशक–सह–सदस्य सचिव, झारखण्ड राज्य बाल संरक्षण संस्था, राँची के पत्रांक 377, दिनांक 20.03.2026 के आलोक में लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (POCSO), 2012 तथा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण नियमावली 2020 के प्रावधानों का प्रभावी क्रियान्वयन किए जाने हेतू सहायक व्यक्तियों की सेवा प्राप्त किया जाना हैं। इस हेतू सहायक व्यक्तियों का पैनल निर्माण किए जाने के लिए जिला स्तर पर प्रति केस शुल्क आधारित सेवा दिए जाने वाले इच्छुक अनुभवी एवं योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते है :–

क्र0 स0	पद का नाम	पदों की संख्या	उम्र	शुल्क प्रति केस
1	सहायक व्यक्ति	जिले में मामलों की संख्या के 01:10 अनुपात के अनुसार	35 से 60 वर्ष	अधिकतम प्रति केस 5000/– (म0बा0वि0 एवं सा0सु0वि0) झारखण्ड के अधिसूचना संख्या – 525, दिनांक 09.05.2025 के क्र0सं0 1 के आलोक में

(A) शैक्षणिक योग्यता :–
- कला/वाणिज्य/विज्ञान/विधि/ मनोविज्ञान/सामाजिक कार्य/ बाल मनोविज्ञान/ स्थानीय भाषा में स्नातकोत्तर की उपाधि या किसी भी संकाय में स्नातक की उपाधि एवं संबंधित क्षेत्र में कम से कम दो वर्ष का अनुभव।

(B) कार्यानुभव :–
- बाल अधिकार/बाल संरक्षण/विधिक कार्य/ सामाजिक कार्य/ बाल मनोविज्ञान/ परामर्शदाता/समाजशास्त्र/मनोविज्ञान के क्षेत्र में कम से कम दो वर्ष का वांछनीय कार्यानुभव।
- DLSA/JHALSA/DCPU/CWC/JJB/POCSO न्यायालय में कम से कम एक वर्ष का वांछनीय कार्यानुभव।

नोट :–
1. आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 30.04.2026 अपराह्न 05:00 बजे तक है। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।
2. आवेदन हेतु प्रपत्र, नियम एवं शर्तो की विस्तृत जानकारी www.ramgarh.nic.inपर देखा जा सकता है ।
3. आवेदन पत्र विहित प्रपत्र में रजिस्टर डाक/स्पीड पोस्ट/ कुरियर से निम्न पते पर भेजा जा सकता है –जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई, रामगढ़ समाहरणालय बी ब्लॉक, छत्तरमाण्डू, रामगढ़,झारखण्ड, पिन – 825101.

ह0/–
उप विकास आयुक्त, रामगढ़।

PR 377538 District(26-27)D

सनातन आस्था पर शातिराना दुष्प्रचार

सोशल मीडिया पर एक गिरोह व्यवस्थित ढंग से हिंदू आस्था को निशाना बना रहा है। देवी-देवताओं और मंदिरों को लेकर विषैला प्रचार फैलाया जा रहा है। एक डेढ़ मिनट का वीडियो वायरल कर यह साबित करने की कोशिश की जा रही है कि सनातनी अपनी आस्था पर अडिग नहीं रहते। वे समय-समय पर फैशन की तरह आराध्य बदलते रहते हैं। यानी वे धार्मिक और मानसिक रूप से कमजोर हैं। यह प्रचार दिल्ली से वृंदावन तक फैला हुआ है। लेकिन सच्चाई कुछ और है। हाल ही में नासिक की एक बहुराष्ट्रीय आईटी कंपनी के बीपीओ केंद्र में चल रहे कॉर्पोरेट धर्मांतरण रैकेट का पदार्फाश हुआ है। सात महिला पुलिसकर्मियों ने अपनी पहचान छिपाकर वहां काम किया। उन्होंने चालीस से ज्यादा निगरानी कैमरों की फुटेज जुटाई। सबूतों के आधार पर टीम लीडरों समेत छह अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया। यह रैकेट 2022 से चल रहा था। एक महिला कर्मचारी का पहनावा अचानक बदल गया। रमजान में रोजा रखने लगी। परिवार को शक हुआ तो सच्चाई सामने आई। पुलिस ने योजना बनाई। महिला जासूसों ने नौकरी ली। महीनों की मेहनत के बाद गिरोह धराशायी हो गया। यह गिरोह हिंदू कर्मचारियों को तर्क के नाम पर उलझाता था। कहता था, जब हनुमान बंदर थे, तो उनकी मां मनुष्य कैसे हुईं। पार्वती जी को गणेश का पता है, तो शंकर जी को क्यों नहीं। तुम्हारे भगवान तो दिखते हैं, जो दिखता है वह भगवान कैसे। यही कुतर्क सोशल मीडिया पर भी चल रहे हैं, जहां कॉर्पोरेट गिरोह सीधे धर्मांतरण कराता था, वहीं यह गिरोह उकसाता है। दोनों का मकसद एक है हिंदू आस्था को कमजोर बताकर दूसरी ओर खींचना। लेकिन सनातन की ताकत ठीक इसी लचीलेपन में है। बर्ट्रेंड रसेल ने कहा था कि दुनिया की सबसे बड़ी समस्या यह है कि मूर्ख और कट्टरपंथी खुद को पूरी तरह सही मानते हैं। यह बात इन पाकिस्तान प्रेमी प्रभावकों पर बिल्कुल फिट बैठती है। वे समझ नहीं पाते कि सनातन बांधता नहीं, मुक्त करता है। इसमें तैंतीस कोटि देवताओं की मान्यता है। प्रकृति को पूजा जाता है जल, वायु, आकाश, सूर्य और चंद्रमा जीवन के आधार को। कोई एक देवता, एक ग्रंथ या एक विचार में बंधने की मजबूरी नहीं। महाकाल हो, खाटू श्याम, मां दुर्गा या भगवान कृष्ण जो भी मन को छू जाए। सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था कि धर्म का उद्देश्य मनुष्य को ऊंचा उठाना है, विभाजित करना नहीं। सनातन इसी उदारता का नाम है। जो धर्म बांधता है, वह कट्टरता की ओर ले जाता है। लेकिन सनातन आस्तिक को स्वतंत्र रखता है। गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर ने लिखा था कि सच्चा धर्म मनुष्य को स्वतंत्र और उदार बनाता है। इन गिरोहों का दायरा कुएं के मेढक जैसा है। वे अपने संकीर्ण विचारों को ही सत्य मानते हैं। इसलिए हिंदू आस्था पर हमला करते हैं। नासिक मामले का टाइमिंग देखिए। जब धर्मांतरण रैकेट उजागर हुआ, उसी समय सोशल मीडिया पर प्रचार तेज हो गया। हिंदू आस्था कमजोर है, इसलिए धर्मांतरण होता है यह संदेश दिया जा रहा है। लेकिन सच्चाई उलट है। 2025 में उत्तर प्रदेश के तीर्थों पर श्रद्धालुओं की संख्या ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। काशी विश्वनाथ में साढ़े सोलह करोड़ से ज्यादा भक्त पहुंचे। अयोध्या में उनतीस करोड़। मथुरा-वृंदावन में दस करोड़। पूरे प्रदेश में कुल एक सौ छप्पन करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु और पर्यटक आए। 1919 के मुकाबले सैकड़ों प्रतिशत की बढ़ोतरी। यह आंकड़े चीख-चीखकर कह रहे हैं कि सनातनी आस्था कमजोर नहीं हुई, बल्कि और मजबूत हुई है। श्रद्धालु मुहूर्त और उत्सव के अनुसार अपने इष्ट के दर्शन करते हैं। वे फैशन नहीं, श्रद्धा से जाते हैं। फिर ये प्रभावक क्यों कह रहे हैं कि हिंदू अस्थिर हैं। उनका उद्देश्य साफ है सनातन को छोटा बताकर एक खास धर्म को बेहतर साबित करना। फिर कहना कि मजबूत आस्था वाले एक जगह होते हैं, तुम भी वहां आ जाओ। यही काम झांसी के एक शिक्षक ने किया था। नासिक में टीम लीडरों ने किया। अब सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बनकर वही सिलसिला चल रहा है। चेहरा अलग, जगह अलग, शब्द अलग, लेकिन मकसद एक। इनका मुख्यालय विचारधारा के रूप में पाकिस्तान से जुड़ता है। वहां बैठे कट्टरपंथी इनके वैचारिक आका हैं। प्रदर्शन पर रेटिंग देते हैं।

सूडोकु नवताल- 7766

★☆☆☆☆ सरल

2	9			5				4
4			2				8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7765 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सर्वसुलभ सार्वजनिक परिवहन दिल्ली की अनेक समस्याओं का समाधान

मनोज कुमार मिश्र

दिल्ली और एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में बेहिसाब बढ़ती आबादी के लिए बिजली, पानी, आवास, रोजगार और आवागमन को साधन से लेकर साफ हवा उपलब्ध कराना सरकारों के लिए दिन-प्रतिदिन बड़ी चुनौती बनती जा रही है। सड़कों से वाहनों की भीड़ को कम करने में दिल्ली की लाइफ लाइन (जीवन रेखा) कही जाने वाली और अब चार सौ किलोमीटर की सीमा पार कर रही मेट्रो रेल भी नाकाफी साबित हो रही है।

इसी 24 मार्च को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली की भाजपा सरकार का 1,03,700 करोड़ का दूसरा बजट पेश करते हुए इसे हरित बजट का नाम दिया और इसका 21 फीसदी हिस्सा दिल्ली को प्रदूषण कम करने पर खर्च किए जाने की जानकारी दी। इस बजट में प्रदूषण कम करने के लिए ई-वाहनों पर जोर देने की घोषणा की। इसी नीति के तहत दिल्ली में छोटी देवी बसें चलाई जा रही है और ई-वाहनों के लिए आसानी से अनुमति देने का प्रावधान किया गया है। लेकिन बजट में दिल्ली की सड़कों पर पहले से अराजक तरीके से चल रही बेहिसाब ई-रिक्शा के परिचालन के लिए कोई नियम बनाने के प्रस्ताव की जानकारी नहीं दी गई। दिल्ली-एनसीआर में पंजीकृत डेढ़ करोड़ से ज्यादा वाहनों की तादाद कम करने की ठोस योजना नहीं बताई गई। इन वाहनों की भीड़ ने कभी दिल्ली की जीवन रेखा कही जाने वाली बस सेवा को बेहाल कर दिया।

सड़कों पर बसों की तादाद लगातार कम हो रही है। वाहनों की भीड़ में बसों की औसत गति 10 किलोमीटर प्रति घंटा रह गई है। पर्यावरण पर काम करने वाली मशहूर स्वयंसेवी संस्था सीएसई (विज्ञान और पर्यावरण केन्द्र) की रिपोर्ट के मुताबिक इस शताब्दी की शुरूआत तक दिल्ली में सार्वजनिक वाहन का उपयोग करने वालों में 65 फीसदी लोग बसों में यात्रा करते हैं। अब यह संख्या बीस फीसदी से कम हो गई है। दिल्ली परिवहन विभाग के पूर्व उपायुक्त अनिल छिकारा इसे दूसरी तरह से बताते हैं। जब दिल्ली की आबादी 1 करोड़ 20 लाख थी तब 45 लाख लोग हर रोज बसों से यात्रा करते थे, अब आबादी तीन करोड़ से ज्यादा है तब यह संख्या 28 लाख यात्रियों तक है। यह भी तब है जब महिलाओं के लिए बसों में फ्री यात्रा की सुविधा है। इसका बड़ा कारण बसों की अनुपलब्धता और बसों की औसत गति दस किलोमीटर तक आने से है।

वहीं, बस एकता मंच के प्रवक्ता श्याम लाल गोला कहते हैं कि सरकारें न तो बस खुद चला पा रही है और न ही हमें चलाने दे रही है। हम सरकार की हर शर्त मानने को तैयार हैं लेकिन बसों के लिए जो रवैया पिछली सरकार का था, वही अभी तक इस सरकार का दिख रहा है। उनका कहना है कि 'हम पहले की तरह किलोमीटर स्कीम में चलने को तैयार हैं या सीएनजी अनिवार्य करने पर अदालत के संज्ञान में बने 17 कलस्टर में सहकारी आधार पर निजी बसों की कंपनी बनाकर बसें चलाने को तैयार हैं। वैसे, अब 11 हजार से ज्यादा बसें चलानी होगी लेकिन पहले सरकार दिल्ली हाई कोर्ट में दिए अपने उसी हलफनामे के आधार पर आधी बसें खुद चलाए और आधी निजी बस आपरेटरों से चलवाए।'

एक नवंबर, 1996 को सीएसई ने एक शोधपरक लेख छापा जिसमें बताया गया कि वाहन प्रदूषण के मामले में दिल्ली देश में पहले नंबर पर है। इस पर संज्ञान लेकर सुप्रीम कोर्ट ने 18 नवंबर को दिल्ली सरकार को नोटिस दिया और इस बारे में कार्ययोजना पेश करने को कहा। इसी बीच सीएसई ने 01 नवंबर, 1997 को देश और दुनिया के वैज्ञानिकों की जन सुनवाई आयोजित की। उसमें यह भी बताया गया कि सरकार सुप्रीम कोर्ट के दिशा निदेर्शों पर कोई काम नहीं कर रही है। इस पर दोबारा सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार को नोटिस दिया। दिसंबर में केन्द्र सरकार ने इस पर एक श्वेत पत्र जारी किया। इसी आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार को पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 की धारा-3 के तहत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए विशेष एजेंसी-पर्यावरण प्रदूषण (रोकथाम और नियंत्रण) प्राधिकरण गठित करने के निर्देश दिए।

इस प्राधिकरण के अध्यक्ष बेहद ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ पूर्व नौकरशाह भूरेलाल बनाए गए। इसे बाद में भूरेलाल कमेटी कहा जाने लगा। इसी कमेटी की शुरूआती रिपोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 28 जुलाई 1998 को आदेश दिया कि दिल्ली में चलने वाले सभी बसों को धीरे-धीरे सीएनजी पर लाया जाए। इसकी तारीख 31 मार्च 2001 तय की गई। सरकारें एक-दूसरे पर जिम्मेदारी टालती रहीं तो अप्रैल 2002 में सुप्रीम कोर्ट ने दोबारा सख्त आदेश दिए। उसके बाद सीएनजी पर बसों और व्यवसायिक वाहनों को लाने की प्रक्रिया तेज हुई।

कायदे में 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन में मिले पैसों से दिल्ली की सड़कों पर बसें दिखने लगी। दिल्ली सरकार ने हाई कोर्ट में 11 हजार बसें चलाने का हलफनामा दे रखा है लेकिन अब तो पुरानी बसें भी सड़कों पर से हटने लगी, बसों की संख्या गिनती की रह गई हैं। दिल्ली के विशेष परिवहन आयुक्त रहे ए के सिंह कहते हैं कि बसों के माध्यम से कम खर्च में लास्ट माइलेज कनेक्टिविटी(घर तक पहुंचने की व्यवस्था) हो सकती है। इसके लिए पूरी संख्या में आरामदायक बसों को सड़क पर लाना होगा। यह सुनिश्चित हो कि वे बसें तय समय से चलें और तय समय में यात्री अपने मंजिल पर पहुंच जाए। उसकी गति भले ही मेट्रो रेल जितनी न हो लेकिन उसके आसपास होनी चाहिए। इसके लिए सबसे पहले बड़ी संख्या में बसें सड़कों पर लानी होगी और सड़कों पर जाम का मुख्य कारण बनी ई-रिक्शा का पंजीकरण करके आटो के साथ उसे व्यवस्थित करना होगा। दिल्ली की नई सरकार ने कुछ बसें चलाई हैं लेकिन वह नाकाफी है। डीटीसी के अधीन चलने वाली निजी बसें ही सड़कों पर दिख रही है।

दिल्ली मेट्रो अपनी गति से चल रही है। अभी दिल्ली मेट्रो का दायरा 416 किलोमीटर है। चौथे पांचवें चरण के पूरा होते ही यह दायरा 104 किलोमीटर जुड़कर 520 किलोमीटर पार कर जाएगी। अब तो पांचवें चरण की भी सरकार ने मंजूरी देकर बजट आवंटित कर दिए हैं। येलो लाइन के उद्घाटन समारोह में मेट्रो मैन नाम से मशहूर डीएमआरसी (दिल्ली मेट्रो) के पहले प्रबंध निदेशक ई.श्रीधरन ने कहा था कि उनकी योजना मेट्रो रेल को हर मोहल्ले से केवल पांच सौ मीटर दूर तक पहुंचाना है। वैसे अभी तो किसी भी तरह यह लक्ष्य असंभव लग रहा है। डीएमआरसी का गठन एक स्वशासी निकाय के रूप में हुआ। इसकी स्थापना 03 मई, 1995 में हुई। मेट्रो का परिचालन 2002 से शुरू हुआ। दिल्ली सरकार और भारत सरकार का शहरी विकास मंत्रालय इसमें साझा रुप से है और इसको जापान की एक कंपनी जीआईसीए (जापान इंटरनेशनस कोआपरेशन एजेंसी) ने आसान शर्तों पर कर्ज दिया। कर्ज का भुगतान तीस साल की लंबी अवधि में करने की सुविधा है। इस संस्था ने देश के कई और मेट्रो परियोजना को भी कर्ज दिया है। बाकी धन डीएमआरसी अपने संसाधन से जुटाती है।

किराया बढ़ाने और यात्रियों की हर रोज औसत संख्या 65 लाख रहने के बावजूद मेट्रो अभी भी घाटे में है। उसने 23 साल के परिचालन के बाद केवल परिचालन को घाटे से उबार लिया है। मेट्रो का न्यूनतम किराया 11 रुपए और अधिकतम 62 रुपए है। बस का किराया कम है। दावा भले ही किया जाए लेकिन मोहल्लों तक मेट्रो रेल को ले जाना आसान नहीं है। शुरू में मेट्रो निर्माण का खर्च जमीन पर सवा सौ करोड़ रुपए प्रति किलोमीटर, धरती से ऊपर डेढ़ सौ करोड़ रुपए और जमीन के अंदर पौने दो सौ करोड़ रुपए प्रति किलोमीटर था। एक तो अब जमीन पर मेट्रो के लिए जगह

विद्यालय में नए सत्र का स्वागत, नई उम्मीदों का नया अध्याय

ऋचा सिंह

हर अप्रैल स्कूल के गेट पर नया सत्र दस्तक देता है। बस्ते बदलते हैं, किताबें बदलती हैं, यूनिफॉर्म की क्रीज नई होती है और बच्चों की कक्षाएं भी नई हो जाती हैं। पर क्या हमारी सोच भी बदलती है कि इस सत्र में हम बच्चों को पहले से उपयोगी और बेहतर क्या दे रहे हैं? सत्र का बदलना सिर्फ कैलेंडर का पन्ना पलटना नहीं है बल्कि यही सही समय है तैयारी का। अप्रैल की सुबह स्कूल की घंटी सिर्फ बच्चों को नहीं जागाती बल्कि पूरे समाज को एक नई शुरूआत का एहसास दिलाता है। अप्रैल का नया सत्र बस कॉपी-किताब बदलने का सीजन नहीं है, यह उस बदलाव की आहट है जिसे 3 वर्ष पूर्व राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में लिखा गया था जो अब स्कूल की चौखट चढ़ रहा है। तो क्या हमने कोई ऐसी योजना बना ली है कि नए शैक्षिक सत्र में हम बच्चों को कितनी तैयारी के साथ उन्नतशील शिक्षा और कौशल देने जा रहे हैं। हमारे और बच्चों के बीच में प्रारम्भ होने वाली यह यात्रा जिसमें सीखना-सिखाना मुख्य उदेश्य है इसको रोचक व सरल बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस साल अगर अभिभावक और शिक्षक अपनी भूमिका में बदलाव ले आएं, तो बच्चों का सीखना सरल, सहज व रोचक हो सकता है। ऐसे में शिक्षा से जुड़े हर व्यक्ति का (शिक्षक, अभिभावक) स्वयं से यह सवाल होना ही चाहिए कि नए शैक्षिक सत्र में नया क्या? "नया" क्या होना चाहिए और सत्र को "रोचक व उपयोगी" कैसे बनाएं।

शिक्षकों के लिए 'नया' क्या होना चाहिए?

NEP कहती है कि टीचर "सेज ऑन द स्टेज" से "गाइड बाय द साइड" बनें। यह लाइन भाषण से निकल कर आपकी डेली डायरी में आनी चाहिए। पढ़ाने का तरीका लेक्चर से लर्निंग एक्सपीरियंस तक होना चाहिए। चॉक एंड टॉक छोड़ें, एक्टिविटी पकड़ें, कक्षा 3 को "फोटोसिंथेसिस" पढ़ाना है? बोर्ड पर डायग्राम बनाने से पहले बच्चों से पूछें, "घर में तुलसी का पौधा धूप में क्यों रखते हैं? "जवाब से कॉन्सेप्ट तक ले जाएं। NEP का मूल है "अनुभव से अवधारणा"। "बैग-लेस डे" को गंभीरता से लें साल में 10 दिन तय हैं। इसे पिकनिक और पढ़ाई से छुट्टी न समझे बल्कि सीखने का अवसर देकर संवाद करें। अगर कक्षा 6 के बच्चों को एक्सपोजर हेतु कुम्हार, ईट भट्टे या किसी छोटी फर्म के पास ले जा रहे हैं तो पहले से वर्कशीट दें। मिट्टी के प्रकार, लागत, आकार का गणित समझने की दृष्टि विकसित करें। लौटकर प्रेजेंटेशन कराएं।

हुनर के साथ अकादमिक जुड़ाव ही NEP है। हर बच्चे का "लर्निंग मैप" बनाएं। होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड HPC की अनिवार्यता और बच्चों के समग्र विकास में इसके महत्व को समझे। सिर्फ नंबर न भरें, लिखें कि बच्चे समूह और कक्षा में कैसे रहते हैं। यह मैप पैरेंट्स को दें जिससे टीचर की कलम अब सिर्फ लाल निशान नहीं, रास्ता दिखाने वाली टॉर्च बने।

मूल्यांकन डराने का नहीं, दिशा देने का औजार बने। 'गलती' शब्द को डिक्शनरी से निकालें। बच्चे को कहें, 'यह पहला प्रयास है, दूसरा बेहतर होगा।' फॉर्मेटिव असेसमेंट हर 3 महीने पर, प्रोजेक्ट, रोल-प्ले, पियर रिव्यू से नंबर दें। जो बच्चा बोलने में तेज है पर लिखने में कमजोर, उसे मौखिक प्रेजेंटेशन से अंक मिलें। DIKSHA और अक साथी का इस्तेमाल सिखाएं। होमवर्क दें कि 'आज का चैप्टर पढ़कर DIKSHA पर क्विज दो और अपने से छोटे बच्चों के साथ डिसकस करो। जो बच्चा क्लास में चुप है, वह अक से 10 सवाल पूछ लेगा। टेक्नोलॉजी बस आपके मनोरंजन का साधन नहीं, असिस्टेंट टीचर और साथी भी है ऐसी समझ विकसित करें।

खुद को भी अपग्रेड करते रहें

50 घंटे की निष्ठा ट्रेनिंग बहुत उपयोगी है इसमें साइबर सेफ्टी, जेंडर सेंसिटिविटी, क्लासरूम मैनेजमेंट, सभी है। जब हम स्वयं को अपडेट करते रहेंगे, सीखना जारी रखेंगे तभी हम बच्चों को भी सिखा सकेंगे। हर महीने एक नई टीचिंग स्ट्रेटेजी ट्राई करें और साथी शिक्षकों से भी शेयर करें, कभी स्टाफ रूम में और कभी बैठकों में।

अभिभावकों के लिए ह्यनयाह्न क्या होना चाहिए?

स्कूल 6 घंटे संभालता है, घर 18 घंटे। NEP तभी सफल होगी जब घर का कल्चर भी बच्चों के संदर्भ में बदलेगा। आज बदलते समय में अभिभावकों और परिवारों की भूमिका में बदलाव आया है। ऐसे में रिजल्ट की जगह रूटीन पर फोकस करें 'कितने नंबर' पूछना बंद करें पूछें, 'आज स्कूल में कौन-सी एक चीज ऐसी सीखी जो कल नहीं पता थी?' और 'किस दोस्त की मदद की?' NEP नंबर से वैल्यू की ओर लेजाने व मानवीय मूल्यों की समझ बच्चों में विकसित कर नैतिक रूप से भी शक्षम बनाने की सिफारिश करती है। आप भी विचारों को शिफ्ट करें जीवन में सफलता के साथ सार्थकता और मानवीयता को भी महत्व दें। PTM को 'कोर्ट' न बनाएं। टीचर के पास शिकायत लेकर न जाएं, सुझाव लेकर जाएं। HPC में अगर लिखा है 'बच्चा जिज्ञासु है पर ध्यान भटकता है', तो घर पर 20 मिनट का 'फोकस टाइम' सेट करें। स्कूल-होम पार्टनरशिप का मतलब यही है।

हुनर को इज्जत दें, जब स्कूल 'बैग-लेस डे' पर बच्चे को इलेक्ट्रिशियन के पास ले जाए, तो ये न कहें कि 'हमारा बच्चा यह नहीं बनेगा।'। NEP का विजन है कि हर बच्चा हुनर और कौशलमंद भी जाने। इंजीनियर को भी प्लग ठीक करना आना चाहिए। डिजिटल बैलेंस बनाएं। स्क्रीन टाइम बांटें, बैन न करें। 1 घंटा DIKSHA/YouTube एजुकेशनल, 30 मिनट गेम। 'यूट्यूब किड्स' और 'गूगल फैमिली लिंक' से टाइमर लगाएं। आप खुद रील स्क्रॉल करते रहेंगे तो बच्चा क्यों मानेगा? ऐसे में स्वयं के लिए भी नियम और अनुशासन बनायें। तुलना का जहर घर से निकालें- 'उनके बेटी-बेटा को देखो' - यह लाइन नए सत्र में बैन। ठएढ कहती है हर बच्चा यूनिक है। एक कोडिंग करेगा, दूसरा खेती में विज्ञान का सहयोग लेकर उन्नत कृषि करेगा, ड्रोन चलाएगा। आपका काम बच्चे की तुलना करना नहीं, टैलेंट पहचानना है।

बच्चों के लिए सत्र रोचक और उपयोगी कैसे बने?

यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। शिक्षक और पैरेंट्स मिलकर ये 7 कार्य करें तो बच्चा सोमवार को भी स्कूल के लिए उत्साहित रहेगा।

1. क्लासरूम को 'संवाद घर' बनाएंः टीचर हर पीरियड की शुरूआत 2 मिनट के 'वंडर टाइम' से करें। 'आज बारिश क्यों नहीं हुई?' 'पंखा सिर्फ ऊपर ही क्यों लगता है?' जिस दिन बच्चे सवाल पूछने लगें, समझो सीखना शुरू। पैरेंट्स घर पर 'डिनर टेबल पर बच्चों से संवाद करें सवाल' रखें।
2. सिलेबस को ज़िंदगी से जोड़ेंः गणित का प्रतिशत बाजार में सिखाएं। '500 की शर्ट पर 20% छूट है, कितने का पड़ेगा?' विज्ञान का वाष्पीकरण, संघनन दूध उबालते समय दिखाएं। इतिहास में लोकल फ्रीडम फाइटर का घर दिखाएं। किताब बंद होगी, पर चैप्टर दिमाग में छप जाएगा।
3. प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग हर महीनेःअप्रैलः अपना दिनचर्या बनायें, 'पानी बचाओ' पर मॉडल। मईः 'अपने मोहल्ले का मैप'। जूनः 'घर का बजट' ऐसे कार्य देते रहें। प्रोजेक्ट में रिसर्च, टीमवर्क, प्रेजेंटेशन, जैसे कार्य और चर्चा । ऐसे एग्जाम का डर अपने-आप कम होगा क्योंकि बच्चा सालभर सीख रहा है।
4. खेल और कला अनिवार्य, एक्स्ट्रा नहींः ठएढ कहती है कि कला, खेल, योग 'को-करिकुलर' नहीं 'करिकुलर' हैं। रोज 40 मिनट फिजिकल एक्टिविटी स्कूल में तय करें। पैरेंट्स शाम को 1 घंटा मोबाइल छोड़कर बच्चों के साथ कोई खेल खेलें क्युकी तन स्वस्थ तो मन स्वस्थ। शरीर और मन दोनों एक दूसरे को प्रभावित करते हैं ऐसी समझ विकसित करें।
5. लोकल से ग्लोबल का पुलः सोशल साइंस में राप्ती नदी का प्रदूषण पढ़ाएं और फिर बच्चों से पूछें, 'जापान की नदियां साफ कैसे हैं?' बच्चे गूगल करेंगे, तुलना करेंगे। जड़ें अपनी, नजर दुनिया पर। यही ठएढ का 'इंडियन रूटेड, ग्लोबल आउटलुक' है।
6. सेल्फ असेसमेंट की आदत कक्षा 4 से हर शुक्रवार आखिरी 10 मिनट। बच्चे डायरी में लिखें 'इस हफ्ते क्या अच्छा किया? कहां दिक्कत आई? अगले हफ्ते क्या सुधारूंगा?' टीचर साइन करें, पैरेंट्स रविवार को पढ़ें और बच्चों को दिशा प्रदान करें। ऐसे कार्यों, प्रोजेक्ट और संवाद से 6 महीने में बच्चा खुद ही विषय और स्किल को समझने लगेगा ऐसे में पढ़ाई सरल व सहज होगी।

अखिलेश का महिला आरक्षण विरोध, जातिगत जनगणना का डर या पीडीए की रक्षा

अजय कुमार

भारतीय राजनीति का मैदान हमेशा रणनीतियों और चालबाजियों से भरा रहता है, जहां हर बिल या नीति चुनावी दांव बन जाती है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार के महिला आरक्षण बिल को भाजपा की चुनावी घबराहट करार देते हुए जोरदार हमला बोला है, जो उत्तर प्रदेश की सियासत को नई ऊंचाई दे रहा है। इस बयान के पीछे सपा का विरोध केवल सतही नहीं, बल्कि गहरी राजनीतिक रणनीति छिपी है, जहां जातिगत जनगणना का मुद्दा केंद्र में है और अखिलेश को डर सताने लगा है कि कहीं उनका पीडीए फॉमूर्ला कमजोर न पड़ जाए। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर तीखे लहजे में कहा कि भाजपा असल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए यह बिल ला रही है, क्योंकि जनता का आधार खत्म हो चुका है और उनकी विदाई का समय आ गया है। उन्होंने स्पष्ट आरोप लगाया कि बिना जातिगत जनगणना के यह आरक्षण पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के अधिकारों को खत्म करने की साजिश है, जहां ए का मतलब आधी आबादी यानी महिलाओं से भी है। सपा प्रमुख का तर्क है कि जनगणना टाली जा रही है ताकि पिछड़ों और दलितों का वास्तविक हक न मिले, क्योंकि नई गिनती से जातिगत आंकड़े सामने आएंगे, जो भाजपा को असहज करेंगे। यह विरोध इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 2027 के यूपी विधानसभा चुनावों से पहले पीडीए सपा की मुख्य चुनावी रणनीति बनी हुई है, जो 2024 लोकसभा चुनावों में कामयाब रही थी।

मायावती की बसपा ने भी बिल का समर्थन तो किया, लेकिन शर्त रखी कि एससी, एसटी और ओबीसी महिलाओं को अलग कोटा मिले। अखिलेश ने इसी को आधार बनाकर कहा कि भाजपा कभी पिछड़ों-दलितों को उनका हक नहीं देना चाहती। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सपा का विरोध बिल के कार्यान्वयन पर केंद्रित है। वे 2011 की पुरानी जनगणना के बजाय नई जनगणना और परिसीमन की मांग कर रहे हैं, क्योंकि बिना जाति आधारित आंकड़ों के आरक्षण सामाजिक न्याय से भटक सकता है। अखिलेश ने अमेठी में पत्रकारों से कहा कि सरकार की मंशा में ही आरक्षण देना नहीं है, और महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण पर कोई काम नहीं हुआ। उन्होंने नोएडा और मेरठ की कामगार महिलाओं के दर्द का जिक्र कर सरकार को चुनौती दी कि बिल वहीं घोषित हो। सपा का विरोध इसलिए गहरा है क्योंकि पीडीए फॉमूर्ला उनकी राजनीतिक पूंजी है। पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों को एकजुट कर सपा ने यूपी में वापसी की, और जातिगत जनगणना इसकी कुंजी है। अखिलेश ने जनगणना अधिसूचना पर तंज कसा कि जाति कॉलम न होने से भाजपा पीडीए के खिलाफ साजिश रच रही है। विश्लेषण में साफ है कि महिला बिल से डर यह है कि यह सामान्य महिलाओं को फायदा देगा, लेकिन बिना जाति ब्रेकअप के ओबीसी-एसटी-एससी महिलाओं का हिस्सा प्रभावित होगा, जो सपा के वोट बैंक को कमजोर कर सकता है। भाजपा इसे नारी शक्ति वंदन अभियान से जोड़कर महिला वोटरों को लुभा रही है, खासकर 2027 यूपी चुनावों से पहले। लेकिन अखिलेश का काउंटर है कि महंगाई, बेरोजगारी और महिलाओं की खराब स्थिति में जुमले काम नहीं आएंगे।

सवाल यह है कि अखिलेश को जातिगत जनगणना का दांव फीका पड़ने का डर है? बिल्कुल। सपा लंबे समय से जाति जनगणना की मांग पर अड़ी है, जो ओबीसी को मजबूत प्रतिनिधित्व देगी। अगर बिल बिना जनगणना के लागू होता है, तो पीडीए का नैरेटिव कमजोर पड़ेगा, क्योंकि भाजपा दावा करेगी कि महिलाओं को आरक्षण देकर सामाजिक न्याय हो गया। विपक्षी दलों की एकजुटता पीडीए प्रहरी के रूप में मजबूत हो रही है, जो भाजपा की हर चाल पर नजर रखेगी। अखिलेश का बयान चुनावी धांधली का आरोप लगाते हुए भाजपा को घेरता है, और यह यूपी की सियासत को ध्रुवीकरण की ओर ले जा रहा है। भाजपा की रणनीति साफ है, बिल को 2029 लोकसभा से पहले लागू कर महिलाओं को जोड़ना, लोकसभा सीटें बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव है, जिसमें 273 महिलाओं के लिए। लेकिन सपा इसे घबराहट बता रही है, क्योंकि वोटरों का अकाल है। राजनीतिक जानकार कहते हैं कि सपा का विरोध बिल का नहीं, बल्कि उसके बिना जाति डेटा के है, जो उनके जाति-आधारित राजनीति को चुनौती देता है। मायावती की मांग भी इसी दिशा में है, जो विपक्ष को एकजुट कर सकती है।

बहरहाल, इस पूरे प्रकरण से यूपी राजनीति में नया दौर शुरू हो गया है। अखिलेश ने महिलाओं की दुखी स्थिति पर सवाल उठाकर नैतिक ऊंचाई हासिल की। सिलेंडर महंगा, स्कूल बंद, कमीशनखोरी। लेकिन गहराई में यह पीडीए की रक्षा का संघर्ष है। अगर जनगणना होती है, तो सपा को लाभ, लेकिन भाजपा इसे टालकर बिल थोपना चाहती है। अखिलेश का डर वाजिब है, क्योंकि जातिगत जनगणना का दांव फीका पड़ गया तो पीडीए का जादू टूट सकता है। भाजपा इसे महिला सशक्तिकरण का नाम दे रही, लेकिन सपा इसे साजिश बता रही।लोकसभा में बिल पास होने के बाद राज्यसभा और विधानसभाओं में बहस तेज होगी। सपा ने हमेशा महिला आरक्षण में पिछड़ी-दलित महिलाओं का कोटा मांगा है। अखिलेश का यह हमला 2027 चुनावों की तैयारी है, जहां पीडीए को मजबूत रखना जरूरी। विश्लेषकों का अनुमान है कि यह मुद्दा विपक्ष को मजबूत करेगा, अगर जनगणना की मांग जोर पकड़ती है। भाजपा को अब नारी शक्ति अभियान से जवाब देना होगा।

दैनिक पंचांग

16 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

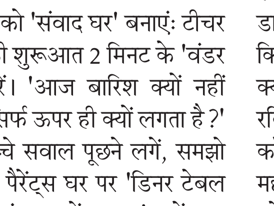

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	मेष	05.33 बजे से
चंद्र	मीन में	वृष	07.17 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.15 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.29 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	13.45 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	15.57 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.07 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.22 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	22.38 बजे से
		मकर	00.43 बजे से
		कुंभ	02.30 बजे से
		मीन	04.02 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2026 वर्ष का 106 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र)
पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्दशी 20.12 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराभाद्रपदा 13.59 बजे को समाप्त। योग इन्द्र 10.38 बजे को समाप्त। करण विष्टि 09.26 बजे तदनन्तर शकुनि 20.12 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 10° 03'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872681
जूलियन दिन 2461146.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 27

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

टोटो पलटने से चार लोगा घायल

साहिबगंज : जिले के बरहेट थाना क्षेत्र के इमली चौक और रघुनाथपूर के बीच एक टोटो पलटने से चार सवारी घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार टोटो बरहरवा से बरहेट सवारी लेकर आ रहा था। वही इमली चौक पार होकर रघुनाथपूर से पहले रास्ते में एक गाय सामने आ गया, गाय को बचाने के चक्कर में चालक का संतुलन बिगड़ जिससे टोटो बीच सड़क पर पलट गया। वही इस दुर्घटना से मिजाचौकी निवासी मनीष कुमार (38) एवं उसके 5 वर्षीय पुत्र आदर्श कुमार, सनमनी गांव निवासी अनु तुरी (60), झबरी गांव निवासी सीमा देवी (50) गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके अलावा कुछ सवारी को हल्का फुल्का चोट लगा है ' वहीं घायल सवारी मनीष कुमार ने बताया कि चालक नशे में था जिस कारण ये दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। वही चालक घटनास्थल से फरार हो गया। सूचना मिलते ही बरहेट थाना पुलिस घटनास्थल पहुंच कर सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट लाया और टोटो को अपने साथ थाना लेकर आ गया। सभी घायलों का प्राथमिक उपचार डॉक्टर सलीम शैख ने किया।

जहरीले सांप के काटने से महिला हुई गंभीर

साहिबगंज: राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत पूर्वी नारायणपुर कॉलोनी नंबर 4 में मंगलवार की देर रात एक महिला को जहरीले सांप ने काट लिया। मिली जानकारी के अनुसार आलोमती विश्वास (50) घर से बाहर काम कर रही थी, उसी दौरान जहरीले सांप ने पैर में काट लिया। स्थिति नाजुक होते देख परिजनों ने आनन-फानन में इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल में भर्ती कराया। जहां ड्यूटी में तैनात डॉक्टर ईलाज में तुरंत लग गए। घटना की सूचना थाना पुलिस को दे दी गई थी।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत जांच में जुटी पुलिस

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबाडीहा गांव के सामने रेलवे पोल संख्या 234/28-29 के पास मंगलवार को किसी ट्रेन से गिरकर एक अज्ञात युवक की मौत हो गई। जिरवाबाड़ी थाना पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 35 साल के करीब होगी। पुलिस के अनुसार युवक की मौत किसी ट्रेन से गिरकर होने का अंदेशा है। मृतक के सिर, हाथ समेत पूरे शरीर में गंभीर चोट लगी है। पोस्टमार्टम के बाद शव की शिनाख्त के लिए 72 घंटे के लिए मर्चरी में सुरक्षित रखा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

अनियंत्रित ट्रैक्टर ने बच्चे को कुचला, मौत

पलामू : जिले के हुसैनाबाद प्रखंड के बेनी कला पंचायत अंतर्गत शबानो गांव के तरीपर टोला में बुधवार सुबह में सड़क किनारे खेल रहे एक तीन वर्षीय बच?चे तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रैक्टर ने कुचल दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया है। मृतक की पहचान तरीपर टोला निवासी रंजीत पासवान के पुत्र रामलला कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि बच्चा अपने घर के बाहर खेल रहा था और इसी दौरान सड़क पार करने लगा। तभी तेज गति से आ रहे ट्रैक्टर चालक ने संतुलन खो दिया और मासूम उसकी चपेट में आ गया। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन कुछ ही दूरी पर ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर खेत में पलट गया। इसके बाद चालक मौके से फरार हो गया।

जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति बैठक में विकास योजनाओं की व्यापक समीक्षा, सांसद ने दिए आवश्यक निर्देश

समयबद्ध क्रियान्वयन एवं जमीनी स्तर पर योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में समाहरणालय स्थित सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक राजमहल सांसद विजय कुमार हांसदा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर सभी अतिथियों का पारंपरिक रूप से शाल ओढ़ाकर एवं पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न विकास योजनाओं के क्रियान्वयन, लंबित योजनाओं की प्रगति, बुनियादी सेवाओं की उपलब्धता एवं जनसमस्याओं के समाधान पर विस्तृत चर्चा की गई। सांसद ने कहा कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए सभी लंबित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत क्षतिग्रस्त सड़कों की शीघ्र मरम्मत कराने का निर्देश दिया गया। बिजली विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि जियापानी ग्रिड के सभी 17 टावरों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। आगामी दो-तीन दिनों में परीक्षण किया जाएगा तथा इस माह के अंत तक ग्रिड चालू होने की संभावना है, जिससे जिले में बिजली समस्या का समाधान होगा। स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के दौरान सिविल सर्जन को और बेहतर कार्य करने का निर्देश दिया गया। शिक्षा विभाग के अंतर्गत बताया गया कि सभी विद्यालयों में 541 पंखे लगाए जा चुके हैं तथा छात्र-छात्राओं के लिए पृथक शौचालयों का निर्माण कराया जा रहा है। सांसद ने सभी थानों में भी महिला एवं पुरुष के लिए अलग-अलग शौचालय निर्माण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कृषि विभाग द्वारा 375 हेक्टेयर फसल क्षति का प्रतिवेदन विभाग को भेजे जाने की जानकारी दी गई। साथ ही केसीसी के तहत पूर्व में अस्वीकृत आवेदनों को सुधार कर पुनः स्वीकृत किया जा रहा है। वहीं सांसद ने कोल कंपनियों को अमड़ापाड़ा क्षेत्र में पेयजल समस्या के समाधान हेतु बोरिंग कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने संबंधित विभाग को कोल कंपनियों एवं प्रखंड प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक स्थानों पर बोरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं जिला क्रीड़ा पदाधिकारी ने बताया कि डीएफओ कार्यालय स्थित शहरकोल पंचायत के दुगार्पूर मौजा में प्रखंड स्तरीय स्टेडियम का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसमें अब तक लगभग 25 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है।

हिरणपुर में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य तेज, बीडीओ ने बूथ 134 का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हिरणपुर : जिले के हिरणपुर प्रखंड क्षेत्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को लेकर प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त के निर्देश पर सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी टुडू दिलीप ने रामनाथपुर स्थित बूथ संख्या 134 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) द्वारा किए जा रहे कार्यों की गहन समीक्षा की। इस क्रम में पाया गया कि क्षेत्र के सभी घरों को नोशनल हाउस नंबर आवंटित करने का कार्य तेजी से जारी है। साथ ही प्रत्येक घर पर एनएन अनुभाग संख्या/गृह संख्या अंकित स्टीकर चिपकाने का कार्य भी प्रगति पर है। बीडीओ ने संबंधित बीएलओ को निर्देश देते हुए कहा कि यह कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे निर्धारित समय सीमा के भीतर हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने एक सप्ताह के अंदर सभी घरों में स्टीकर चिपकाने एवं नोशनल हाउस नंबर आवंटन का कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया से मतदाता सूची को अधिक सटीक, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाने में मदद मिलेगी, जिससे आगामी चुनाव कार्यों के सफल संचालन में सहूलियत होगी। वहीं प्रशासन ने सभी संबंधित कर्मियों को इस अभियान में पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ जुटने का निर्देश दिया है।

आठवें पोषण पखवाड़ा के तहत जागरूकता रथ रवाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में आठवें पोषण पखवाड़ा के अवसर पर बुधवार को समाहरणालय परिसर, पाकुड़ से जागरूकता रथ को सांसद राजमहल विजय कुमार हांसदा, विधायक महेशपुर प्रो. स्टीफन मरांडी, उपायुक्त मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी, जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी सौरभ चंद्रा, नगर परिषद, अध्यक्ष सबरी पाल एवं जिला परिषद अध्यक्ष द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर सांसद ने उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं आमजनों को पोषण पखवाड़ा के तहत कुपोषण मुक्त समाज बनाने की शपथ दिलाई। उन्होंने सभी से संतुलित आहार अपनाने, बच्चों एवं माताओं के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने तथा पोषण के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। यह जागरूकता रथ जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को पोषण के प्रति जागरूक करने एवं कुपोषण उन्मूलन के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि पोषण पखवाड़ा के माध्यम से माताओं, बच्चों एवं किशोरियों के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार लाने हेतु व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संतुलित आहार, स्वच्छता, समय पर टीकाकरण एवं नियमित स्वास्थ्य जांच के माध्यम से कुपोषण को प्रभावी ढंग से कम किया जा सकता है। जागरूकता रथ 23 अप्रैल तक जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों का भ्रमण करेगा। इस दौरान आमजन को संतुलित आहार, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं की देखभाल, शिशु एवं बाल आहार, एनीमिया की रोकथाम, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी। साथ ही ऑडियो-वीडियो माध्यम से भी जागरूकता फैलायी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान संबंधित विभागों द्वारा बताया गया कि आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से पूरक पोषण आहार, नियमित वजन मापन, टीकाकरण एवं स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। पोषण ट्रैकर के माध्यम से लाभुकों की सतत निगरानी भी की जा रही है। उपायुक्त ने समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं जल-स्वच्छता विभाग को आपसी समन्वय के साथ इस अभियान को सफल बनाने का निर्देश दिया।

यज्ञ स्थल पर गोलीबारी करने वाला धराया, देसी कट्टा भी बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के साक्षरता मोड़ स्थित यज्ञ स्थल के पास पिछले दिनों हुई गोलीबारी की घटना का पुलिस ने उद्भेदन कर दिया है। बुधवार को सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने जिरवाबाड़ी थाना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि इस मामले में मुख्य आरोपी छोटा पंचगढ़ निवासी लालबाबू (26) को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त देसी कट्टा भी बरामद कर लिया है। बता दें कि बीते 12 अप्रैल की रात करीब 1:00 बजे साक्षरता मोड़ स्थित यज्ञ स्थल के पास अज्ञात हमलावरों ने गोलीबारी की थी। इस घटना में चंदन मंडल के ठुड्डी में गोली लगी थी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना के बाद इलाके में काफी तनाव का माहौल था। बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम ने तकनीकी और गुप्त सूचनाओं के आधार पर त्वरित जांच शुरू की। एसडीपीओ ने बताया कि अनुसंधान के दौरान आरोपी लालबाबू को उसके गांव से ही गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। एसडीपीओ किशोर तिर्की ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी ने हथियार छिपाने की बात कबूल की। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने घाटी की झाड़ियों में छिपाकर रखा गया एक देसी कट्टा बरामद किया है। इसी हथियार से उसने चंदन मंडल पर गोली चलाई थी। गोलीबारी के पीछे के मकसद पर एसडीपीओ ने कहा कि अब तक की पूछताछ में पुरानी रंजिश की बात सामने आई है। हालांकि पुलिस मामले के अन्य पहलुओं और हथियार की खरीद-फरोख्त के स्त्रोतों की भी जांच कर रही है। छापेमारी दल में जिरवाबाड़ी थाना के पुलिस अवर निरीक्षक शशि सिंह, पंकज वर्मा, अजित लकड़ा, कार्तिक उरांव और सहायक अवर निरीक्षक संजय कुमार के साथ सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

बिजली संकट गहराया, 300 घर एक ट्रांसफार्मर के भरोसे, ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सदर प्रखंड अंतर्गत मखमलपुर दक्षिण पंचायत के लालबथानी रहमत टोला और कुलदीप सिंह टोला में बिजली की गंभीर समस्या से ग्रामीण परेशान हैं। लगभग 300 घरों की आबादी वाले इन दोनों गांवों में केवल 63 केवी का एक ही ट्रांसफार्मर लगा हुआ है, जिससे बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से नहीं हो पा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले दो-तीन वर्षों से वे लगातार बिजली संकट झेल रहे हैं। गांव में बिजली तारों की स्थिति भी जर्जर है और वोल्टेज सही तरीके से नहीं मिल पाता। उमस भरी गर्मी में यह समस्या और भी गंभीर हो गई है, जिससे लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार पंचायत प्रतिनिधियों के समक्ष अपनी बात रखी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों को केवल चुनाव के समय ही जनता की याद आती है। आने वाले पंचायत चुनाव में वे गांव में हुए विकास कार्यों का हिसाब मांगेंगे। इसी बीच ग्रामीणों ने अपनी समस्या युवा कांग्रेस के राजमहल विधानसभा अध्यक्ष कौसर आलम के समक्ष रखी और गांव में नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की। इस पर कौसर आलम ने ग्रामीणों की मांग को जायज बताते हुए आश्वासन दिया कि वे बिजली विभाग के अधिकारियों से बातचीत कर जल्द समस्या का समाधान कराने का प्रयास करेंगे।

बोरियो में पॉलिथीन का कहर, बढ़ रहे रोग और गंदगी का अंबार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बोरियो प्रखण्ड क्षेत्र में पॉलीथिन का उपयोग धरल्ले से किया जा रहा है। बोरियो बाजार में पॉलीथिन का प्रयोग अंधाधुंध तरिके से किया जा रहा है। सरकार के तमाम प्रयास के बावजूद पॉलीथिन के उपयोग पर रोक नही लग पा रहा है। तमाम स्वरूपो में मिलने वाली पॉलीथिन पर्यावरण के लिए भारी चोट पहुचा रही है।पॉलीथिन के प्रयोग से सांस और त्वचा सम्बन्धी रोग तेजी से बढ़ रहे है। बावजूद लोग धरल्ले से पॉलीथिन का उपयोग करना नही छोड़ रहे। पॉलीथिन के उपयोग से लोगों में कैंसर का खतरा बढ़ चुका है। पॉलीथिन के उपयोग के कारण लोगो पर रोगों का खतरा मंडरा रहा है। पॉलीथिन नष्ट न होने की स्थिति में यह भूमि की उर्वरा शक्ति को भी समाप्त कर रही है। पॉलीथिन पर्यावरण के लिए पूरी तरह खतरनाक के साथ साथ यह प्रदूषण का कारण भी बन चुका है। यह न तो सड़ता है न तो गलता है इस स्थिति में पॉलीथिन के उपयोग पर सरकार को रोक लगाने के साथ साथ आवश्यक कदम उठाने चाहिए। पॉलीथिन का उपयोग को पूरी तरह से बन्द कर देना चाहिए।

बोरियो बाजार में फैले हुए गन्दगी का प्रमुख स्त्रोत है पॉलीथिन

क्षेत्र में चारो तरफ लगा है गन्दगी का अंबार इसका कारण पॉलीथिन ही है। लोग बिना सोचे समझे अपने दैनिक जीवन मे धरल्ले से पॉलीथिन का उपयोग कर रहे है। इसे रोकने वाला कोई नही। पॉलीथिन के ज्यादा सम्पर्क में रहने से लोगो के खून में थैलेट्स की मात्रा बढ़ जाती है। पॉलीथिन का कचरा जलने से कई विशैली गैस उत्सर्जित होती है। पॉलीथिन आज के समय मे सीवर जाम का सबसे बड़ा कारण है इससे गन्दा पानी का बहाव बाधित होता है जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान होता है। पॉलिथीन देश में गिरते भूजल स्तर की एक बड़ी वजह साबित हो रही है सरकार को इस पर ध्यान देने की आवश्कता है। लोगो मे जागरूकता की कमी स्पस्ट दिखाई दे रही।

पॉलिथीन से पशु को भी हो रहा है नुकसान

लोगो द्वारा लगाए गए कचरा का ढेर में पशु भोजन की तलाश में पॉलिथीन ही खा जाते है इस स्थिति में यह घातक साबित हो रही है। अगर उपभोक्ता ही पॉलिथीन का उपयोग करना बंद कर दे तो इसकी जरूरत दिन प्रतिदिन कम होती चली जायेगी मगर ऐसा होता नही दिखाई दे रहा। क्षेत्र में लोग धरल्ले से पॉलीथिन का उपयोग कर रहे है, गन्दगी का अंबार लगा स्वच्छ भारत मिशन की धज्जियां उड़ा रहे है।

संक्षिप्त खबरें

पाकुड़ पुलिस को मिली 18 नई अपाचे बाइक, सांसद-विधायक ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

पाकुड़ : झारखण्ड सरकार एवं पुलिस मुख्यालय, राँची द्वारा पाकुड़ जिले को कुल 18 नई अपाचे मोटरसाइकिल उपलब्ध कराई गई हैं। इन वाहनों को बुधवार को एक कार्यक्रम के दौरान हरी झंडी दिखाकर विभिन्न थाना एवं ओपी क्षेत्रों के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर सांसद विजय हांसदा, विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी, उपायुक्त मनीष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर बाइक को संबंधित थाना क्षेत्रों के लिए रवाना किया। इस मौके पर अधिकारियों ने कहा कि इन नई मोटरसाइकिलों के मिलने से पुलिस की गश्ती व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। खासकर ग्रामीण एवं सुदूर क्षेत्रों में पुलिस की पहुंच तेज होगी, जिससे कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहूलियत मिलेगी। साथ ही अपराध नियंत्रण में भी प्रभावी मदद मिलेगी। पुलिस विभाग के अनुसार, इन मोटरसाइकिलों को जिले के विभिन्न थाना एवं ओपी क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा, ताकि समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके और आम जनता को बेहतर सुरक्षा प्रदान की जा सके।

पाकुड़ ने रचा इतिहासः 11वीं के रिजल्ट में राज्य में तीसरा स्थान, 99.59प्रतिशत विद्यार्थी सफल

पाकुड़ : जिले ने शिक्षा के क्षेत्र में इस वर्ष उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए 11वीं कक्षा के परीक्षाफल में राज्य स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। पिछले वर्ष 12वें स्थान पर रहे पाकुड़ ने बड़ी छलांग लगाते हुए यह सफलता अर्जित की है, जो बेहतर शैक्षणिक माहौल और लगातार प्रयासों का परिणाम माना जा रहा है। इस वर्ष जिले का कुल परिणाम 99.59 प्रतिशत रहा, जो शिक्षा के स्तर में हो रहे निरंतर सुधार को दशार्ता है। पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसे सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। केवल समग्र परिणाम ही नहीं, बल्कि परीक्षाफल में सुधार के मामले में भी पाकुड़ ने राज्य में तीसरा स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि जिले की शिक्षा व्यवस्था की मजबूती और योजनाबद्ध प्रयासों को दर्शाती है। जिला प्रशासन द्वारा संचालित ह्लप्रोजेक्ट परख-2.0ह्व ने इस सफलता में अहम भूमिका निभाई है। इस पहल के तहत शिक्षण गुणवत्ता में सुधार, नियमित मूल्यांकन और विद्यार्थियों के समग्र विकास पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसका सकारात्मक असर परिणामों में देखने को मिला। इस सफलता का श्रेय जिले के विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों की प्रतिबद्धता, अभिभावकों के सहयोग और जनप्रतिनिधियों के मार्गदर्शन को दिया जा रहा है। सभी के सामूहिक प्रयास से ही जिले ने यह मुकाम हासिल किया है। उपायुक्त मनीष कुमार ने इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर सभी सफल विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि सामूहिक प्रयास, अनुशासन और निरंतर मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी लगन और परिश्रम के साथ आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया।

श्री श्री 1008 श्री 11 कुंडात्मक श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

साहिबगंज: शहर के साक्षरता चौक काटरगंज दुर्गा पूजा समिति की ओर से दुर्गा मंदिर परिसर में आयोजित श्री श्री 1008 श्री 11 कुंडात्मक श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के सातवें दिन बुधवार की सुबह काशी के आचार्य डॉ हरेंद्र द्विवेदी के सानिध्य में 25 सदस्यी पुरोहितो ने वैदिक मंत्रोचारण के साथ 33 कोटि देवी देवताओं का आह्वाहन करके यज्ञ मंडप का पूजन, महाभिषेक, हवन किया। सुबह, दोपहर व संध्या बेला में वैदिक मंत्रोचारण के साथ पूजन किया गया। वही देश के विभिन्न क्षेत्रों से 22 साधु संत महात्मा ओर नागा साधु का आगमन महायज्ञ परिसर में हुआ है। महामंडलेश्वर श्री अयोध्या दास जी महाराज ने बताया कि शहर, जिला व जिला के आसपास के श्रद्धालु यज्ञ मंडप की परिक्रमा करने प्रतिदिन हजारों की संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालु आ रहे है। यज्ञ मंडप का पूजन करके देवी देवताओं का पूजन करके साधु संत महात्मा का आशीर्वाद ले रहे है। वैदिक मंत्रोचारण से पूरा क्षेत्र शुद्ध पवित्र भक्तिमय हो गया है। शहर भक्ति के रंग में डूबा हुआ है। महायज्ञ परिसर में देर रात्रि तक महिला पुरुष बच्चे बुजुर्ग श्रद्धालु पहुंचकर कथा, रासलीला, भंडारा स्वरूप प्रसाद ओर मेला का आनंद उठा रहे है। मेला में श्रद्धालुओं के सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है, पुलिस बल तैनात है और स्वास्थ्य विभाग की टीम भी तैनात है।

चंद्राढीपा गांव में लगा डायरिया शिविर कैंप घर-घर जाकर की स्वास्थ्य जांच

साहिबगंज: जिले के बरहेट प्रखंड क्षेत्र के चंद्राढीपा गांव में स्वस्थ विभाग कि ओर से स्वस्थ जांच कैंप लगाया गया। वही चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर पंकज कर्मकार के नेतृत्व में घर-घर कैंपेन अभियान चलाकर डायरिया से पीड़ित मरीजों का इलाज किया गया। इस दौरान विभाग के सात सदस्य टीम गांव पहुंचकर बारी-बारी से डायरिया से पीड़ित मरीजों का इलाज किया। वही चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर पंकज कर्मकार ने बताया कि 50 से अधिक घरों में स्वस्थ विभाग की टीम जांच कर आवश्यक दवा, ग्लूकोज, वितरण किया। इसके साथ-साथ ग्रामीणों को डायरिया से बचने को लेकर आवश्यक सुझा दिया। मौके पर बीटीटी केदारनाथ पंडित, एएनएम के अलावा अन्य कर्मी मौजूद थे।

बरकत खान ने लगाया जनता दरबार, पेंशन आवास और प्रमाण पत्र की समस्याएं सुनीं

साहिबगंज: मंगलवार को सरकारी अवकाश रहने के कारण बुधवार को बरहरवा प्रखंड स्थित विधायक कक्ष में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और नगर क्षेत्र के लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। जनता दरबार में श्रीकुंड पंचायत के चाकपाड़ा गांव की 51 वर्षीय आलमारा बीवी ने बताया कि उन्हें 26 नवंबर 2025 को सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री सर्वजन पेंशन योजना के तहत पेंशन स्वीकृति पत्र मिला था, लेकिन अब तक राशि का भुगतान नहीं हुआ है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए बरकत खान ने प्रखंड विकास पदाधिकारी सन्नी कुमार दास से उनके कार्यालय में मुलाकात कर समस्या की जानकारी दी। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने जांच के बाद जल्द भुगतान कराने का आश्वासन दिया। वहीं बिन्दुपाड़ा पंचायत की आसमा बीबी ने वृद्धा पेंशन बंद होने की शिकायत की, जबकि शैली खातून ने विकलांग पेंशन चार से पांच महीने से नहीं मिलने की बात कही। मधुवापाड़ा पंचायत की हाबी खातून ने मईया सम्मान योजना की राशि बंद होने की शिकायत की। इसके अलावा कई लोगों ने जमीन से जुड़े मामलों, प्रधानमंत्री आवास योजना और आबुआ आवास योजना की पहली और दूसरी किस्त का भुगतान नहीं होने की समस्या उठाई। लोगों ने बताया कि राशि नहीं मिलने से आवास निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है।

रांजाबुरु खदान परियोजना के खिलाफ ग्रामीणों का 72 घंटे की भूख हड़ताल शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : जिले के गुवा क्षेत्र में स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की रांजाबुरु खदान परियोजना के विरोध में स्थानीय ग्रामीणों का आंदोलन अब तेज हो गया है। बुधवार से दर्जनों ग्रामीण, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हैं, सेल गुवा जनरल ऑफिस के सामने 72 घंटे की भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। हक नहीं तो काम भी नहीं के नारे के साथ शुरू हुआ यह आंदोलन पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।

ग्रामीणों का आरोप है कि खनन से भारी मुनाफा कमाने के बावजूद सेल प्रबंधन स्थानीय युवाओं को रोजगार देने में लगातार उपेक्षा कर रहा है। लंबे समय से मांग उठाने के बावजूद सिर्फ आश्वासन मिला, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे नाराज ग्रामीण अब निर्णायक लड़ाई के मूड में हैं।

बताया गया कि 13 फरवरी को मुंडा-मानकी की अगुवाई में धरना दिया गया था, जबकि 27 फरवरी को थाली-कटोरा बजाकर विरोध जताया गया। इसके बावजूद जब 39 दिनों तक कोई पहल नहीं हुई, तो ग्रामीणों ने भूख हड़ताल का रास्ता अपनाया।

रोजगार के साथ-साथ ग्रामीणों ने खनन से हो रहे पर्यावरणीय नुकसान को भी बड़ा मुद्दा बनाया है। उनका कहना है कि खदानों से निकलने वाली धूल, मिट्टी और लाल पानी खेतों को बंजर बना रहे हैं, वहीं कारो नदी भी प्रदूषण की चपेट में आ गई है, जिससे पीने के पानी तक का संकट गहरा गया है।

इस आंदोलन का नेतृत्व सारंडा पीढ़ के मानकी सुरेश चाम्पिया कर रहे हैं। उनके साथ मुंडा सींगा सुरीन, बिरसा सुरीन, मंगता सुरीन, लालू चाम्पिया, गोमाई चाम्पिया, सोमा चाम्पिया, जेना बाड़ींग, लांगो चाम्पिया, ननिका सुरीन, मसूरी सुरीन और सोमवारी सुरीन समेत कई ग्रामीण सक्रिय हैं।

आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि 72 घंटे के भीतर उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो 20 अप्रैल से चक्का जाम कर खदान का काम पूरी तरह ठप कर दिया जाएगा।

सरायकेला में बस और मालवाहक की टक्कर में कई यात्री घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : चांडिल थाना क्षेत्र अंतर्गत भादुडीह में बुधवार को बस और मालवाहक की टक्कर से सड़क हादसा हो गया। यहां यात्री बस और मालवाहक वाहन के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई, जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई। घटना से दोनों वाहनों के ड्राइवर की शरीर में गंभीर चोट आई एवं बस में सवार कई यात्री भी घायल हुए है,बताया जा रहा है दुर्घटना के समय बस पर लगभग 24 लोग सवार थे जो टाटा से कुकड़ु की और आ रहे थे। जानकारी के अनुसार साथी ट्रेवल्स जो झारखंड सरकार द्वारा संचालित ग्राम गाड़ी योजना के तहत सुदूरवर्ती इलाका कुकड़ु से टाटा तक चलाया जाता है। जिसका वाहन संख्या JH 22 H-4062 है तथा मालवाहक वाहन सफेद रंग का है जिसका वाहन संख्या JH01GE- 8442 है। प्रत्यक्षदर्शी बताते है कि टाटा की और से आ रही यात्री बस को विपरीत दिशा की और से आ रही मालवाहक गाड़ी आपस में आमने सामने भीड़ गए,जिससे जोर की आवाज आयी और जबरजस्त टक्कर हुई। घटना की सुचना पाकर स्थानीय पुलिस पहुंचे तथा स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखते हुए राहत कार्य शुरू किया और घायलों को बस से बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए भेजा। वहीं साथी ट्रेवल्स के पुत्र बताते है कि मालवाहक गाड़ी के ड्राइवर का आंख लग जाने से इतना बड़ा हादसा हुआ। घटना की सूचना पाकर चांडिल थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया और दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर सड़क किनारे हटवाया गया।

टाटा मोटर्स गेट पर चला विरोध खत्म स्थानीय रोजगार को लेकर मिला आश्वासन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : टेल्को थाना क्षेत्र स्थित टाटा मोटर्स के मुख्य प्रवेश द्वार पर स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने की मांग को लेकर जारी विरोध प्रदर्शन बुधवार को समाप्त हो गया।

श्रम विभाग के हस्तक्षेप और जिला श्रम पदाधिकारी (डीएलसी) अरविंद कुमार के साथ सकारात्मक वार्ता के बाद प्रदर्शनकारियों ने अपना आंदोलन वापस लेने का फैसला किया। यह विरोध मंगलवार को बंटी सिंह गुट के नेतृत्व में शुरू हुआ था, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय युवक शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने टाटा मोटर्स के मेन गेट को पूरी तरह जाम कर दिया था, जिससे कंपनी के कर्मचारियों, अधिकारियों और वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। गेट जाम रहने के कारण कंपनी के दैनिक कार्यों पर भी असर पड़ा और प्रबंधन को वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ी। प्रदर्शनकारी पूरी रात गेट के सामने धरने पर डटे रहे और अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी करते रहे। प्रदर्शन को उस समय और मजबूती मिली जब आईआईटीयूसी के नेता अंबुज ठाकुर ने इसका समर्थन किया। उनके शामिल होने के बाद आंदोलन का दायरा बढ़ा और प्रशासन पर समाधान निकालने का दबाव भी बढ़ गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन सक्रिय हुआ और डीएलसी अरविंद कुमार ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। वार्ता के दौरान डीएलसी ने प्रदर्शनकारियों की मांगों को ध्यानपूर्वक सुना और उन्हें भरोसा दिलाया कि नियमानुसार और न्यायसंगत तरीके से उनकी मांगों पर विचार किया जाएगा।

पत्नी से विवाद में नाराज युवक ने रचा गायब होने का ड्रामा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : सोनारी स्थित डोबो पुल पर मंगलवार देर रात लावारिस हालत में मिली स्कूटी के मामले ने बुधवार सुबह एक नया और चौंकाने वाला मोड़ ले लिया। जिस युवक को लेकर पुलिस और परिजन पूरी रात स्वर्ण रेखा नदी में खोजबीन करते रहे, वह युवक सुरक्षित साकची में मिला। इस घटना ने न केवल पुलिस महकमे को बल्कि पूरे शहर को रात भर उलझन और चिंता में डाले रखा। जानकारी के अनुसार, परसुडीह गोलपहाड़ी निवासी 26 वर्षीय अविनाश कुमार मंगलवार रात करीब 11 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया था। डोबो पुल पर उसकी प्लेजर स्कूटी, मोबाइल फोन और चाबी लावारिस हालत में मिलने के बाद परिजनों ने आशंका जताई कि उसने नदी में छलांग लगा

ली है। सूचना मिलते ही सोनारी पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों व स्थानीय लोगों के साथ रात भर टॉर्च की रोशनी में सुवर्णरेखा नदी में उसकी तलाश की जाती रही, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

इस सनसनीखेज घटना से इलाके में हड़कंप मच गया था। परिजन रो-रोकर बेहाल थे और हर कोई युवक की सलामती को लेकर चिंतित था। लेकिन बुधवार सुबह मामला पूरी तरह पलट गया। पता चला कि अविनाश पूरी रात साकची गुरुद्वारा के पास एक किराए के मकान में ठहरा हुआ था। सुबह मकान मालिक ने उसके परिजनों को फोन कर जानकारी दी, जिसके बाद उसका मामा टिंकू, जो सोनारी में रहते हैं, उसे अपने साथ घर ले गए। जांच में सामने आया कि अविनाश अपनी पत्नी के साथ चल रहे लंबे समय से विवाद को लेकर मानसिक रूप से तनाव में था। वह गोविंदपुर में किराए के मकान में पत्नी के साथ रह रहा था और दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होता था। इसी पारिवारिक तनाव से नाराज होकर उसने यह पूरा ड्रामा रचा, जिससे ऐसा लगे कि उसने खुदकुशी कर ली है। इस घटना ने कई गंभीर सवाल भी खड़े कर दिए हैं। एक ओर जहां पुलिस और स्थानीय लोग पूरी रात नदी में उसकी तलाश में जुटे रहे, वहीं दूसरी ओर युवक आराम से शहर में ही मौजूद था।

विधायक के पैतृक घर में चोरी, अज्ञात चोरों ने लाखों का सामान उड़ाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गढ़वा : गढ़वा जिले में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। गढ़वा थाना क्षेत्र के बेलहारा गांव स्थित स्थानीय विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी के पैतृक घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने अंदर प्रवेश किया और चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, घटना के समय घर में कोई भी सदस्य मौजूद नहीं था। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने पूरे घर की तलाशी ली। इस दौरान घर का सामान अस्त-व्यस्त कर दिया गया और कई कीमती सामान चोरी कर लिए गए।

बुधवार सुबह जैसे ही आसपास के लोगों को घटना की जानकारी मिली, इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर गढ़वा शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और डॉग स्क्वॉड टीम के साथ जांच शुरू कर दी। पुलिस टीम घर और आसपास के इलाके से साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है। घटना की पुष्टि स्वयं विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी ने की है। उन्होंने बताया कि चोरी गए सामान का आकलन किया जा रहा है, जिसके बाद ही नुकसान की सटीक जानकारी सामने आएगी। इस संबंध में गढ़वा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) नीरज कुमार ने बताया कि डॉग स्क्वॉड की मदद से मामले की जांच की जा रही है। आवेदन मिलने के बाद चोरी की विस्तृत जानकारी दर्ज की जाएगी और आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस अज्ञात चोरों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी हुई है।

चतरा उपायुक्त ने विकास कार्यों में तेजी लाने और समन्वय बढ़ाने के दिए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : चतरा समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में कौशल विकास, एमएसएमई, खेल, श्रम, संस्कृति, पर्यटन, जिला उद्योग केंद्र, नियोजन कार्यालय, उच्च शिक्षा, आईटीआई एवं नेहरू युवा केंद्र से संबंधित योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी विभागों को कार्यों में तेजी लाने और आपसी समन्वय मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभागों के बीच बेहतर तालमेल आवश्यक है। खेल सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से टंडवा और पत्थलगड़ा में प्रस्तावित मॉडल स्टेडियम परियोजना पर विशेष चर्चा हुई। उपायुक्त ने इन दोनों परियोजनाओं से संबंधित लंबित कागजी प्रक्रियाओं, स्वीकृतियों और प्रशासनिक औपचारिकताओं को जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लंबित फाइलों को लेकर नाराजगी जताते हुए उपायुक्त ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे आपसी समन्वय बनाकर शीघ्र स्वीकृति प्राप्त करें और नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा करें। बैठक में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) की भी समीक्षा की गई। साथ ही मुख्यमंत्री कुटीर उद्योग बोर्ड के जिला समन्वयक को सिमरिया प्रखंड के हफुआ में संचालित सिलाई-कढ़ाई समूह का निरीक्षण कर जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

उपायुक्त ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, अधिक से अधिक लाभुकों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाएं और निर्धारित समयसीमा के भीतर लक्ष्यों को पूरा करें। बैठक में सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

एक नजर

नारायणपुर में कानूनी जागरूकता शिविर, बाल विवाह रोकथाम पर विशेष जोर

जामताड़ा : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) जामताड़ा एवं झालसा रांची के निर्देशानुसार बुधवार को नारायणपुर प्रखंड में दो अलग-अलग स्थानों पर कानूनी जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। ये शिविर बुधुडीह मोड़ तथा उत्क्रमित उच्च विद्यालय चैनपुर बोर्ड में लगाए गए, जहां ग्रामीणों और छात्र-छात्राओं को मुफ्त कानूनी सलाह एवं परामर्श प्रदान किया गया। उत्क्रमित उच्च विद्यालय चैनपुर बोर्ड में आयोजित मुख्य शिविर का शुभारंभ सहायक शिक्षक मो। कुर्बान शेख ने परिचय सत्र के साथ किया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक सोहन मुर्मू सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पीएलवी शहादत अली ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) की योजनाओं एवं सेवाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से बाल विवाह रोकथाम पर जोर देते हुए इसके दुष्परिणामों से छात्रों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि बाल विवाह से शिक्षा और स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है, साथ ही यह बाल विवाह निषेध अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है। शहादत अली ने कहा कि झालसा एवं डालसा के निर्देशानुसार पंचायत भवन बुधुडीह में सप्ताह में दो दिन विधिक सहायता केंद्र संचालित किया जाता है, जहां ग्रामीणों को मुफ्त कानूनी सहायता, सलाह-परामर्श एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने लोगों से इन सेवाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की।

रक्तदान शिविर का आयोजन

लातेहार : मेडिकल लैब टेक्निशियन डे के मौके पर 15 अप्रैल को ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर ब्लड बैंक चिकित्सा पदाधिकारी डॉ धर्मशीला चौधरी ने लैब टेक्निशियन के कार्यों पर प्रकाश डाला और कहा कि लैब टेक्निशियन चिकित्सा जगत में रीढ़ की हड्डी के समान है। लैब टेक्निशियन के रिपोर्ट के आधार पर ही चिकित्सक इलाज करते हैं। ऑल इंडिया मेडिकल लेबोरेट्री टेक्निशियन एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सह ब्लड बैंक, लातेहार के लैब टेक्निशियन विनय कुमार सिंह ने कहा 15 अप्रैल को लैब टेक्नीशियन के समर्पण और त्याग के परिचय के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को झारखंड के सभी जिलों में लैब टेक्नीशियन के द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किया जा रहा है। मौके पर केक काटकर टेक्नीशियन डे मनाया गया। समाचार लिखे जाने तक कुल नौ यूनिट रक्त संग्रहण किया जा चुका था।

लोन दिलाने का झांसा देकर 56 महिलाओं से 46 लाख की ठगी

गोमिया : गोमिया प्रखंड के सुदूरवती चुट्टे पंचायत स्थित चुट्टे गांव में लोन दिलाने के नाम पर ठगी करने का मामला सामने आया है। गांव के ही एक दंपती पर 56 महिलाओं के नाम पर करीब 46 लाख रुपये का लोन निकलवाकर राशि हड़पने का आरोप है। घटना के बाद आरोपी दंपती फरार बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, आरोपी जीरू कुमारी और उसके पति अजय कुमार ठाकुर ने ग्रामीण महिलाओं को कम ब्याज पर आसान लोन दिलाने का भरोसा दिया। बच्चों की पढ़ाई और शादी जैसे जरूरतों का हवाला देकर उन्होंने महिलाओं से आधार कार्ड, बैंक डिटेल्स सहित जरूरी दस्तावेज ले लिए इसके बाद अलग-अलग माइक्रो फाइनेंस कंपनियों से उनके नाम पर लोन स्वीकृत (अप्रूव) करा ली। आरोप है कि लोन की राशि जैसे ही महिलाओं के खातों में आई, दंपती ने सिविल स्कोर सुधारने और भविष्य में अधिक लोन दिलाने का झांसा देकर पैसे अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिए।

संक्षिप्त खबरें

चक्रधरपुर रेल मंडल में डॉ. अंबेडकर जयंती पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर रेल मंडल में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पूरे सम्मान और गरिमा के साथ मनाई गई। 14 अप्रैल को अवकाश होने के कारण यह कार्यक्रम बुधवार को आयोजित किया गया, जिसमें रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान भारतीय संविधान के शिल्पकार के रूप में प्रसिद्ध डॉ. अंबेडकर के योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शुरूआत उनके चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पण से हुई, जिसके बाद उपस्थित लोगों ने उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर चक्रधरपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक तरुण हुरिया ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर ने समाज में समानता, न्याय और मानवाधिकारों के लिए जो संघर्ष किया, वह आज भी प्रेरणास्रोत है। उन्होंने उनके विचारों को अपनाकर एक समावेशी और लोकतांत्रिक भारत के निर्माण पर जोर दिया। कार्यक्रम में मौजूद सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने बाबासाहेब के विचारों को अपने जीवन में उतारने की प्रतिबद्धता दोहराई।

टाटा स्टील वेंडर कर्मचारी ने किया आत्मदाह

पूर्वी सिंहभूम : सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के धुनी रोड स्थित क्वार्टर में रहने वाले टाटा स्टील के एक वेंडर कर्मचारी गोरचंद महतो ने मंगलवार देर रात आत्मदाह कर खुदकुशी कर ली। इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है और श्रमिक वर्ग के बीच गहरी चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गोरचंद महतो लंबे समय से अपने भविष्य निधि (पीएफ) के बकाया भुगतान को लेकर परेशान थे। बताया जा रहा है कि कई बार संबंधित विभाग और अधिकारियों के चक्कर लगाने के बावजूद उन्हें उनका पैसा नहीं मिल सका। आर्थिक तंगी लगातार बढ़ती जा रही थी, जिससे वे मानसिक रूप से काफी तनाव में आ गए थे। परिजनों और स्थानीय लोगों के अनुसार, बीते कुछ महीनों से गोरचंद काफी परेशान और चिंतित रहते थे। घर की जिम्मेदारियों और पैसों की कमी ने उनकी स्थिति और भी गंभीर बना दी थी। इसी तनाव और निराशा के चलते उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। घटना की सूचना मिलते ही सिदगोड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें कथित तौर पर पीएफ भुगतान में हो रही देरी, आर्थिक संकट और मानसिक प्रताड़ना का उल्लेख किया गया है। पुलिस ने इस पत्र को जब्त कर लिया है और उसकी जांच की जा रही है। सिदगोड़ा थाना प्रभारी फैज अहमद के अनुसार जांच की जा रही है। दोषी के विरुद्ध कार्रवाई की जायगी। फिलहाल पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि पीएफ भुगतान में देरी के पीछे क्या कारण थे और इसमें किसकी जिम्मेदारी बनती है। वहीं, घटना के बाद से मृतक के परिजन सदमे में हैं ।

सात साल के बालक का शव मिला, प्रेम प्रसंग में हत्या की आशंका

कोडरमा : जिले के डोमचांच थाना अंतर्गत घरबरियाबर गांव में सात वर्षीय बालक का शव कुएं से बरामद किया गया है। मासूम बच्चे आर्यन यादव (पिता पवन यादव) की हत्या कर उसका शव कुएं में फेंक दिया गया था। जानकारी के अनुसार, मंगलवार की रात बच्चा अपनी मां के साथ घर में सोया हुआ था। इसी दौरान अज्ञात लोग घर में घुसे और मासूम को उठाकर ले गए। स्वजनों को इसकी भनक तक नहीं लगी। सुबह जब बच्चे का कहीं पता नहीं चला तो खोजबीन शुरू हुई। इसी बीच गांव के एक कुएं में बच्चे का शव मिलने से मामले का खुलासा हुआ। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कुएं से बाहर निकाला। इस दौरान ग्रामीणों ने पोस्टमार्टम के लिए शव ले जाने का विरोध किया, हालांकि पुलिस अधिकारियों के समझाने और कार्रवाई के आश्वासन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। ग्रामीणों ने स्वजनों पर ही हत्या का संदेह जताया है। पुलिस ने बच्चे की मां और उसके फूफा को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह ने बताया कि मामले का जल्द खुलासा कर लिया जाएगा।

महिला समूहों को सोलर पंप का वितरण 92 लाख की आर्थिक सहायता भी दी गई

चतरा : चतरा जिले के सिमरिया प्रखंड मुख्यालय में महिला स्वयं सहायता समूहों के बीच सोलर पंप का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट, चतरा के सौजन्य से आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चतरा के सांसद कालीचरण सिंह और सिमरिया के विधायक उज्जवल कुमार दास उपस्थित रहे। इस अवसर पर महिला समूहों को सोलर पंप प्रदान किए गए, जिससे उन्हें कृषि कार्यों में सहूलियत मिलेगी। इसके साथ ही महिलाओं को स्वरोजगार और आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगभग 92 लाख रुपये की राशि के चेक भी वितरित किए गए। इस आर्थिक सहायता से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद कालीचरण सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नारी सशक्तिकरण का जो संकल्प लिया गया है, उसका सकारात्मक प्रभाव अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और समाज में अपनी नई पहचान स्थापित कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सोलर पंप वितरण से महिलाओं को खेती-किसानी में सुविधा होगी और आर्थिक सहायता से उन्हें स्वरोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनके आत्मविश्वास और स्वाभिमान में वृद्धि होगी। कार्यक्रम में सिमरिया के प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) चंद्रदेव, पंचायत प्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

सूर्य का मेष राशि में हुआ मंगल प्रवेश; खरमास खत्म, मांगलिक कार्य शुरू

पटना (एजेंसी) ग्रहों के राजा सूर्यदेव ने मंगलवार को मीन राशि की अपनी यात्रा पूरी कर मेष राशि में मंगल प्रवेश किया। दोपहर 11.25 बजे हुए इस राशि परिवर्तन के साथ ही एक माह से लगा खरमास समाप्त हो गया। इसके साथ ही शहनाई गूंजने का रास्ता साफ हो गया। यानी शुभ मांगलिक कार्य शुरू हो गए। जिन घरों में शादी-ब्याह है, उन घरों में मंगलवार की शाम जागरण समेत अन्य धार्मिक अनुष्ठान हुए। बुधवार से विवाह समेत सभी तरह के मांगलिक कार्यों के शुभ मुहूर्त शुरू हो जाएंगे। इस बीच मंगलवार को राज्य भर में सतुआनी पर्व आस्था व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। तीन शुभ योगों के दुर्लभ संयोग के बीच श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर सत्तू, गुड़ और आम के टिकोले का स्वाद चखा। ग्रीष्म ऋतु का स्वागत सूर्य के मेष संक्रांति में आते ही ग्रीष्म ऋतु शुरू हो जाता है। यही कारण है कि आयुर्वेद और परंपरा के अनुसार इस दिन शरीर को ठंडक देने वाले आहार का विधान है। सत्तू और कच्चे आम की चटनी न केवल सुपाच्य होती है, बल्कि लू से बचाने में भी रामबाण का काम करती है। घरों में सत्यनारायण भगवान की कथा के बाद सत्तू का प्रसाद ग्रहण किया गया। अश्विनी नक्षत्र में परिवर्तन वैशाख कृष्ण द्वादशी और अश्विनी नक्षत्र की उपस्थिति ने इस दिन को आध्यात्मिक रूप से फलदायी बना दिया। लोगों ने आदित्य हृदय स्तोत्र, विष्णु सहस्त्रनाम और पुरुषसूक्त का पाठ कर सूर्यदेव की आराधना की। सनातनी परंपरा के अनुसार, पितरों की शांति के लिए मिट्टी के घड़े, पंखा, सत्तू, गुड़, चना आदि का दान किया गया। मान्यता है कि इस दिन किए गए दान से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।

रूरल इकोनॉमी की लाइफ लाइन बनीं जीविका दीदी

पटना (एजेंसी) ये कहानी राजधानी पटना से करीब 70 किलोमीटर दूर सारण जिले के दिघवारा ब्लॉक की कुछ महिलाओं की है, जिन्होने जीविका से जुड़ आत्मनिर्भरता की नई कहानी ये कहानी राजधानी पटना से करीब 70 किलोमीटर दूर सारण जिले के दिघवारा ब्लॉक की कुछ महिलाओं की है, जिन्होने जीविका से जुड़ आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिखी 2018 में जीविका से जुड़ी। 2020 से नर्सरी का काम शुरू किया। साल में एक से डेढ़ लाख रुपए की बचत हो जाती है। आज 5-10 लोग इस काम से जुड़े हुए हैं। जीविका समूह से पैसा लेकर दो कमरे में मशरूम का बैग तैयार करने लगी। आज हर रोज 4-5 हजार रुपए का मशरूम बेचती हूं। पहले मैं 5 रुपए के लिए भी तरसती थी। रहने के लिए घर तो छोड़िए, जमीन तक नहीं थी। पति दूसरे की गाड़ी चलाते हैं। 2020 में जीविका से जुड़ने के बाद आज दो गायों से 10-15 लीटर दूध होता है। बड़े आराम से घर चल रहा है। पहले मैं पति और बच्चे के साथ दिल्ली में रहती थे। सास-ससूर बोलते थे कि यही आ जाओ, जीविका के माध्यम से काम करो। मन में डर था कि घर लौट जाऊंगी तो कुछ नहीं होगा, लेकिन सास-ससुर के कहने पर बिहार लौटी और 2016 में जीविका से जुड़ी । राजीव चौक पर समोसा लिट्टी की दुकान अच्छी चल रही है। दैनिक भास्कर ने दिघवारा ब्लॉक की कुछ जीविका दीदियों से बात की..जिनका इस ग्रुप से जुड़कर जिंदगी बदल गई है। रीता देवी 2018 में जीविका से जुड़ी। उन्होंने बताया कि मैंने 2020 से नर्सरी का काम शुरू किया और आज इसके जरिए 10 लोगों को रोजगार दे रही हूं। रीता देवी 2018 में जीविका से जुड़ी। उन्होंने बताया कि मैंने 2020 से नर्सरी का काम शुरू किया और आज इसके जरिए 10 लोगों को रोजगार दे रही हूं। बिहार के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं बनी आत्मनिर्भर आज हम बात कुछ ऐसी महिलाओं की करेंगे, जिन्होंने जीविका समूह से जुड़कर न केवल अपनी तकदीर बदली, बल्कि परिवार और समाज की तस्वीर बदल रही हैं। बिहार में करीब डेढ़ करोड़ महिलाएं जीविका समूह से जुड़ी हैं।

पटना में विवाहिता पर गर्म दूध फेंका, बेहरमी से पीटा

पटना (एजेंसी) पटना जिले के नेउरा थाना क्षेत्र अंतर्गत नेउरागंज में एक विवाहिता के साथ दहेज उत्पीड़न का मामला सामने आया है। आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोगों ने महिला के साथ मारपीट कर उस पर गर्म दूध फेंककर जान से मारने की कोशिश की। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि हमलावरों ने उनके गले से मंगलसूत्र, कान का झुमका और पायल भी छीन लिया। पीड़िता पूनम देवी के अनुसार, घटना बीती रात करीब 1 बजे की है। वह अपने पति निप्पू कुमार के साथ कमरे में सो रही थीं, तभी गोतनी ममता देवी, ससुर श्याम पुकार चौधरी, सास सीता देवी, ननद आरती कुमारी और प्रिया कुमारी तथा देवर गुड्डू कुमार ने मिलकर उन पर हमला कर दिया। आरोप है कि सभी ने मिलकर पूनम की बेरहमी से पिटाई की और उन पर गर्म दूध फेंक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। दहेज के लिए प्रताड़ना का आरोप पूनम ने बताया कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले उन पर मायके से पैसे लाने का दबाव बना रहे थे। विरोध करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी जाती थी। घटना के समय उनके पति भी मौजूद थे, लेकिन डर के कारण उन्होंने कोई विरोध नहीं किया। पिता बोले-लगातार हो रही थी प्रताड़ना पीड़िता के पिता कमलेश चौधरी ने बताया कि दिसंबर 2020 में हिंदू रीति-रिवाज से बेटी की शादी की थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष दहेज के लिए परेशान कर रहा था। कभी 50 हजार रुपए तो कभी मोटरसाइकिल के लिए डेढ़ लाख रुपए की मांग की जाती थी। उन्होंने बताया कि कई बार समझौते के बावजूद स्थिति नहीं सुधरी। पूनम के दो छोटे बच्चे भी हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने थाने पहुंचकर मामला दर्ज कराया। पुलिस ने शुरू की जांच, गिरफ्तारी के प्रयास मामले में थानाध्यक्ष जगदीप राणा ने बताया कि घायल महिला की ओर से आवेदन प्राप्त हुआ है। पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल महिला का इलाज अस्पताल में चल रहा है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार छापेमारी कर रही है।

शपथ ग्रहण समारोह के लिए पटना नगर निगम की तैयारी

पटना (एजेंसी) नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद ठऊअ ने नए सीएम का ऐलान कर दिया है। सम्राट चौधरी बिहार के नए मुख्यमंत्री होंगे। आज लोक भवन में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया है। इसे लेकर पटना नगर निगम भी तैयारी कर रहा है। पटना एयरपोर्ट से लेकर लोक भवन तक कनेक्टिंग मार्ग की विशेष साफ सफाई की जा रही है। लोक भवन के अंदर और बाहर 40 सफाई कर्मियों को तैनात किया गया है। दो पाली में वे काम कर रहे हैं। दो वाटर स्प्रिंकलर से सुबह-शाम पानी का छिड़काव हो रहा सुबह और शाम फागिंग और एंटी लार्वा का छिड़काव हो रहा है। दो एंटी स्मॉग गन का इस्तेमाल किया जा रहा है। दो वाटर स्प्रिंकलर से सुबह-शाम पानी का छिड़काव हो रहा है। वहीं, एक खउइ और टीपर हर समय कचरा उठाव के लिए खड़ा रहेगा। लोक भवन के अंदर नूतन राजधानी अंचल और बाहर गेट नंबर 1 से 4 तक पाटलिपुत्र अंचल का एरिया आता है। ऐसे में दोनों अंचल के कर्मी मिलकर शपथ ग्रहण समारोह के लिए काम कर रहे हैं। वैक्यूम तकनीक का इस्तेमाल निगम प्रशासन की ओर से कहा गया कि प्रशासन की ओर से अगर कोई विशेष निर्देश आते हैं तो फिर उस अनुसार काम किया जाएगा। वहीं, पिंक टॉयलेट को भी तैयार किया गया है, अगर प्रशासन की ओर से इसके डिमांड की जाती है तो इसे भी लोक भवन के पास तैनात किया जाएगा।

सम्राट का राजतिलक: नीतीश की विरासत और कांटों भरे ताज के बीच बिहार का नया भविष्य

पटना (एजेंसी) बिहार की सत्ता अब सम्राट चौधरी के हाथ में है. एनडीए विधायक दल की बैठक में नीतीश कुमार ने खुद उन्हें अपना उत्तराधिकारी घोषित किया और अब वह राज्य के नए मुख्यमंत्री बन चुके हैं. लेकिन यह सफर जितना ऐतिहासिक है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी. सवाल यह है कि क्या सम्राट इस कांटों के ताज को संभाल पाएंगे? बिहार की राजनीति में एक नए युग का सूत्रपात हो चुका है. सम्राट चौधरी अब सूबे के मुख्यमंत्री की कमान संभाल चुके हैं, लेकिन सत्ता के इस शीर्ष तक पहुंचने का रास्ता जितना रोमांचक था, आगे का सफर उतना ही पथरीला नजर आता है. नीतीश कुमार ने भले ही उन्हें अपना उत्तराधिकारी मानकर एनडीए की कमान सौंप दी हो, लेकिन 20 साल तक सुशासन बाबू की छवि के साथ राज करने वाले नीतीश की जगह लेना किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है. भ्रष्टाचार का दीमक बिहार में भ्रष्टाचार एक ऐसी समस्या रही है जो सरकारें बदलने के बावजूद जड़ें जमाए बैठी है. हाल के दिनों में बड़े अधिकारियों पर हुई छापेमारी इसका प्रमाण है. सम्राट चौधरी के लिए चुनौती यह है कि वे भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति को केवल कागजों तक सीमित न रखें. सम्राट चौधरी ट्रांसपेरेंसी और उरफफंड के सही इस्तेमाल पर जोर देते हैं. उन्हें एक ऐसा नया मैकेनिज्म तैयार करना होगा जिससे सरकारी दफ्तरों में आम आदमी का काम बिना सुविधा शुल्क के हो सके. कानून-व्यवस्था नीतीश ने 2005 में सुशासन के नाम पर अपराध कम किया था, लेकिन आखिरी 5-6 साल में क्राइम ग्राफ फिर बढ़ गया. चिराग पासवान ने भी कहा था कि कानून-व्यवस्था पूरी तरह ढह गई है. हत्या, लूट, महिला अपराध की घटनाएं बढ़ीं. नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) की रिपोर्ट के मुताबिक, बिहार में 2025 में 2,556 हत्याएं हुईं, जो 2024 की तुलना में 8.3% कम थीं. जबकि महिला अपराध 2025 में 2,025 बलात्कार के मामले दर्ज किए गए. अब तक सम्राट चौधरी होम मिनिस्टर थे, पुलिस और आंतरिक सुरक्षा संभाल रहे थे. इखढ शासन में जीरो टॉलरेंस नीति लाने की संभावना ज्यादा है. अगर सुधरा तो महिलाओं और आम आदमी को राहत मिलेगी और निवेश आएगा. नहीं सुधरा तो NDA की विकास वाली छवि खराब होगी और विपक्ष (RJD) हमला करेगा. शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की खराब गुणवत्ता बिहार में स्कूल-कॉलेज और अस्पताल भवन तो बने, लेकिन टीचर-डॉक्टर की कमी और यूनिवर्सिटीज खस्ताहाल रहीं. पटना मेडिकल कॉलेज जैसी पुरानी संस्थाएं टॉप पर नहीं रहीं. लड़कियों की साइकिल योजना सफल रही, लेकिन उच्च शिक्षा और अच्छे डॉक्टर नहीं मिले. NDA में केंद्र से फंड और नीति सपोर्ट मिलेगा. वे बड़े प्रोजेक्ट्स की मॉनिटरिंग करते रहे हैं. गुणवत्ता सुधरी तो बिहार का ह्यूमन कैपिटल मजबूत होगा और युवा बाहर नहीं जाएंगे. नहीं सुधरा तो अगले चुनाव में झूठे वादे का आरोप लगेगा. विवादों का साया सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनते ही उनके अतीत के विवाद एक बार फिर चर्चा के केंद्र में आ गए हैं. लालू-राबड़ी सरकार के दौरान कम उम्र में मंत्री बनने का मामला हो या उनकी शैक्षणिक डिग्रियों पर उठते सवाल, राष्ट्रीय जनता दल (RJD) ने उनके खिलाफ घेराबंदी तेज कर दी है

बिहार में फिर चालू हो शराब, सम्राट चौधरी के सीएम बनते ही अनंत सिंह की मांग

पटना (एजेंसी) बिहार में सम्राट चौधरी के नए मुख्यमंत्री चुने जाने के बाद जदयू विधायक अनंत सिंह ने उन्हें बधाई दी और शराबबंदी खत्म करने की मांग उठाई. उन्होंने कहा कि शराब बंद होने से दूसरे नशे बढ़ गए हैं. मोकामा से जदयू विधायक अनंत सिंह ने बिहार के नए मुख्यमंत्री चुने गए सम्राट चौधरी को बधाई दी है. उन्होंने राज्य में शराबबंदी खत्म करने की मांग उठाई है. उनका कहना है कि बिहार में शराबबंदी के कारण दूसरे तरह के नशे तेजी से बढ़ गए हैं. यह समाज के लिए ज्यादा नुकसानदायक साबित हो रहा है. मंगलवार को बिहार विधान मंडल परिसर के बाहर मीडिया से बात करते हुए अनंत सिंह ने कहा कि बिहार में शराब फिर से शुरू होनी चाहिए. उन्होंने साफ कहा कि वह इस मुद्दे पर नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से बात करेंगे. नीतीश कुमार की तारीफ में क्या बोले अनंत सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर भी बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि भले ही नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद छोड़ दिया हो, लेकिन बिहार के असली मालिक वही रहेंगे. अनंत सिंह मंगलवार को एनडीए विधायक दल की बैठक में भी शामिल हुए थे. इसी बैठक में सम्राट चौधरी को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया. इसके बाद यह तय हो गया कि वही बिहार के अगले मुख्यमंत्री होंगे. निशांत डिप्टी सीएम बनते तो सही रहता- सिंह मीडिया से बातचीत के दौरान अनंत सिंह ने यह भी दावा किया कि जदयू की ओर से नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार डिप्टी सीएम बनाए जा सकते हैं. उन्होंने कहा कि अगर निशांत कुमार उपमुख्यमंत्री बनते हैं तो उन्हें बहुत खुशी होगी. अब तक इस नाम पर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है. नई सरकार के गठन के बीच अनंत सिंह ने खुद मंत्री बनने की संभावना से इनकार किया. उन्होंने कहा कि उनकी ऐसी कोई इच्छा नहीं है. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें कल नई सरकार का शपथ ग्रहण बुधवार को बिहार में एनडीए की नई सरकार का शपथ ग्रहण होना है.

मिट्टी, मेहनत और नई सोच का पर्व है बैसाखी : अनिल अग्रवाल

पटना (एजेंसी) वेदांता समूह ने बैसाखी के अवसर पर भारतीय संस्कृति, कृषि और युवाओं की बदलती सोच को लेकर भावनात्मक संदेश साझा किया है। वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने अपने एक्स हैंडल पर बैसाखी को मिट्टी, मेहनत और नई सोच का पर्व बताते हुए इसे भारतीयता की गहरी पहचान से जोड़ा है। उन्होंने लिखा है कि भारत अपने त्योहारों के जितना ही खूबसूरत है और वैशाख में आने वाला बैसाखी का पर्व मिट्टी की खुशबू से भरा हुआ लगता है। बैसाखी का नाम आते ही पंजाब के दूर-दूर तक फैले लहराते खेत आंखों के सामने आ जाते हैं, जहां धरती मां की उर्वर गोद अन्नपूर्णा बनकर सभी का पेट भरती हैं। अनिल अग्रवाल ने कहा कि पंजाब और उत्तर भारत में जहां फसल का त्योहार बैसाखी के रूप में मनाया जाता है, वहीं असम में रोंगाली बिहू, केरल में विषु और बंगाल में पोहेला बोइशाख के रूप में मनाया जाता है। अलग-अलग रंग और परंपराओं के बावजूद इन सभी त्योहारों का मूल भाव अन्न और अन्नदाता का सम्मान है। उन्होंने कहा कि बैसाखी जीवन के लिए भी गहरा संदेश देती है। हमारे पूर्वजों ने जो सीख दी- ह्लजैसा बोओगे, वैसा काटोगेह्व वही इस पर्व की आत्मा है। एक छोटे से बीज में छिपी अपार शक्ति का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि मिट्टी में बोया गया बीज पूरी फसल का आधार बनता है। अनिल अग्रवाल ने युवाओं की भूमिका पर विशेष जोर दिया। कहा कि आज के युवा खेती को नई दिशा दे रहे हैं। इंजीनियरिंग, एमबीए और कॉरपोरेट नौकरियां छोड़कर युवा खेती से जुड़ रहे हैं और इसे आधुनिक बना रहे हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि बैसाखी की असली भावना सही सोच के बीज बोने की है। यदि आज सही विचार बोए जाएं तो भविष्य में सुनहरी फसल निश्चित है।

बिहार की राजनीति में पावर स्टार की एंट्री, पवन सिंह ने सम्राट चौधरी को दी बधाई

पटना (एजेंसी) भोजपुरी स्टार पवन सिंह ने सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी है. उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में बिहार आगे बढ़ेगा. इस पोस्ट के बाद राजनीति में उनकी भूमिका को लेकर चर्चा तेज हो गई है. : पवन सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्न पर सम्राट चौधरी को बधाई दी. उन्होंने हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिखा कि उनके नेतृत्व में बिहार नई ऊंचाइयों को छुए. उन्होंने सम्राट चौधरी के समर्पण और नेतृत्व को प्रेरणादायक बताया और राज्य को नई दिशा देने की कामना की. पवन सिंह के इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई. उनके प्रशंसक और समर्थक इसे नए मुख्यमंत्री के प्रति उनके समर्थन के रूप में देख रहे हैं. कई लोग इसे उनके राजनीतिक झुकाव का संकेत भी मान रहे हैं. चुनाव में निभा चुके हैं अहम भूमिका बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान पवन सिंह काफी एक्टिव नजर आए थे. उन्होंने एनडीए के पक्ष में प्रचार किया और करीब 40 से ज्यादा सीटों पर सभाएं कीं. माना जाता है कि उनके प्रचार से कई जगहों पर माहौल बनाने में मदद मिली. वहीं चुनाव प्रचार के समय पवन सिंह का एक गाना ह्यजोड़ी मोदी और नीतीश जी के हिट होईह्न खूब वायरल हुआ था. राज्यसभा जाने की भी थी चर्चा हाल ही में राज्यसभा चुनाव के समय यह चर्चा तेज थी कि भाजपा पवन सिंह को राज्यसभा भेज सकती है. कई सेलेब्रिटी ने भी उनके समर्थन में आवाज उठाई थी, लेकिन उम्मीदवारों की सूची में उनका नाम शामिल नहीं हुआ. राजनीति में भविष्य को लेकर नजरें टिकीं अब एक बार फिर उनके इस ताजा बयान के बाद यह सवाल उठने लगा है कि पवन सिंह को राजनीति में कब और क्या भूमिका मिलेगी. उनके प्रशंसक भी चाहते हैं कि वे एक्टिव पॉलिटिक्स में आएं और बड़ी जिम्मेदारी संभालें. बेबाक और आक्रामक अंदाज के लिए जाने जाते हैं
सम्राट सम्राट चौधरी अपने बेबाक और आक्रामक अंदाज के लिए जाने जाते हैं. उन्होंने एक समय नीतीश कुमार को सत्ता से हटाने के लिए प्रतीकात्मक तौर पर मुरेठा बांध लिया था. बाद में एनडीए सरकार बनने के बाद अयोध्या में मुंडन कर उन्होंने इसे उतार दिया, जो उनके राजनीतिक संदेश का हिस्सा बना.

सम्राट चौधरी का शपथ ग्रहण आज, घर से निकलने से पहले जान लें ट्रैफिक का हाल

पटना (एजेंसी) पटना में आज ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह बदलने वाली है. नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर प्रशासन ने सख्त इंतजाम किए हैं. बिहार लोक भवन के आसपास के कई प्रमुख मार्गों को सुबह 7 बजे से बंद कर दिया जाएगा, जिससे आम लोगों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है. बिहार की राजनीति में आज एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है. सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं और इस भव्य समारोह का गवाह बनेगा पटना का बिहार लोक भवन. बुधवार की सुबह से ही राजधानी में हलचल तेज है. में और बीपी मंडल गोलंबर से पश्चिम दिशा में भी वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा. इन मार्गों पर सिर्फ वीआईपी, आमंत्रित अतिथि और मीडिया के वाहनों को ही अनुमति दी जाएगी. 700 से ज्यादा पुलिसकर्मी, हर मोड़ पर सख्ती शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं. 700 से अधिक पुलिस पदाधिकारी और जवान पूरे इलाके में तैनात रहेंगे. हर प्रमुख चौराहे और सड़क पर बैरिकेडिंग की गई है और बिना जांच के किसी भी वाहन को आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी. एक अणे मार्ग,घर से निकलने से पहले जान लें ये बात ट्रैफिक पुलिस ने साफ अपील की है कि आम लोग इन प्रतिबंधित रास्तों से बचें और वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करें. खासतौर पर ऑफिस जाने वाले और स्कूल-कॉलेज के छात्रों को समय से पहले निकलने की सलाह दी गई है, ताकि जाम से बचा जा सके.दोपहर तक कई इलाकों में ट्रैफिक का दबाव बढ़ सकता है, इसलिए पटनावासियों को अपनी यात्रा की योजना पहले से बनानी होगी. शपथ ग्रहण समारोह को लेकर राजधानी में हाई अलर्ट जारी है. पुलिस और ट्रैफिक टीम हर गतिविधि पर नजर रख रही है. भाजपा कार्यालय और अन्य प्रमुख स्थानों पर भी अतिरिक्त बलों की तैनाती की गई है. यह पूरा इंतजाम यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया है

बिहार में 40 डिग्री के करीब पहुंचा पारा, 18 अप्रैल से लू का अलर्ट जारी

पटना (एजेंसी) बिहार में अप्रैल के बीच ही मौसम ने डराना शुरू कर दिया है. तेज धूप, शुष्क हवाएं और बढ़ता तापमान लोगों की परेशानी बढ़ा रहा है. मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में गर्मी और विकराल रूप ले सकती है, जिससे आम जनजीवन पर सीधा असर पड़ेगा. बिहार में अप्रैल के महीने ने ही जून जैसी तपन का एहसास कराना शुरू कर दिया है. सूरज के तीखे तेवरों ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है, पारा अब 40 डिग्री सेल्सियस के आंकड़े को छूने को बेताब है. पिछले कुछ दिनों से चल रही शुष्क पछुआ हवाओं ने राज्य के अधिकांश हिस्सों को भट्ठी की तरह तपा दिया है. पटना समेत दक्षिण बिहार के जिलों में दोपहर होते ही सड़कें सूनी होने लगी हैं और लोग घरों में दुबकने को मजबूर हैं. भभुआ सबसे गर्म, 40 डिग्री के करीब पहुंचा तापमान राज्य में गर्मी का सबसे ज्यादा असर भभुआ में देखने को मिला, जहां तापमान 39.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया. यह इस सीजन का अब तक का सबसे अधिक तापमान है. जीरादेई में न्यूनतम तापमान 16.4 डिग्री दर्ज किया गया, दिन और रात के तापमान में बड़ा अंतर बना हुआ है. पछुआ हवाओं के कारण गर्मी का असर और तीखा महसूस हो रहा है. अगले 4 दिन और मुश्किल, पारा चढ़ेगा 3 डिग्री तक भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि अगले 3-4 दिनों में तापमान 1 से 3 डिग्री तक और बढ़ सकता है. 16 अप्रैल तक बारिश की कोई संभावना नहीं है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद कम है. लगातार बढ़ती गर्मी के कारण दोपहर के समय हालात लू जैसे हो रहे हैं. मौसम विभाग के अनुसार 17 अप्रैल को सीमांचल के कुछ जिलों में हल्की बारिश हो सकती है. अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार में कहीं-कहीं बूंदाबांदी के आसार हैं. यह राहत बहुत सीमित होगी और पूरे राज्य में इसका असर देखने को नहीं मिलेगा. 18 अप्रैल से इन जिलों में ज्यादा खतरा 18 अप्रैल से दक्षिण और मध्य बिहार के कई जिलों में लू का असर तेज हो जाएगा. पटना, गया, बक्सर, रोहतास और औरंगाबाद समेत कई इलाकों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है. इन क्षेत्रों में तापमान 40 डिग्री से ऊपर जा सकता है, जिससे हीट स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ेगा.

सम्राट के राजतिलक पर तेजस्वी का 'शब्द-बाण': प्रतिज्ञा पूरी हुई, बधाई हो 'Selected' मुख्यमंत्री

पटना (एजेंसी) बिहार की राजनीति में आज जहां एक तरफ जश्न का माहौल है, वहीं दूसरी तरफ शब्दों के बाणों ने सियासी तपिश बढ़ा दी है. सम्राट चौधरी के बिहार के 24वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेते ही विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव का सोसल मीडिया पोस्ट सामने आया है. तेजस्वी ने सम्राट चौधरी को बधाई तो दी, लेकिन उनके बधाई संदेश में शुभकामनाओं से ज्यादा कटाक्ष और बिहार की बदहाली का लंबा लेखा-जोखा नजर आया. तेजस्वी ने ए'ॉइर्ी बनाम री'ॉइर्ी का नैरेटिव सेट करते हुए नई सरकार पर हमला बोला है. प्रतिज्ञा पूरी हुई तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्न पर सम्राट चौधरी को उनकी उस पुरानी प्रतिज्ञा की याद दिलाई, जिसमें उन्होंने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटाने की कसम खाई थी. तेजस्वी ने तंज कसते हुए लिखा, ए'ॉइर्ी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी को गद्दी से उतारने की अपनी प्रतिज्ञा पूर्ण करने पर बधाई. उन्होंने सम्राट चौधरी को री'ॉइर्ी मुख्यमंत्री संबोधित करते हुए यह संदेश देने की कोशिश की कि यह जनादेश की नहीं, बल्कि जोड़-तोड़ की सरकार है. तेजस्वी का यह हमला सीधे तौर पर सम्राट चौधरी की उस राजनीतिक छवि पर प्रहार है, जो उन्होंने नीतीश विरोध के सहारे खड़ी की थी. नीति आयोग की रिपोर्ट और 21 साल का हिसाब बधाई के साथ ही तेजस्वी यादव ने विकास के दावों की पोल खोलने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी. उन्होंने नए मुख्यमंत्री को याद दिलाया कि 21 वर्षों के एनडीए शासन के बावजूद बिहार आज भी नीति आयोग के मानकों पर राष्ट्रीय औसत से काफी पीछे है. तेजस्वी ने शिक्षा, स्वास्थ्य, ध्वस्त विधि व्यवस्था, पलायन और बेरोजगारी जैसे गंभीर मुद्दों को उठाते हुए सम्राट चौधरी के सामने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा कर दिया. उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि बिहार की आय, निवेश और मानव विकास के संकेतक आज भी राज्य की दयनीय स्थिति को बयां कर रहे हैं. बाहरियों का निर्देश और बिहारियों का स्वाभिमान तेजस्वी यादव के हमले यहीं नहीं रुके, उन्होंने सम्राट चौधरी को नसीहत देते हुए कहा कि उम्मीद है कि नए मुख्यमंत्री बाहरियों के दिशा-निर्देशों के आगे बिहार के स्वाभिमान को गिरवी नहीं रखेंगे. उनका इशारा स्पष्ट रूप से दिल्ली के हस्तक्षेप की ओर था. तेजस्वी ने सम्राट चौधरी के समाजवादी मूल को याद दिलाते हुए उन्हें संकल्पित होकर काम करने की सलाह दी. अब देखना यह है कि तेजस्वी के इन गंभीर सवालों और री'ॉइर्ी मुख्यमंत्री वाले तंज का सम्राट चौधरी अपने काम और कड़े फैसलों से क्या जवाब देते हैं.

अप्रैल में फैमिली के साथ इन शानदार जगहों को बनाएं डेस्टिनेशन पॉइंट, हर पल रहेगा यादगार

अप्रैल साल का एक ऐसा महीना होता है, जब देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी में फैमिली के साथ ठंडी-ठंडी जगहों पर पहुंच सकते हैं।

हर कोई परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताना चाहता है। इसलिए जब भी लोगों को समय मिलता है, तो वह अपने परिवार के साथ पसंदीदा जगहों पर पहुंच जाते हैं। अप्रैल के महीने में कई लोग अपने परिवार के साथ घूमने-फिरने के लिए निकलते हैं। अप्रैल साल का एक ऐसा महीना होता है, जब देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ती है। गर्मी के कारण लोग फैमिली के साथ ठंडी-ठंडी जगहों पर मौज-मस्ती का प्लान बनाते हैं। लेकिन लोग सही जगह का चुनाव नहीं कर पाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी में फैमिली के साथ ठंडी-ठंडी जगहों पर पहुंच सकते हैं।

मैक्लॉडगंज

अगर आप अप्रैल के महीने में हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में फैमिली संग घूमने का प्लान कर रहे हैं, तो मैक्लॉडगंज आपके लिए परफेक्ट जगह है। यह हिमाचल प्रदेश का एक खूबसूरत और फेमस हिल स्टेशन है। जोकि धर्मशाला से करीब 5 किमी दूर है।

अप्रैल में मैक्लॉडगंज का मौसम सुहावना रहता है। इस दौरान आप अपने परिवार के साथ यहां पर यादगार पल बिता सकते हैं। आप मैक्लॉडगंज में फैमिली के साथ सेंट जॉन चर्च, नड्डी व्यू पॉइंट, भागसूनाग वाटरफॉल और डल झील जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं।

बेताब वैली

जब भी जम्मू-कश्मीर में घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले गुलमर्ग, श्रीनगर या फिर सोनमर्ग का नाम लेते हैं। लेकिन आप इन सभी से हसीन बेताब वैली को एक्सप्लोर कर सकते हैं। यह वैली जम्मू-कश्मीर का वह छिपा हुआ खजाना है, जिसकी खूबसूरती देखकर आप खुशी से झूम उठेंगे।

बेताब वैली में घास के मैदान, शांत और शुद्ध वातावरण और झील झरने इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। वहीं बॉलीवुड की कई फिल्मों की यहां पर शूटिंग हो चुकी है। अप्रैल के महीने में यहां का तापमान एकदम सुहावना रहता है।

झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता का एक अद्भुत उदाहरण है दशम जलप्रपात

दशम जलप्रपात लगभग 44 मीटर (144 फीट) की ऊँचाई से गिरता है, जिससे यह झारखंड के प्रमुख जलप्रपातों में शामिल है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और झरने की गूंज पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 34 किलोमीटर दूर, तैमारा गाँव के समीप स्थित दशम जलप्रपात (Dassam Falls), राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह जलप्रपात कांची नदी पर स्थित है, जो सुवर्णरेखा नदी की एक सहायक नदी है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और झरने की गूंज पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

जलप्रपात की विशेषताएँ

ऊँचाई : दशम जलप्रपात लगभग 44 मीटर (144 फीट) की ऊँचाई से गिरता है, जिससे यह झारखंड के प्रमुख जलप्रपातों में शामिल है।

नाम की उत्पत्ति : स्थानीय मुंडारी भाषा में फ्दाशोंगफ् का अर्थ होता है पानी का गिरना। समय के साथ यह शब्द दशम में परिवर्तित हो गया।

प्राकृतिक संरचना : यह जलप्रपात एक निक पॉइंट का उदाहरण है, जहाँ नदी की ढलान में अचानक परिवर्तन होता है, जिससे जलप्रपात का निर्माण होता है।

दृश्य सौंदर्य : जलप्रपात के चारों ओर घने जंगल और चट्टानी क्षेत्र हैं, जो इसे पिकनिक और फोटोग्राफी के लिए आदर्श स्थान बनाते हैं।

कैसे पहुँचें

सड़क मार्ग : रांची से दशम जलप्रपात तक पहुँचने के लिए NH-33 (अब NH-18) का उपयोग किया जा सकता है। अंतिम 10 किलोमीटर की यात्रा गाँव की सड़कों से होती है, जो संकरी लेकिन ड्राइविंग के लिए उपयुक्त हैं।

रेल मार्ग : निकटतम रेलवे स्टेशन रांची है, जहाँ से टैक्सी या बस के माध्यम से जलप्रपात तक पहुँचा जा सकता है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मानसून (जुलाई से सितंबर)- इस अवधि में जलप्रपात अपने पूर्ण प्रवाह में होता है, लेकिन भारी वर्षा के कारण फिसलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

शीतकाल (अक्टूबर से फरवरी) : इस समय मौसम सुखद होता है और भीड़ भी कम होती है, जिससे यात्रा अधिक आनंददायक होती है।

सुरक्षा सुझाव

जलप्रपात के नीचे तैराकी या स्नान से बचें, क्योंकि यहाँ की जलधारा तेज होती है और कई दुर्घटनाएँ हो चुकी हैं।

फिसलन से बचने के लिए उपयुक्त जूते पहनें और बच्चों पर विशेष ध्यान दें।

अपने साथ पानी और हल्का नाश्ता रखें, क्योंकि आसपास सीमित सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

अतिरिक्त जानकारी

प्रवेश शुल्क : नि :शुल्क

पार्किंग : पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है, जहाँ 30 का शुल्क लिया जाता है।

सीढ़ियाँ : जलप्रपात के तल तक पहुँचने के लिए लगभग 300 सीढ़ियाँ उतरनी पड़ती हैं, जो अच्छी तरह से निर्मित हैं।

दशम जलप्रपात, झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता का एक अद्भुत उदाहरण है। यह स्थान न केवल प्रकृति प्रेमियों के लिए, बल्कि फोटोग्राफरों और शांत वातावरण की तलाश करने वालों के लिए भी एक आदर्श गंतव्य है। यदि आप झारखंड की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो दशम जलप्रपात को अपनी सूची में अवश्य शामिल करें।

केरल के मुनरो आइलैंड की खूबसूरती देखकर झूम उठेंगे आप, प्रकृति प्रेमियों के लिए है जन्नत

जब भी केरल घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार, वायनाड, वागामों और त्रिशूर जैसी फेमस जगहों पर जाना चाहते हैं। लेकिन मुनरो द्वीप के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है।

दक्षिण भारत में जब किसी खूबसूरत राज्य में घूमने की बात होती है, तो बहुत सारे लोग केरल का नाम सबसे पहले लेते हैं। केरल दक्षिण भारत का पर्यटन हब माना जाता है। केरल की खूबसूरती हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। यहां पर स्थित लैगून और बैकवॉटर देखने के लिए लोग केरल पहुंचते हैं। जब भी केरल घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार, वायनाड, वागामों और त्रिशूर जैसी फेमस जगहों पर जाना चाहते हैं। लेकिन मुनरो द्वीप के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मुनरो द्वीप की खूबसूरती, खासियत और यहां पर मौजूद कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनरो द्वीप

केरल के कोल्लम जिले में स्थित मुनरो द्वीप एक अद्भुत और अनोखी जगह है। यह कोल्लम शहर के कुछ किमी की दूरी है। इस द्वीप को कई लोग मुंद्रोथुरुथु के नाम से भी जानते हैं।

केरल में अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर यह द्वीप स्थित है। मुनरो द्वीप राजधानी तिरुवनंतपुरम से करीब 90 किमी की दूरी पर है। यह द्वीप एलेप्पी से करीब 87 किमी दूर और कोट्टयम से महज 84 किमी दूर है।

मुनरो द्वीप का इतिहास

मुनरो द्वीप का इतिहास काफी रोचक है। इस आइलैंड के बारे में बताया जाता है कि इसका नाम पूर्व ब्रिटिश निवासी कर्नल मुनरो के नाम पर रखा गया है। बताया जाता है कि जब कर्नल मुनरो ने देखा कि सिंचाई के लिए आसपास के इलाकों में बहुत समस्या हो रही है, तब इस द्वीप का निर्माण करवाया गया था।

मुनरो द्वीप की खासियत

केरल के साथ-साथ दक्षिण भारत का भी यह एक ऐसा आइलैंड है, जो नदी और झील के किनारे स्थित है। मुनरो द्वीप अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर स्थित है। जोकि अपने आप में अनोखा है।

इस द्वीप के बारे में कहा जाता है कि यह केरल का छिपा हुआ मोती है, जो करीब 8 द्वीपों से बना हुआ है। यहां पर स्थित बैकवाटर और लैगून पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

सैलानियों के लिए है खास

मुनरो द्वीप अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है और यहां पर हर दिन हजारों की संख्या में पर्यटक आते हैं। खासकर जो सैलानी बैकवाटर और लैगून से प्रेम करते हैं, उनके लिए मुनरो द्वीप किसी स्वर्ग से कम नहीं है। वहीं प्रकृति प्रेमियों के लिए भी यह खास जगह है।

मुनरो द्वीर अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर कई पर्यटक बोटिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। मानसून में इस द्वीप की खूबसूरती चरम पर होती है।

आसपास घूमने की जगहें

मुनरो द्वीप के आसपास कई शानदार और मनमोहक जगहें हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। आप यहां पर अष्टमुडी झील, वेस्ट एंड ईस्ट कल्लाडा और थेवलक्करा गांव को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कैसे पहुंचे मुनरो द्वीप

बता दें कि मुनरो द्वीप पहुंचना आसान है। इसके पास में कोल्लम रेलवे स्टेशन है, जोकि यहां से 27 किमी दूर है। वहीं अगर आप हवाई मार्ग से जाना चाहते हैं, तो यहां पर सबसे पास त्रिवेंद्रम एयरपोर्ट जोकि 80 किमी दूर है। ऐसे में आप एयरपोर्ट से कैब या टैक्सी करके मुनरो द्वीप जा सकते हैं।

महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना है कोयनानगर, मानसून में यहां घूमना है जन्नत के बराबर

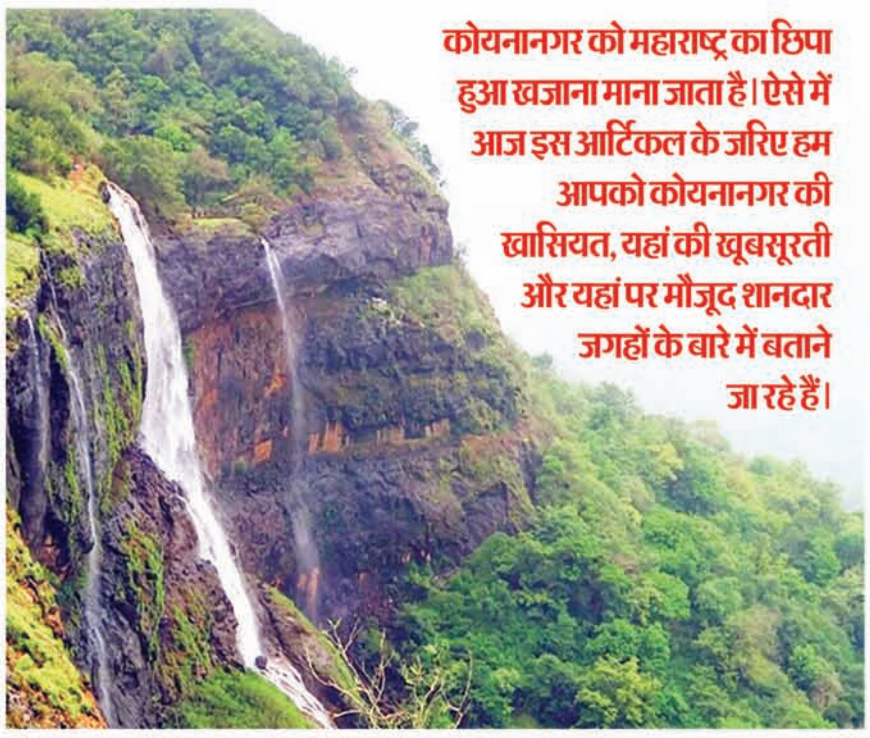

कोयनानगर को महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कोयनानगर की खासियत, यहां की खूबसूरती और यहां पर मौजूद शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

देश के पश्चिमी भाग में स्थित महाराष्ट्र एक प्रमुख राज्य होने के साथ ही खूबसूरती के लिए भी जाना जाता है। यह एक ओर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ तो दूसरी ओर अरब सागर से घिरा है। महाराष्ट्र अपनी खूबसूरती के कारण पर्यटकों के अपनी ओर आकर्षित करता है। महाराष्ट्र में कई ऐसी हसीन, ऐतिहासिक और शानदार जगहें मौजूद हैं, जहां पर घूमने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से लेकर लोनावाला, खंडाला और माथेरान जैसी जगहों के बारे में तो हर कोई जानता है, लेकिन यहां पर स्थित कोयनानगर के बारे में कम लोग जानते हैं। इस जगह को महाराष्ट्र का छिरा हुआ खजाना माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कोयनानगर की खासियत, यहां की खूबसूरती और यहां पर मौजूद शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में कोयनानगर

कोयनानगर महाराष्ट्र के सतारा जिले में स्थित है। सतारा जिला खूबसूरत पहाड़ और झील-झरनों के लिए जाना जाता है। वहीं कोयनानगर को कोयना के नाम से भी जाना जाता है।

सतारा जिले में कोयना नदी के किनारे कोयनानगर है। यह सतारा शहर से कुछ ही दूरी पर बसा है। कोयनानगर महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से करीब 294 किमी दूर है। पूणे से 190 किमी और सांगली से 130 किमी दूर है।

कोयनानगर की खासियत

कोयनानगर चिपलून-सांगली राजमार्ग पर स्थित है और यह कई चीजों के लिए फेमस माना जाता है। कोयनानगर में स्थित कोयना बांधा भारत की सबसे बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं में से एक माना जाता है।

कोयना बांध के पीछे स्थित शिवसागर जलाशय भी कोयनानगर को खास बनाने का काम करता है। यह जगह सतारा जिले के साथ ही पूरे महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। यहां पर आप एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं।

कोयनानगर की खूबसूरती

बता दें कि कोयनानगर को खूबसूरती का खजाना माना जाता है। यह जगह शहर की भीड़-भाड़ से दूर अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए भी जाना जाता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह स्वर्ग से कम नहीं है। कोयनानगर की हरियाली यहां की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती है।

यहां पर क्रिस्टल क्लियर झील, ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और घने जंगल देखने को मिलेंगे। वहीं वीकेंड पर कई पर्यटक यहां पर पिकनिक मनाने पहुंचते हैं। वहीं मानसून में कोयनानगर की खूबसूरती देखने लायक होती है।

कोयनानगर में घूमने की जगहें

कोयनानगर में कई शानदार और बेहतरीन जगहें हैं, जहां पर घूमने के बाद आप महाराष्ट्र की फेमस जगहों को भूल जाएंगे। यहां पर कोयना डैम, कोयना नदी, नेहरु गार्डन और कोयनानगर वाइल्ड लाइफ सेंचुरी आदि खूबसूरत जगहें मौजूद हैं।

कोयनानगर के आसपास कामरगांव, हूंबर्ली, वजेगांव, ओजार्डे वॉटरफॉल और कोयना बैकवाटर व्यू पॉइंट जैसी जगहों को घूम सकते हैं।

कैसे पहुंचे कोयनानगर

यहां पर पहुंचना बहुत आसान है, कोयनानगर का सबसे नजदीकी एयरपोर्ट पुणे है। जोकि करीब 192 किमी दूर है। वहीं कोयनानगर का नजदीकी रेलवे स्टेशन चिपलून है जो 42 किमी दूर है। पुणे से चिपलून के लिए लोकल ट्रेन आदि चलती हैं और यह शानदार जगह चिपलून-सांगली राजमार्ग पर स्थित है।

गौतम गंभीर को हटाया तो.., मुनाफ पटेल ने दी कड़ी चेतावनी, रोहित-कोहली को लेकर भी कही बड़ी बात

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर अपने गंभीर स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। उनकी कोचिंग में टीम इंडिया ने कई नई उपलब्धियों को छुआ है। लेकिन कुछ रिपोर्ट के अनुसार गंभीर ने बीसीसीआई से अपने कार्यकाल को 2028 के टी20 वर्ल्ड कप तक बढ़ाने की मांग की है। फिलहाल उनका कॉन्ट्रैक्ट साल 2027 के वनडे वर्ल्ड कप तक ही सीमित है। इसी बीच कुछ ऐसी भी खबरें आ रही हैं कि बोर्ड उन्हें हटा सकता है। जिस पर पूर्व क्रिकेटर मुनाफ पटेल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

टीओआई से बातचीत में भारत के पूर्व क्रिकेटर मुनाफ पटेल ने गंभीर का जोरदार समर्थन किया और चेतावनी दी कि उन्हें हटाने से अफरा-तफरी मच सकती है। उन्होंने कहा है कि गंभीर शायद ड्रेसिंग रूम में एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जो सच को सच कहने की हिम्मत रखते हैं। अगर किसी बड़े से बड़े खिलाड़ी का प्रदर्शन गिरता है, तो उसे टीम से बाहर करने का भी उनमें साहस है। बस ये याद रखना अगर गौतम गंभीर जैसे हेड कोच को हटा दिया जाता है तो खिलाड़ियों को संभालना बहुत मुश्किल हो जाएगा। वह एक सच्चे इंसान हैं, वह सच को सच कहते हैं और बहुत से लोगों को ये पसंद नहीं आता। हर कोई जानता है कि अगर चीजें पटरी से उतर जाती हैं तो उनमें उस खिलाड़ी को टीम से बाहर करने की हिम्मत है।

ऑस्ट्रेलिया के खराब दौरे के बाद रोहित और कोहली दोनों ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया तो दोनों और गंभीर के बीच तनाव की खबरें सामने आई। 2025 में वनडे सेटअप में भी कुछ ठीक नहीं था जब इस फॉर्मेट में उनकी वापसी के समय गंभीर और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने 2027 वर्ल्ड कप की योजनाओं में उनकी जगह की पुष्टि करने से परहेज किया।

मुनाफ ने कहा कि खिलाड़ियों को संभालना सबसे जरूरी चीज है और ये आसान नहीं है। विराट कोहली जैसे किसी खिलाड़ी को ना कहकर देखो। रोहित शर्मा को ना कहकर देखो। मुझे बताओ देश को कोचिंग देने के लिए गंभीर कितने लोगों को अपना दुश्मन बना रहे हैं? इन सब बातों के बावजूद, गंभीर ने एक व्हाइट-बॉल कोच के तौर पर बेहतरीन काम किया है और भारत को 2025 चैंपियंस ट्रॉफी और 2026 टी20 वर्ल्ड कप में खिताब दिलाए हैं।

दो बार के ओलंपिक और विश्व चैंपियन दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी ने लिया संन्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार के ओलंपिक और विश्व चैंपियन दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन ने बुधवार को संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि लगातार चोटिल होने के कारण उन्हें यह फैसला करना पड़ा। डेनमार्क का यह 32 वर्षीय खिलाड़ी पिछले साल अक्टूबर से पीठ की समस्या के कारण किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाया है। उन्होंने इसके लिए सर्जरी भी कराई लेकिन उनका दर्द अब भी बना हुआ है।

तीन बार के यूरोपीय चैंपियन एक्सेलसन ने 'बैडमिंटन यूरोप' से कहा, 'जैसा कि अधिकतर लोग जानते हैं कि मैं काफी समय से अपनी पीठ की समस्या से जूझ रहा हूं। पिछले साल अप्रैल में सर्जरी कराने और लंबे समय तक 'रिहैबिलिटेशन' से गुजरने के बाद दुर्भाग्य से अक्टूबर में यह दर्द फिर से उबर गया।' उन्होंने कहा, 'दर्द के कारण मैं खेल नहीं पा रहा हूं और अभ्यास भी नहीं कर पा रहा हूं। इस कारण मुझे यह बेहद मुश्किल फैसला लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।'

एक्सलसेन 183 सप्ताह तक विश्व में नंबर एक खिलाड़ी रहे हैं और वह इस मामले में तीसरे स्थान पर काबिज हैं। उन्होंने कहा कि दर्द कम न होने और डॉक्टरों का खेल जारी रखने पर एक और सर्जरी की चेतावनी दिए जाने के बाद आखिर में उन्हें अपने शरीर की बात सुननी पड़ी। मिलनसार स्वभाव का यह खिलाड़ी अपने पूरे करियर में अस्थमा से जूझता रहा है। उन्होंने तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में लगातार स्वर्ण पदक जीते तथा 2017 और 2022 विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल किया। वह यूरोपीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली डेनमार्क की छह टीमों का भी हिस्सा रहे।

उन्होंने कहा, 'मैंने यह फैसला चिकित्सकों से परामर्श करने के बाद लिया है। उनका कहना है कि मुझे अभी जो दर्द हो रहा है, उसके लिए शायद एक और सर्जरी करवानी पड़े। अगर सर्जरी सफल नहीं रही तो इससे भी गंभीर प्रक्रिया से गुजरना पड़ सकता है। मेरा शरीर मुझे रुकने का संकेत दे रहा है और मुझे अपने डॉक्टरों की सलाह माननी होगी।' एक्सलसेन अपना आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच अक्टूबर 2025 में डेनमार्क ओपन में खेला था।

धोनी का इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उपयोग करे सीएसके : मैक्लेनेघन

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर मिशेल मैक्लेनेघन ने कहा है कि महेन्द्र सिंह धोनी का फिट होना चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के लिए राहत की बात है पर उनका उपयोग सावधानी से करना होगा। मैक्लेनेघन ने कहा है कि धोनी को इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के तौर पर टीम में शामिल किया जाना चाहिये। जिससे उन्हें अधिक दौड़-भाग न करनी पड़े। धोनी ने नेट्स में बल्लेबाजी शुरु कर दी है। उन्होंने हालांकि थ्रोडाउन गेंदों का ही सामना किया। वह अभी पूरी रफ्तार से बल्लेबाजी नहीं कर रहे हैं।

मैक्लेनेघन ने कहा, अगर धोनी फिट हैं, तो सीएसके को उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर टीम में उतारना चाहिये। अगर टीम मैनेजमेंट को लगता है कि उन्हें धोनी से तेजी से कुछ रन चाहिए, खासकर जब वे लक्ष्य का पीछा कर रहे हों, तो उन्हें इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के तौर पर लाने से वे उनकी बल्लेबाजी क्षमता का सबसे बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलने का मतलब होगा कि उन्हें ज्यादा दौड़-भाग करने की जरूरत नहीं रहेगी। धोनी सीएसके के लिए इस सत्र में अबतक नहीं उतरे पाये हैं। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर वह कुछ ही ओवरों में मैच बदल सकते हैं। बड़े स्कोर का पीछा करते समय सीएसकेके लिए उनकी आक्रामक बल्लेबाजी क्षमता लाभप्रद रहेगी। इसलिए मेरा मानना है कि धोनी को फिर से लय में लाने का ये सबसे बेहतर तरीका है। इससे उनकी फिटनेस को लेकर भी कोई खतरा नहीं रहेगा।

आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के मैचों में हुआ बदलाव

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच होने वाले दो मैचों के कार्यक्रम में बदलाव किया है। गुजरात और सीएसके के बीच 26 अप्रैल को अहमदाबाद में होने वाला मैच अब इसी तारीख को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच दोपहर 3-30 बजे शुरू होगा।

वहीं सीएसकेके और गुजरात के बीच होने वाला दूसरा मैच जो 21 मई, 2026 की शाम को चेन्नई में खेला जाना है। उसे इसी दिन अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच शाम 7-30 बजे से शुरु होगा। दोनों ही मैचों के कार्यक्रम में केवल स्थलों में बदलाव किय गया है। तारीख वहीं रखी गयी है। इस बदलाव का कारण अहमदाबाद में होने वाले नगर निगम चुनाव हैं। आईपीएल में अब तक इन दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। दोनो ही टीमों की शुरुआत बहुत ही खराब हुई है। सीएसके को लगातार तीन मैचों में मिली हार के बाद दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पहली सफलता मिली. सीएसके के इस सीजन में चार मैचों में सिर्फ 2 अंक हैं। वहीं गुजरात टाइटंस भी खराब दौर से गुजर रही है। अपने डेब्यू सत्र में ही विजेतार रही गुजरात इस बार चार मैचों में सिर्फ 2 में जीत सकी है।

ग्रीन और रिंकू के खराब प्रदर्शन से हार रही केकेआर

चेन्नई। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में उतरी कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की हार का सिलसिला समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिल हार के साथ ही उसे एक और झटका लगा है। टीम अभी तक के अपने पांच में से चार मैच हारी है जबकि एक मैच बारिश के कारण नीं हो पाया है। टीम की इस हार का एक कारण कैमरन ग्रीन और उपकप्तान रिंकू सिंह जैसे स्टार खिलाड़ियों का खराब प्रदर्शन भी रहा है। अब तक के मैचों में इन दोनों के प्रदर्शन को देखा जाए तो ये दोनो ही टीम पर बोझ बने हुए हैं। ग्रीन और रिंकू सिंह जिस प्रकार के प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं, वह अब तक नहीं दिखा है। 25.20 करोड़ रुपये की कीमत में खरीदे गये ग्रीन अब तक बल्लेबाजी और और गेंदबाजी में विफल रहे हैं। वहीं रिंकू भी इस सत्र में विफल रहे हैं। ग्रीन अब तक खेले 5 मुकाबलों में कुल 56 रन ही बना पाये हैं, जबकि शुरुआती मुकाबलों में गेंदबाजी न करने के बाद पिछले दो मैचों में उन्होंने केवव एक ही विकेट लिया है। वहीं मध्य के ओवरों में उनसे आक्रामक पारी की उम्मीद रहती है। सीएसके के खिलाफ भी वह रन नहीं बना पाये थे। वहीं रिंकू को इस बार उपकप्तान बनाया गया पर वह अब तक अपने नाम के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। केवल मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ ही वह रन बन पाये। इसके बाद दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये।

न्यूजीलैंड ने पापुआ न्यू गिनी को 1-0 से हराकर महिला विश्व कप के लिए किया क्वालीफाई

ऑकलैंड। न्यूजीलेंड ने ओसियाना महासंघ क्वालीफाइंग सीरीज में बुधवार को यहां पापुआ न्यू गिनी (PNG) को 1-0 से हराकर ब्राजील में अगले महीने होने वाले महिला फुटबॉल विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। संडरलैंड की मिडफील्डर केटी किचिंग ने मैच का एकमात्र गोल 55वें मिनट में किया और न्यूजीलैंड को सातवीं बार महिला विश्व कप में जगह दिलाई। इस हार के बावजूद पीएनजी का अभियान खत्म नहीं हुआ है और टीम के पास नवंबर या दिसंबर में अंतरराष्ट्रीय विंडो (अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए निर्धारित समय) के दौरान अंतर महाद्वीपीय प्ले ऑफ के जरिए विश्व कप में जगह बनाने का मौका होगा। न्यूजीलैंड ने मैच के दौरान गोल करने के कई मौके गंवाए लेकिन अंतत:-टीम दूसरे हाफ में किचिंग के गोल की बदौलत जीत दर्ज करने में सफल रही।

प्रफुल्ल हिंगे ने आईपीएल डेब्यू में तीन विकेट झटक कर रचा इतिहास

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज प्रफुल्ल हिंगे सोमवार आईपीएल पर्दापण में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले ही ओवर में दो रन देकर तीन विकेट झटकर इतिहास रच दिया। वह आईपीएल में यह कारनामा करने वाले पहले गेंदबाज बन गये है। आज यहां खेले गये मुकाबले में प्रफुल हिंगे ने अपने आईपीएल करियर के पहले ही ओवर में तीन विकेट लेकर इतिहास रच दिया। इसके बाद अपने दूसरे ओवर में रियान पराग को आउटकर अपना चौथा विकेट लिया। प्रफुल हिंगे अपनी दूसरी ही गेंद पर युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बिना खाता खोले ही शिकार कर लिया। अगली 4 गेंदों के भीतर ही ध्रुव जुरेल और लुआन ड्री प्रिटोरियस भी आउट कर दिया। तीनों बल्लेबाजो को खाता भी नहीं खेल सके। प्रफुल हिंगे इतिहास में ऐसे पहले गेंदबाज हैं, जिन्होंने आईपीएल मैच की किसी पारी के पहले ही ओवर में 3 विकेट झटके है। वह पारी के पहले ओवर में 2 रन देकर तीन विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज हैं।

पीएसजी ने एंफील्ड में लिवरपूल को हराकर चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में बनाई जगह

लिवरपूल (एजेंसी)। पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एंफील्ड में लिवरपूल को 2-0 से हराकर यूएफा चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ पीएसजी ने दो मैचों के कुल स्कोर में 4-0 से मुकाबला अपने नाम किया।

डिफेंडिंग चैंपियन पीएसजी अब लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के करीब पहुंच गया है। अगर वह ऐसा करने में सफल रहता है, तो आधुनिक दौर में रियल मैड्रिड के बाद ऐसा करने वाला दूसरा क्लब बन जाएगा।

मैच में बैलन डी'ऑर विजेता उस्मान डेम्बेले ने दूसरे हाफ में दो गोल दागकर लिवरपूल की वापसी की उम्मीदों को पूरी तरह खत्म कर दिया। उनका पहला गोल 72वें मिनट में आया, जब उन्होंने बॉक्स के बाहर से सटीक शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचाया। इसके बाद इंजरी टाइम में उन्होंने दूसरा गोल कर टीम की जीत पक्की कर दी।

पीएसजी के कोच लुइस एनरिके ने मैच के बाद कहा, 'चैंपियंस लीग खिताब बचाना आसान नहीं होता, लेकिन हम फिर से यहां हैं और हमें इस मौके का पूरा फायदा उठाना होगा।'

इस जीत के साथ पीएसजी का सामना अब सेमीफाइनल में बायर्न म्यूनिख या रियल मैड्रिड में से किसी एक टीम से होगा।

लिवरपूल ने मुकाबले में वापसी की कोशिश जरूर की। पहले हाफ में वर्जिल वैन डाइक का आसान मौका पीएसजी के कप्तान मार्किन्होस के शानदार बचाव के कारण गोल में नहीं बदल सका।

दूसरे हाफ में लिवरपूल को पेनल्टी का मौका भी मिला, जब एलेक्सिस मैक एलिस्टर के खिलाफ फाउल दिया गया, लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद रेफरी ने अपना फैसला बदल दिया, जिससे घरेलू टीम की उम्मीदों को झटका लगा।

लिवरपूल के कोच आर्ने स्लॉट ने कहा, 'हम निराश हैं, क्योंकि दूसरे हाफ में ऐसा लग रहा था कि अगर हम एक गोल कर देते, तो मैच का रुख बदल सकता था। लेकिन हमारी टीम का भविष्य उज्ज्वल है और हमने दिखाया है कि हम यूरोप के चैंपियन को कड़ी टक्कर दे सकते हैं।'

पीएसजी ने एक बार फिर साबित किया कि वह इस समय यूरोप की सबसे मजबूत टीमों में से एक है और अब उसकी नजरें लगातार दूसरे खिताब पर टिकी हैं।

आईपीएल 2026 : धीमी ओवर गति के लिए अजिंक्य रहाणे पर 12 लाख का जुर्माना

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मैच नंबर 22 में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत यह इस सीजन में उनकी टीम का पहला उल्लंघन था, जो न्यूनतम ओवर गति से संबंधित है। इसी कारण रहाणे पर यह जुर्माना लगाया गया। यह मुकाबला चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला गया, डीजिसमें कोलकाता को 32 रन से हार का सामना करना पड़ा। मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाए। जवाब में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 160 रन ही बना सकी और लक्ष्य से पीछे रह गई। इस तरह एक ओर जहां कोलकाता को हार झेलनी पड़ी, वहीं धीमी ओवर गति के कारण कप्तान अजिंक्य रहाणे पर जुर्माना भी लगाया गया।

फिडे कैंडिडेट्स 2026: सिंदारोव ने एक राउंड पहले ही जीता खिताब, 50 मैचों की अजेय लय बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिडे कैंडिडेट्स 2026 के ओपन वर्ग में उभरते ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को एक राउंड शेष रहते ही खिताब अपने नाम कर लिया। राउंड 13 में अनीश गिरी के खिलाफ ड्रॉ खेलते ही उन्होंने टूर्नामेंट में अपनी बढ़त को बरकरार रखते हुए खिताब पर कब्जा जमा लिया। इस जीत के साथ सिंदारोव ने इस साल होने वाले फिडे विश्व शतरंज चैंपियनशिप में मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को चुनौती देने का अधिकार हासिल कर लिया है। खास बात यह रही कि सिंदारोव पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहे और उनकी लगातार अजेय मैचों की संख्या 50 तक पहुंच गई। राउंड 13 से पहले सिंदारोव के पास दो अंकों की बढ़त थी। गिरी के लिए यह मुकाबला जीतना जरूरी था, ताकि फाइनल राउंड तक मुकाबला बना रहे, लेकिन ड्रॉ के साथ ही सिंदारोव ने खिताब सुनिश्चित कर लिया। मुकाबले की शुरुआत गिरी ने 1.d4 चाल से की, जिसका जवाब सिंदारोव ने बेहद मजबूत रणनीति के साथ दिया। 15वीं चाल तक कई मोहरों का आदान-प्रदान हो चुका था और खेल रानी के बिना मिडिलगेम में पहुंच गया, जो सिंदारोव की रणनीति के अनुकूल रहा। गिरी ने डी-फाइल पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन सिंदारोव ने सटीक बचाव करते हुए उनकी सभी योजनाओं को नाकाम कर दिया। बाद में खेल रूक और ऊंट के एंडगेम में पहुंचा, जहां दोनों खिलाड़ियों को कोई बढ़त नहीं मिल सकी और अंततः तीन बार एक जैसी चाल दोहराए जाने के कारण मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। अन्य मुकाबलों में हिकारू नाकामुरा ने मैथियास ब्लूबाउम के खिलाफ ड्रॉ खेला, वेई ई ने आंद्रेई एसिपेंको को हराया, जबकि आर. प्रज्ञानानंदा और फैबियानो कारुआना के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा। सिंदारोव के इस प्रदर्शन ने उन्हें विश्व शतरंज के सबसे बड़े मंच पर पहुंचा दिया है और अब सभी की नजरें उनके और डी. गुकेश के बीच होने वाले खिताबी मुकाबले पर टिकी हैं।

शेन वार्न के बेटे का आरोप, कोविड टीकों से हुई उसकी पिता की मौत

सिडनी। दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वार्न की मौत के चार साल बाद, उनके बेटे जैक्सन वार्न ने एक हैरान करने वाला खुलास किया है। जैक्सन का मानना है कि उनके पिता की अचानक हुई मौत का कारा कोविड-19 टीके रहे होंगे। वार्न का 2022 में थाईलैंड में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था, उस समय उनकी आयु 52 वर्ष थी।

जैक्सन ने अपने पिता के स्वास्थ्य से जुड़ी कुछ समस्याओं को स्वीकार किया, लेकिन साथ ही कोविड टीकों को उनकी मौत का संभावित कारण बताया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, 'मुझे पक्का लगता है कि इसमें कोविड टीके का प्रभाव रहा है। मुझे नहीं लगता कि अब यह कहने से किसी तरह का विवाद पैदा होगा।' जैक्सन ने साथ ही कहा, 'भले ही उनके पिता को पहले से ही कुछ स्वास्थ्य समस्याएं थीं, पर मेरा मानना है किटीका लगाने के कारण उनकी बीमारी बढ़ गयी थी। यह एक ऐसी बात है जिससे मैं हमेशा सोचता रहता हूं।' जैक्सन ने भावनात्मक रूप से बताया कि जब उन्हें पिता की मौत की खबर मिली, तो उनकी पहली प्रतिक्रिया यही थी कि उन्होंने तुरंत सरकार और कोविड टीकों को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा, 'जैसे ही मैंने फोन रखा तो मेरी पहली प्रतिक्रिया यही थी कि मैंने तुरंत सरकार को दोषी ठहराया। मैंने तुरंत कोविड और टीके को दोषी ठहराया।' जैक्सन ने बताया कि उन्होंने शोक सभा में अपने इन विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने से खुद को बड़ी मुश्किल से रोका था। उन्होंने इसे एक समझदारी भरा कदम बताया, अन्यथा उनकी स्थिति बिल्कुल अलग होती। वार्न ने कथित तौर पर तीन या चार कोविड टीके लगवाए थे। जैक्सन के अनुसार, उनके पिता टीका नहीं लगवाना चाहते थे, लेकिन अन्य लोगों की तरह काम करने के लिए उन्हें मजबूरन इन्हें लेना पड़ा। जैक्सन ने कहा कि वह इस बारे में ज्यादा सोचना नहीं चाहते क्योंकि इससे केवल गुस्सा बढ़ता है, जो किसी के लिए भी अच्छा नहीं होता। अपने पिता की जीवनशैली के बारे में जैक्सन ने कहा कि धूम्रपान और शराब पीने के बावजूद, वह अपेक्षाकृत स्वस्थ और खुश थे। उन्होंने बताया, 'उस समय डैड स्वस्थ थे, खुश थे। वे काफी समय बाद इतने अच्छे दिख रहे थे। वह जरूर धूम्रपान करते थे और शराब पीते थे, लेकिन 80 और 90 वर्ष की उम्र के कई लोग भी उनकी तुलना में कहीं अधिक धूम्रपान करते हैं और शराब पीते हैं।' गौरतलब है कि वार्न निधन से कुछ महीने पहले कोविड-19 से संक्रमित हो गए थे पर किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित नहीं थे।

आईपीएल डेब्यू मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले 11 वे गेंदबाज हैं गुरजपनीत

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने अपने डेब्यू पहले ही मैच में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। गुरजपनीत दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल को आउट करने के साथ ही पहले ही मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले आईपीएल इतिहास के 11 वें गेंदबाज बन गये हैं। गुरजपनीत से पहले 10 गेंदबाज इस विशिष्ट क्लब का हिस्सा थे। आईपीएल में सबसे पहले ये कारनामा ईशांत शर्मा ने किया था। ईशांत ने साल 2008 में कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच खेले गये पहले ही मैच की पहली गेंद पर विकेट लिया था। तब ईशांत ने बल्लेबाज राहुल द्रविड़ को क्लीन बोल्ड किया था। ईशांत का यह मैच में एकमात्र विकेट था। . उन्होंने इस मैच में तीन ओवर में केवल 7 रन दिए थे। साल 2008 में खेले गए आईपीएल के पहले सीजन में केकेआर ने ईशांत को 3.81 करोड़ रुपये में खरीदा था।

वहीं वर्तमान आईपीएल सत्र में ईशांत गुजरात टाइटंस में शामिल हैं पर उन्हें अंतिम ग-11 में जगह नहीं मिली है। उन्हें पिछले सत्र की नीलामी में खरीदने के बाद गुजरात ने रिटेन किया था। ईशांत शर्मा को आईपीएल में 100 से ज्यादा मैचों का अनुभव है। उनके नाम 117 मैचों में 96 विकेट हैं। ईशांत ने सात अलग-अलग टीमों से आईपीएल खेले हैं। आईपीएल डेब्यू में पहली गेंद पर विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में ईशांत के अलावा विल्किन मोटा और एस विद्युत व रवि तेजा ने भी साल 2008 में पहली ही गेंद पर विकेट लिए थे। वहीं साल 2009 में शेन हारवुड, अमित सिंह, चार्ल लैंगवेल्ट, केविन पीटरसन ने ये रिकार्ड बनाया था। साल 2010 में केवल अली मुर्तजा

ने ही पहली गेंद पर विकेट लिया था। साल 2012 में टीपी सुधींद्र, 2013 में एडम गिलक्रिस्ट व हनूम बिहारी, 2019 में अल्जारी जोसेफ जबकि 2022 में डेवाल्ट ब्रिविस, 2022 में मथीसा पथिराना व 2025 में अश्विनी कुमार ने पहले ही मैच में विकेट लिए थे।

लखीमपुर खीरी में अम्बेडकर की मूर्ति खंडित होने पर बवाल, भीड़ ने की पत्थरबाजी

-20 पुलिसकर्मी घायल, कई गाड़ियों को फूंका, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

लखीमपुर खीरी (एजेंसी)। लखीमपुर खीरी जिले के मैलानी थाना क्षेत्र अंतर्गत बांकेगंज कस्बे में मंगलवार को अंबेडकर जयंती पर बाबा साहब की मूर्ति स्थापना के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। सरकारी जमीन पर बिना अनुमति मूर्ति रखने की कोशिश में आयोजकों और अन्य लोगों में झड़प हुई, जिससे मूर्ति गिरकर खंडित हो गई। आक्रोशित भीड़ ने मौके पर पहुंची पुलिस टीम पर हमला कर दिया। पत्थर बरसाए और कई सरकारी गाड़ियों में तोड़फोड़ कर आग लगा दी। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने लाठीचार्ज किया। घटना में 20 पुलिसकर्मी और एक स्थानीय पत्रकार घायल हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बांकेगंज कस्बे की एक सरकारी भूमि पर मूर्ति स्थापना को लेकर लंबे समय से विवाद था। सहमति बनी थी कि केवल बाबा साहब की तस्वीर पर माल्यार्पण होगा, लेकिन कुछ लोग चुपके से मूर्ति ले आए। एक चश्मदीद महिला के मुताबिक कुछ लोगों ने जबरन मूर्ति स्थापित करने की कोशिश की, जिसका विरोध होने पर मारपीट शुरू हो गई। इस खींचतान के दौरान मूर्ति गिरकर खंडित हो गई, जिससे वहां मौजूद सैकड़ों लोगों का गुस्सा भड़क उठा और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। हंगामे की सूचना मिलते ही जब पुलिस बल मौके पर पहुंची, तो अराजक तत्वों ने उन पर हमला कर दिया। उग्र भीड़ ने न केवल मारपीट की, बल्कि पुलिस की गाड़ियों में तोड़फोड़ कर उन्हें आग के हवाले कर दिया। हालात इतने बेकाबू हो गए कि पुलिस को बचाव में हल्का बल प्रयोग और लाठीचार्ज करना पड़ा। इस दौरान पत्थरबाजी में कई जवान घायल हुए हैं। पुलिस ने खंडित मूर्ति को कब्जे में लेकर थाने भिजवाया ताकि माहौल और न बिगड़े। मामले की गंभीरता देखते हुए डीएम और एसपी भारी पुलिस फोर्स के साथ बांकेगंज पहुंचीं। इलाके में एहतियातन सुरक्षा बढ़ा दी गई है और शांति व्यवस्था बनी हुई है।

आंध्र प्रदेश में सिलेंडर ब्लास्ट से तबाही, तीन मजदूरों की दर्दनाक मौत

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साईं डिस्ट्रिक्ट से बुधवार को एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई, जहां रसोई गैस सिलेंडर फटने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। धमाका इतना भीषण था कि इसकी चपेट में आकर दो रिहायशी मकान पूरी तरह ढह गए, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। यह घटना जिले के कादिरआई मंडल के कामरावारीपल्ली गांव में दोपहर करीब 12:30 बजे हुई। पुलिस अधीक्षक एस सतीश ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि जिस घर में विस्फोट हुआ, वहां तेलंगाना के प्रवासी मजदूर रह रहे थे। प्रारंभिक जांच के अनुसार, सिलेंडर में गैस रिसाव के कारण यह विस्फोट हुआ, जिसके बाद आग तेजी से फैल गई। धमाके के कारण आसपास तेज कंपन हुआ और दो मकान जमींदोज हो गए। मलबे में दबने और आग की चपेट में आने से तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों ने भी बचाव अभियान में मदद की। हालांकि, विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि पीड़ितों को बचाया नहीं जा सका। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और विस्फोट के सटीक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

3 जुलाई से शुरू हो रही बाबा बर्फानी यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरु

जालंधर (एजेंसी)। लाखों शिव भक्तों के लिए खुशखबरी आई है। 3 जुलाई से शुरू होने वाली बाबा बर्फानी की अमरनाथ यात्रा 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया बुधवार से शुरू हो गई है। पहले ही दिन सुबह से विभिन्न बैंकों के बाहर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें दिखाई दी। अनुमान है कि इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यात्रा में शामिल होगा। इस देखकर प्रशासन सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर पूरी तरह अलर्ट है। श्रद्धालु अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से पंजीकरण कर सकते हैं। बात दें कि पहलगाम रास्ते में चढ़ाई अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन समय अधिक लगता है, जिसकी दूरी करीब 46 किमी है। जबकि बालटाल वाला रास्ता छोटा है, करीब 14 किमी है, लेकिन इसकी चढ़ाई काफी कठिन मानी जाती है। श्रद्धालु अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों माध्यमों से पंजीकरण करा सकते हैं। भक्त श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल एप पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए फोटो और हेल्थ सर्टिफिकेट अपलोड करना अनिवार्य होगा। वहीं ऑफलाइन के लिए देशभर की अधिकृत बैंक शाखाओं में जाकर रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है। यहाँ पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर परमिट जारी किए जाते हैं। प्रति व्यक्ति पंजीकरण शुल्क 150 रुपये निर्धारित किया गया है। यात्रा की दुर्गमता को देखकर श्राइन बोर्ड ने कुछ सख्त नियम बनाए हैं, यात्रियों के पास 8 अप्रैल 2026 के बाद अधिकृत डॉक्टर द्वारा जारी किया गया अनिवार्य स्वास्थ्य प्रमाण पत्र (सीएचसी) होना चाहिए। केवल 13 से 70 वर्ष की आयु के लोग ही यात्रा कर सकते हैं। 6 सप्ताह से अधिक की गर्भवती महिलाओं को यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जहरीली गैस के कारण दम घुटने से दो लोगों की मौत

हरदोई (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के हरदोई जिले के जलालपुर गांव में दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें जहरीली गैस के कारण दम घुटने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से बीमार हो गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम प्रधान विद्यावती के पति सुरेंद्र अपने घर में बने सीमेंट के टैंक को गेहूं भंडारण के लिए साफ करवा रहे थे। इस टैंक में पहले तिरपाल बिछाकर उसके ऊपर भूसा डाला गया था, जिससे अंदर जहरीली गैस बन गई थी। सफाई के दौरान गांव के कैलाश सबसे पहले टैंक में उतरे, लेकिन अंदर पहुंचते ही उन्हें सांस लेने में दिक्कत हुई और वे बेहोश हो गए। कैलाश को बचाने के लिए सुरेंद्र तुरंत टैंक में उतरे, लेकिन वे भी गैस की चपेट में आकर अचेत हो गए। इसके बाद तीसरे युवक प्रमोद को रस्सी के सहारे नीचे भेजा गया, मगर वह भी जहरीली गैस के कारण बेहोश हो गया। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाकर रस्सी की मदद से प्रमोद को बाहर निकाला और किसी तरह अन्य दोनों को भी बाहर निकाला। तीनों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सुरेंद्र और कैलाश को मृत घोषित कर दिया, जबकि प्रमोद का इलाज जारी है। इस घटना ने गांव में शोक की लहर दौड़ा दी है और जहरीली गैस से जुड़े खतरों के प्रति सतर्कता की आवश्यकता को उजागर किया है।

पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से झटका, तेलंगाना हाईकोर्ट की जमानत पर लगी रोक

असम सरकार की अपील पर सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा दी गई ट्रांजिट अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी। यह मामला असम पुलिस द्वारा दर्ज मानहानि और जालसाजी के आरोपों से जुड़ा है।

दरअसल, असम के मुख्यमंत्री हेमंता विस्व सरमा की पत्नी रिनीकी भुइयां शर्मा ने पवन खेड़ा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। खेड़ा पर आरोप है कि उन्होंने रिनीकी भुइयां के पास कई देशों के पासपोर्ट होने का दावा किया था, जिसे लेकर विवाद खड़ा हुआ। संभावित गिरफ्तारी से बचने के लिए पवन खेड़ा ने तेलंगाना हाईकोर्ट का रुख किया था, जहां से उन्हें एक सप्ताह की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मिल गई थी। हालांकि, इस फैसले को असम सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जिस पर अब शीर्ष अदालत ने रोक लगा दी है।

मामले की सुनवाई जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने की। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि यदि पवन खेड़ा असम के सक्षम न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन करते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट के इस अंतरिम आदेश का उस पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। सुनवाई के दौरान असम सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तेलंगाना हाईकोर्ट के अधिकार क्षेत्र पर सवाल उठाए। उन्होंने दलील दी कि याचिका में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि जब कथित अपराध गुवाहाटी में हुआ, तो तेलंगाना हाईकोर्ट का क्षेत्राधिकार कैसे बनता है।

इसके साथ ही आधार कार्ड से जुड़े एक पहलू पर भी बहस हुई। अदालत को बताया गया कि याचिका दाखिल करते समय पवन खेड़ा की ओर से उनकी पत्नी का आधार कार्ड प्रस्तुत किया गया था, ताकि तेलंगाना से संबंध दिखाया जा सके। इस पर सॉलिसिटर जनरल ने आपत्ति जताते हुए इसे कानून का दुरुपयोग बताया।

सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि रिकॉर्ड में प्रस्तुत दस्तावेजों से प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है कि अधिकार क्षेत्र का अनुचित लाभ उठाने की कोशिश की गई।

सभी दलीलों पर विचार करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना हाईकोर्ट के आदेश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी और मामले में नोटिस जारी कर तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है।

गौरतलब है कि असम पुलिस ने पवन खेड़ा के खिलाफ मानहानि, जालसाजी और आपराधिक साजिश के आरोपों में मामला दर्ज किया है। 7 अप्रैल को पुलिस उनकी तलाश में दिल्ली स्थित आवास भी पहुंची थी। इसके बाद खेड़ा ने 10 अप्रैल को तेलंगाना हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जहां से उन्हें अस्थायी राहत मिली थी, जो अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद स्थगित हो गई है।

हंगामा ओटीटी पर 'मंगलमुखी' लॉन्च

मुंबई। भारत के प्रमुख डिजिटल एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म्स में से एक हंगामा ओटीटी ने 9 अप्रैल 2026 को अपनी नई ओरिजिनल सीरीज मंगलमुखी लॉन्च की। यह एक सशक्त क्राइम ड्रामा है, जिसकी कहानी वाराणसी और मुंबई जैसे दो अलग-अलग माहौल के बीच आगे बढ़ती है। इस सीरीज में एला डी वर्मा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, उनके साथ नमिश तनेजा, रति पांडे और तान्या शर्मा भी अहम किरदार निभा रहे हैं। यह कहानी एक हाई-स्टेक मर्डर मिस्ट्री को पहचान, सम्मान और संघर्ष की भावनात्मक परतों के साथ जोड़ती है। मंगलमुखी की कहानी मंगल के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक ट्रांसजेंडर पुलिस ऑफिसर है और जिसे लंबे समय से अपने विभाग में तिरस्कार और नजरअंदाजी झेलनी पड़ी है। लेकिन उसकी जिंदगी तब बदलती है, जब उसे अपना पहला बड़ा केस मिलता है। यह केस एक लोकप्रिय टीवी स्टार की कैमरे पर हुई रहस्यमयी मौत से जुड़ा है, जो उसे वाराणसी से मुंबई के अंधेरे एंटरटेनमेंट जगत तक ले जाता है। जो शुरूआत में एक हादसा लगता है, वह धीरे-धीरे एक खौफनाक जांच में बदल जाता है, जहां मंगल को सिर्फ इंसाफ के लिए नहीं बल्कि अपनी पहचान के लिए भी लड़ना पड़ता है। अपने किरदार के बारे में एला डी वर्मा कहते हैं, मंगलमुखी सिर्फ एक पुलिस ऑफिसर की कहानी नहीं है, यह पहचान, हिम्मत और खुद पर विश्वास की कहानी है। उसकी यात्रा जेंडर से आगे जाती है। यह साबित करने की कहानी है कि आपकी काबिलियत इस बात से तय नहीं होती कि समाज आपको कैसे देखता है। वह तेज, मजबूत और निडर है, और यही बात मुझे इस किरदार की तरफ खींच लाई। इसे निभाना मेरे लिए भावनात्मक भी रहा और सशक्त बनाने वाला भी। उम्मीद है दर्शक भी उसकी ताकत से जुड़ पाएंगे। नमिश तनेजा कहते हैं, यह पहली बार है जब मैं इस तरह की कहानी का हिस्सा बना हूं और एक ट्रांसजेंडर एक्ट्रेस के साथ करीब से काम करना मेरे लिए बेहद समृद्ध अनुभव रहा।

पुलिस ने नाबालिग लड़कियों से यौन शोषण और अश्लील वीडियो बनाने वाले को दबोचा

-आरोपी लड़कियों को ब्लैकमेल कर देह व्यापार में धकेलने मुंबई-पुणे ले जाता था

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में पुलिस ने 180 से ज्यादा नाबालिग लड़कियों के कथित यौन शोषण और उनके 350 से ज्यादा अश्लील वीडियो बनाने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी लड़कियों को 'लव ट्रैप' में फंसाकर उन्हें मुंबई और पुणे ले जाता था, जहां उनके आपत्तिजनक वीडियो बनाता था। इन वीडियो का इस्तेमाल वह लड़कियों को ब्लैकमेल करने और देह व्यापार में धकेलने के लिए करता था। आशंका है कि इनमें से कुछ वीडियो शेयर भी किए गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी अयाज उर्फ तनवीर के रूप में हुई है, जो परतवाड़ा शहर का रहने वाला है. वॉट्सएप और स्नैपचैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए नाबालिग लड़कियों को निशाना बनाता था। इस मामले की शिकायत बीजेपी सांसद अनिल बोंडे ने एसपी (ग्रामीण) को ज्ञापन सौंपकर की थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि इस मामले में एसआईटी का गठन नहीं किया गया तो वे विरोध प्रदर्शन करेंगे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मुस्लिम समुदाय के लोग भी पुलिस स्टेशन पहुंचे और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधों से पूरे समुदाय की छवि खराब होती है और दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अयाज पहले एआईएमआईएम से जुड़ा था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे 7 दिन की हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या उसने ये वीडियो किसी और के साथ शेयर किए थे, या वह किसी बड़े आपराधिक नेटवर्क का हिस्सा था।

रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि सामाजिक बदनामी के डर से अब तक किसी भी पीड़ित या उसके परिवार के सदस्य ने कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। एसपी ने पीड़ितों के परिवारों से आगे आने की अपील की है और उन्हें भरोसा दिलाया है कि उनकी पहचान गुप्त रखी जाएगी, इसके अलावा, राज्य सरकार उनकी कानूनी और काउंसलिंग सेवाओं का भी ध्यान रखेगी। अमरावती के पालक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि सीएम देवेंद्र फडणवीस ने भी इस मामले का संज्ञान लिया है।

सुप्रीम कोर्ट में मंदिर पक्ष का तक... धर्म की प्रथा उस समुदाय की आस्था से तय होती, न कि न्यायिक मानकों से

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जारी सुनवाई के दौरान धार्मिक अधिकारों और संवैधानिक सीमाओं पर अहम बहस हुई। सबरीमाला मंदिर का प्रबंधन देखने वाले त्रावणकोर देवस्थनम बोर्ड की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि शीर्ष अदालत को धार्मिक मान्यताओं की सही-गलत की व्याख्या नहीं करनी चाहिए। उनके अनुसार, किसी भी धर्म की प्रथा उस समुदाय की आस्था से तय होती है, न कि न्यायिक मानकों से होती है।

वकील सिंघवी ने कहा कि धर्म मूल रूप से एक सामूहिक विश्वास है, इसलिए कुछ व्यक्तियों के अधिकार पूरे समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता पर हावी नहीं हो सकते। उन्होंने स्पष्ट किया कि धार्मिक अधिकारों पर रोक केवल विधि (कानून) के माध्यम से ही लग सकती है, न कि केवल सरकारी आदेशों या निर्देशों से रोक लगा सकते है। यदि बिना कानून के हस्तक्षेप हुआ, तब इससे सरकार को मनमाने ढंग से धार्मिक स्वतंत्रता में दखल देने का मौका मिल सकता है।

इस मामले की पृष्ठभूमि में केरल हाईकोर्ट का 1991 का फैसला है, इसमें 10 से 50 वर्ष की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया था। इसके बाद में सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में इस प्रतिबंध को भेदभावपूर्ण बताकर हटा दिया। इसके बाद पुनर्विचार याचिकाओं के आधार पर कई संवैधानिक प्रश्नों पर अब विस्तृत बहस हो रही है।

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना ने कहा कि यदि सभी को मंदिर में प्रवेश की अनुमति है, तब अंदर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि अलग-अलग जातियों को अलग स्थानों पर बैठाकर भोजन कराना असमानता का प्रतीक है। इस पर सिंघवी ने जवाब दिया कि कुछ धार्मिक प्रथाएं ऐसी हो सकती हैं, जिसमें दर्शन या पूजा के तरीके अलग हों, और हर स्थिति में कोर्ट हस्तक्षेप नहीं कर सकता।

सुनवाई के दौरान सिंघवी ने तर्क दिया कि अदालत धार्मिक प्रथाओं को अपनी व्याख्या के आधार पर बदल नहीं सकती, यदि वे किसी धर्म का स्थापित और मान्य हिस्सा हैं। हालांकि, यदि कोई प्रथा कानून के विरुद्ध हो या पूरे समुदाय द्वारा मान्य न हो, तब उस पर रोक लग सकती है।

न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश ने सवाल उठाया कि सामाजिक सुधार से जुड़े कानून, जैसे हिंदू उत्तराधिकार कानून, किस आधार पर बनाए गए। वहीं, आर्टिकल 15(3) के तहत महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान लागू होने की संभावना पर भी चर्चा हुई। इस पर मंदिर के वकील सिंघवी ने चेतावनी दी कि यदि अदालतें यह तय करने लगें कि कौन-सी धार्मिक प्रथा आवश्यक है और कौन-सी नहीं, तब न्यायपालिका धर्म के मामलों में अत्यधिक हस्तक्षेप करने लगेगी, जिसकी कोई स्पष्ट सीमा नहीं होगी। उन्होंने उदाहरण के तौर पर जैन दिगंबर साधुओं की परंपरा का उल्लेख किया, जो सामान्य सामाजिक दृष्टि से अलग हो सकती है, लेकिन उनके धर्म का अभिन्न हिस्सा है। अंत में न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि इस मामले में ÷संवैधानिक नैतिकता÷ के बजाय ÷सार्वजनिक नैतिकता÷ का पहलू भी महत्वपूर्ण रहेगा। यह पूरा मामला धार्मिक स्वतंत्रता, समानता और न्यायिक सीमाओं के बीच संतुलन स्थापित करने की चुनौती को दर्शाता है।

सत्ता को ठोकर मारकर सिद्धांतों को सर्वोपरि रखना हर किसी के बस की बात नहीं

-जेडीयू नेता बोले-यह साहस, चरित्र, त्याग सिर्फ नीतीश जैसे नेता ही दिखा सकते हैं

पटना (एजेंसी)। बिहार में बुधवार को बीजेपी नेता सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इससे पहले नीतीश कुमार ने मंगलवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा कर दिया था। इधर नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद जेडीयू ने कहा कि नीतीश कुमार ने सत्ता को ठोकर मारकर सिद्धान्तों को सर्वोपरि रखा। जेडीयू के विधान पार्षद और मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने बुधवार को सोशल नेटवर्किंग साइट पर एक पोस्ट के जरिये नीतीश कुमार की जमकर तारीफ की है।

उन्होंने एक्स पर सवाल यह नहीं कि आपने क्या त्याग किया, सवाल यह है कि आपके इस त्याग की चर्चा कौन करे शीर्षक के जरिए नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए लिखा, कोई एक दिन के लिए भी त्याग नहीं करता, लेकिन नीतीश कुमार ने सीएम की कुर्सी त्याग कर एक ऐसी मिसाल पेश की है, जो राजनीति के इतिहास में विरले ही देखने को मिलती हैं। उन्होंने लिखा सत्ता को ठोकर मारकर सिद्धांतों को सर्वोपरि रखना हर किसी के बस की बात नहीं। यह साहस, यह चरित्र, यह त्याग- सिर्फ नीतीश कुमार जैसे नेता ही दिखा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि वह दौर- जब 118 नरसंहारों की गूंज थी, जब चरवाहा विद्यालय जैसे प्रयोगों ने शिक्षा का मजाक बना दिया था, जब समाज को जाति और धर्म के नाम पर बांटकर सत्ता की राजनीति की जाती थी, जब गरीब, दलित, पिछड़े और वंचित वर्गों को जानबूझकर विकास से दूर रखा गया। नीरज ने नीतीश सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि ऐसे अंधकारमय समय में, नीतीश कुमार ने सिर्फ सरकार नहीं चलाई- उन्होंने व्यवस्था बदली, सोच बदली, समाज को नई दिशा दी। यह वही नेता हैं जिन्होंने केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी की कैबिनेट में अपनी भूमिका निभाई और बिहार लौटकर विकास की नई परिभाषा गढ़ी।

उन्होंने कहा कि सांसद या विधायक बन जाना बड़ी उपलब्धि नहीं है- लेकिन सामाजिक जकड़नों को तोड़ना, भविष्य की पीढ़ियों के लिए रोडमैप बनाना और उसे जमीन पर उतारना, यह असाधारण व्यक्तित्व का व्यक्ति ही कर सकता है। नीरज कुमार ने विश्वास जताते हुए कहा कि यही कारण है कि सात निश्चय केवल योजना नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य का विजन है। सवाल उठाने वालों को लेकर कहा कि आज जो लोग सवाल उठाते हैं, उन्हें इतिहास के आईने में खुद को देखना चाहिए। क्योंकि फर्क साफ है- एक तरफ सत्ता के लिए समाज को बांटने की राजनीति और दूसरी तरफ समाज को जोड़ने की कार्यनीति। आपका योगदान महान है, लेकिन आपका त्याग- उससे भी बड़ा है।

पश्चिम बंगाल में बीजेपी सरकार बनी तो घुसपैठियों को करेंगे निकाल बाहर : घोष

अराजकता और उग्र प्रदर्शन किसी भी समस्या का समाधान नहीं

खड़गपुर (एजेंसी)। पश्चित बंगाल चुनाव में बीजेपी नेता और खड़गपुर से उम्मीदवार दिलीप घोष ने सम्राट चौधरी और पीएम मोदी द्वारा बंगाल के लिए घोषित छह गारंटियों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बिहार एनडीए विधायक दल के नेता के रूप में सम्राट चौधरी के चुने जाने पर घोष ने कहा कि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। बीजेपी कदम दर कदम आगे बढ़ रही है और लोग उसे वोट दे रहे हैं। बीजेपी सुशासन प्रदान करती है। अपने सहयोगियों से विचार-विमर्श करके निर्णय लेती है।

इंडियन पीएसी कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड (आई-पैक) के निदेशक विनेश चंदेल को ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने पर दिलीप घोष ने कहा कि आई-पैक से जुड़े घोटालों के कई आरोप हैं। कई शिकायतें पहले ही सामने आ चुकी हैं। जांच जारी है और जैसे-जैसे तथ्य सामने आ रहे हैं, कार्रवाई की जा रही है। ऐसी जांचों के निष्कर्षों के आधार पर गिरफ्तारियां की जाती हैं और जेल भेजा जाता है। घोष ने कहा कि इस बार पश्चिम बंगाल चुनाव बहुत अहम हैं। पीएम मोदी खुद नेतृत्व कर रहे हैं। कार्यकर्ता दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, पश्चिम बंगाल में इस बार सत्ता परिवर्तन होगा। ममता बनर्जी ने घुसपैठियों को शरण दी है। बीजेपी सरकार बनते ही घुसपैठियों को बाहर निकाला जाएगा।

इसके पहले मंगलवार को दिलीप घोष ने कहा था कि कोयला, बालू से लेकर गो-तस्करी तक पश्चिम बंगाल में यह एक बड़ी समस्या है। तस्करी के जरिए हजारों करोड़ रुपए कमाए जाते हैं। हिंसा जैसी घटनाओं के बढ़ने के पीछे भी यही पैसा होता है। ऐसे मामलों में जो भी दोषी है, उन्हें न्याय के कटघरे में लाना चाहिए और सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछली बार की घटनाएं आज भी लोगों को याद हैं। टीएमसी के गुंडों ने लोगों को अभी से डराना शुरू कर दिया है। चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश हो रही है।

तेल कंपनियों को हो रहा नुकसान... क्या चुनाव के बाद लोगों को लग सकता बढ़ी कीमत का झटका

नुकसान की भरपाई के लिए पेट्रोल 125 रुपये प्रति लीटर जा सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव के बीच भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर बड़ा झटका लगने की आशंका जाहिर की जा रही है। हालांकि देश में बीते चार वर्षों से ईंधन की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन इसका भारी वित्तीय दबाव सरकारी तेल कंपनियों पर पड़ रहा है। सरकारी कंपनियां जैसे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) अप्रैल 2022 से पेट्रोल-डीजल की कीमतों को स्थिर रखे हुए हैं। जबकि भारत में ईंधन मूल्य निर्धारण को एक दशक पहले ही सरकारी नियंत्रण से मुक्त कर बाजार आधारित कर दिया गया था, इसके बावजूद इन कंपनियों ने उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए कीमतें नहीं बढ़ाईं।

दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई थीं, फिर कुछ समय के लिए गिरकर लगभग 70 डॉलर तक आईं, और हाल ही में अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान पर हमलों के बाद फिर से करीब 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं। इस अस्थिरता का सीधा असर भारतीय तेल कंपनियों की लागत पर पड़ा है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनियों को पेट्रोल पर करीब 18 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 35 रुपये प्रति लीटर तक का नुकसान हो रहा है। वैश्विक वित्तीय संस्था की रिपोर्ट के मुताबिक, यदि कच्चे तेल की कीमत 135 से 165 डॉलर प्रति बैरल के बीच रहती है, तब यह नुकसान और बढ़ सकता है। साथ ही, हर 10 डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि से प्रति लीटर करीब 6 रुपये का अतिरिक्त घाटा जुड़ जाता है।

वित्तीय नुकसान का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पिछले महीने ये कंपनियां रोजाना करीब 2,400 करोड़ रुपये का नुकसान उठा रही थीं। हालांकि मोदी सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती के बाद यह घाटा घटकर करीब 1,600 करोड़ रुपये प्रतिदिन बचा है। लेकिन यह राहत आम उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंची, बल्कि कंपनियों के घाटे को कम करने में इस्तेमाल हुई। यदि कंपनियां अपने इस नुकसान की भरपाई करना चाहें, तब पेट्रोल की कीमतें 125 रुपये प्रति लीटर से ऊपर जा सकती हैं। इसके बाद माना जा रहा है कि चुनाव के बाद उपभोक्ताओं को ईंधन की कीमतों में तेज बढ़ोतरी का सामना करना पड़ सकता है।

चुनाव बाद लग सकता है झटका

सूत्रों का कहना है कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु जैसे प्रमुख राज्यों में चुनाव के बाद ईंधन की खुदरा कीमतों में वृद्धि के आसार हैं। भारत ने साल 2025 में अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 88 फीसदी आयात किया और वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव के प्रति वह अत्यधिक संवेदनशील बना हुआ है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902